रांची, मंगलवार
10-11-2026
वर्ष : 01, अंक : 176
पृष्ट : 12
मूल्य 04 रू, मात्र
रांची से प्रकाशित

रफ़्तार मीडिया



RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com

संसद के सत्रावसान पर सियासत तेजः 88 दिनों से अटका मानसून सत्र, टूटा 2008 का रिकॉर्ड; जयराम रमेश ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र समाप्त हुए 88 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक लोकसभा और राज्यसभा का औपचारिक सत्रावसान नहीं किया गया है। इसके साथ ही संसद के सत्रावसान में अब तक का सबसे लंबा अंतराल दर्ज हुआ है। इससे पहले वर्ष 2008 में 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं हुआ था। दोनों सदनों की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। सोमवार सुबह तक दोनों सदनों का सत्रावसान नहीं होने से मौजूदा सत्र के तहत ही संसद की बैठक दोबारा बुलाए जाने की संभावना बनी हुई है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस मामले में सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए हुए 88 दिन हो गए हैं, लेकिन अब तक सत्रावसान नहीं हुआ है। रमेश ने संसद की कार्यप्रणाली पर प्रकाशित



पुस्तक 'कौल एंड शकधर' के आठवें संस्करण का हवाला देते हुए कहा कि इसमें लोकसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान के बीच सामान्यतः दो से चार दिन का अंतर बताया गया है। पुस्तक के फुटनोट में यह अधिकतम अंतर 28 दिन बताया गया है, जो 2015 के मानसून सत्र से जुड़ा है।

उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के पति झांसी से गिरफ्तार, भतीजा बरेली में हिरासत में, घरेलू विवाद से सियासी हलचल ये भी पढ़ें उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के पति झांसी से गिरफ्तार, भतीजा बरेली में हिरासत में, घरेलू विवाद से सियासी हलचल

रमेश ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में 2008 के मानसून सत्र का 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं होने का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा कि उस समय सभी दलों की सहमति से ऐसा किया गया था। रमेश ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने यह रिकॉर्ड केंद्रीय गृहमंत्री को परिसीमन विधेयकों को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत जुटाने का समय देने के उद्देश्य से बनाया है।

हजारीबाग : सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत, 12 से अधिक घायल



रफ्तार मीडिया सवाददाता

हजारीबागः जिले के चौपारण थाना अंतर्गत हथिया बाबा मोड़ के निकट दनुआ घाटी में भीषण सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई. पूरा परिवार अंतिम संस्कार करने के लिए बनारस जा रहा था, इसी दौरान घटना घटी है. यह हादसा सोमवार सुबह करीब 11 बजे महानेटांड के समीप हुई. जब सड़क किनारे खड़ी सवारी गाड़ी को पीछे से आ रहे एक ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी.

हादसे में पांच लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. जिन्हें इलाजे के लिए अस्पताल ले जाया गया. वहीं इलाज के दौरान दो घायलों ने दम तोड़ दिया. जिसके बाद इस हादसे में मृतकों की संख्या 7 हो गई.

■ अंतिम संस्कार के लिए बनारस जा रहा था परिवार

मिली जानकारी के अनुसार, लगभग 20 लोग सवारी गाड़ी पर सवार होकर शव जलाने के लिए बनारस जा रहे थे. दनुआ घाटी के महानेटांड़ कट के समीप वाहन के उपर रखा शव का रस्सी ढीला हो गया. स्थानीय लोगों के अनुसार, वाहन सड़क पर खड़ा कर यात्री रस्सी को ठीक करने में जुटे थे.

इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रेलर ने सवारी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि सवारी गाड़ी में बैठे लोग इसकी चपेट में आ गए.

लोकसेवक 48+ घंटे न्यायिक हिरासत में तो अपने आप सस्पेंड

□ एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है - अगर कोई सरकारी अफसर गिरफ्तार होकर 48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत (जेल) में रहता है, तो उसे अपने आप सस्पेंड माना जाएगा। इसके लिए अलग से कोई सस्पेंशन ऑर्डर निकालने की जरूरत नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 6 नवंबर के आदेश में ये बात कही। मामला बिहार के समस्तीपुर के अस्पताल



प्रशासक के रिश्वत कांड से जुड़ा था। विश्वजीत सिंह पर 36421 रुपए के बकाया वेतन को जारी करने के बदले संविदाकर्मी से 4000 रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें करीब एक साल बाद उनकी जमानत रद्द की गई थी।

जमानत रद्द करने पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट इस पर टिप्पणी कर सकता था, लेकिन जमानत रद्द नहीं करनी चाहिए थी। जमानत बहाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की सेवा स्थिति और बाद की तैनाती से जुड़ी एक गंभीर बात भी उठाई। बेंच ने आदेश में कहा, 'एक गंभीर बात है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा लगता है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी करीब 15 दिन न्यायिक हिरासत में रहा।'

जस्टिस पारदीवाला कहा- सरकारी कर्मचारी होने के कारण सिंह को स्वत:निलंबित माना जा सकता है। हैरानी की बात है कि उन्हें दोबारा उसी अस्पताल में उसी पद पर तैनात कर दिया गया।' कोर्ट ने कहा कि राज्य को इस पहलू पर जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए।

कर्नाटक हाईकोर्ट बोला- ईडी कोई सुपर कॉप नहीं



□ एजेंसी बेंगलुरू

कर्नाटक हाई कोर्ट ने शनिवार को कहा कि ईडी कोई 'सुपर कॉप' नहीं है, जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच शुरू कर दे। एजेंसी को कानून के दायरे में रहकर ही काम करना होगा। कोर्ट ने यह टिप्पणी कांग्रेस नेता केवाई नंजे गौड़ा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की और ईडी की कार्रवाई रद्द कर दी। ईडी भूमि आवंटन घोटाले में गौड़ा की जांच कर रही थी। उसने संबंधित लोगों को समन जारी किए और मूल भूमि घोटाले का केस खारिज होने के बाद भी कार्रवाई जारी रखी। ऐसे में उसकी कार्रवाई को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। जस्टिस एमआई अरुण ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य की जिम्मेदारी है, केंद्र की नहीं।

1. शुरुआत 150 करोड़ रुपए के कथित जमीन घोटाले से हुई

केवाई नंजे गौड़ा मालूर की लैंड ग्रांट कमेटी के अध्यक्ष थे। आरोप था कि उनके और कमेटी के अन्य सदस्यों ने पद का दुरुपयोग कर 38 लोगों को करीब 80 एकड़ सरकारी जमीन अवैध तरीके से आवंटित की। ईडी ने इसी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। ईडी ने जनवरी 2024 में 14 ठिकानों पर छापे मारे थे। एजेंसी के मुताबिक, इस दौरान 25 लाख रुपए से ज्यादा नकद और 50 करोड़ रुपए से अधिक की चल-अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए थे।

जमीन मामले की जांच के दौरान ईडी को कोलार-चिक्कबल्लापुर मिल्क यूनियन में 2023 की भर्ती में कथित गड़बड़ी से जुड़ी जानकारी मिली। ईडी का आरोप था कि भर्ती प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और इंटरव्यू को पैसे या राजनीतिक सिफारिश के आधार पर प्रभावित किया गया।

पीएम मोदी ने बस्तर में जवानों के साथ दिवाली मनाई

हथियार वाले नक्सली गए, अब दिमागी नक्सलियों से लड़ना होगा, ये लोगों को भड़का रहे

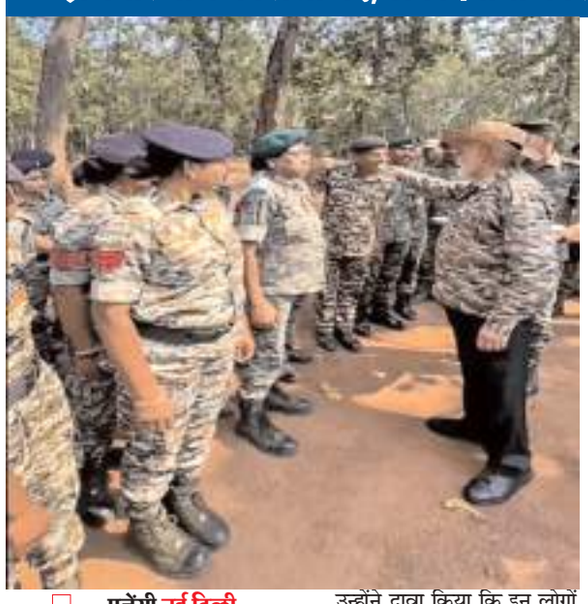

□ एजेंसी नई दिल्ली

पीएम मोदी ने कहा कि नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है।

सीआरपीएफजवानों के सामने कही। पीएम यहां दिवाली मनाने पहुंचे थे। उन्होंने 42 मिनट स्पीच दी।

पीएम लगातार 13वीं बार जवानों के साथ दिवाली मनाने पहुंचे थे। इससे पहले 12 मौकों पर उन्होंने देश के अलग-अलग सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया था। सबसे ज्यादा 3 बार जम्मू-कश्मीर गए। दो-दो बार हिमाचल प्रदेश और लद्दाख जा चुके हैं।

1. नक्सलवाद का डर खत्मः

2026 की दिवाली बेहद खास है। 40-50 साल बाद पहली बार देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। करोड़ों लोगों ने नक्सलवाद का डर पीछे छोड़ दिया है।

उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं।

पीएम ने यह बात छत्तीसगढ़ के बस्तर में कोबरा ऑपरेशंस बेस में

2. एक साल में सीआरपीएफ का जवान शहीद नहीं

पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के किसी जवान की जान नहीं गई। यह सुरक्षा बलों के शौर्य, साहस और सरकार की सही नीतियों की जीत है।

3. पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया

2004 से 2013 तक हर साल नक्सलियों के मुकाबले हमारे ज्यादा जवान शहीद हुए। पिछली सरकारों ने नक्सलवाद को ऐसी बीमारी मान लिया था, जिसका कोई इलाज नहीं है।

कैंसर की 137 दवाएं आज से सस्ती

□ एजेंसी नई दिल्ली

कैंसर की 137 दवाएं आज (9 नवंबर) से सस्ती हो गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं।

इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50त्न से ज्यादा घटाए गए हैं। सबसे ज्यादा 96.45त्न की कमी की गई है। कीमतें घटने से मरीजों को हर साल करीब 3,540.38 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है। दरअसल, 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की रिटेलर कीमत और मैक्सिमम रिटेल प्राइज यानी के बीच के मार्जिन पर सवाल उठाए थे।

दिल्ली-एनसीआर में आतिशबाजी से हवा खतरनाक स्तर पर,एक्यूआई 418

प्रयागराज में एक्यूआई 500 पार ; यूपी में ठंड बढ़ी, राजस्थान में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड

□ एजेंसी नई दिल्ली

दिवाली के बाद सोमवार सुबह दिल्ली-एनसीआर की हवा की क्वालिटी गंभीर कैटेगरी में पहुंच गई। रविवार रात लोगों ने जमकर पटाखे जलाए, जिसके बाद सोमवार सुबह दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में विजिबिलिटी भी काफी कम रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के



पटपड़गंज में एक्यूआई में 418, पर एक्यूआई 406, राजीव चौक पर AQI 381 और साउथ एक्सटेंशन के आसपास के क्षेत्र में एक्यूआई 360 दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और वाराणसी समेत 10 शहरों में सोमवार को हवा का स्तर खतरनाक रहा। सुबह 7 बजे प्रयागराज, गोरखपुर और लखनऊ का एक्यूआई500 के पार पहुंच गया। यूपी में ठंड और कोहरे ने भी असर दिखाना शुरू कर दिया है। 15 से ज्यादा शहरों में घना कोहरा छाया रहा। रात का तापमान 15एष्ट से नीचे लुढ़क गया है। मध्य प्रदेश में भी ठंड बड़ रही है। रविवार रात भोपाल, इंदौर समेत 14 शहरों में पारा 14एष्ट से कम रहा। राजस्थान के शहरों में रविवार को दिन में सामान्य से ज्यादा गर्मी रही। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 38°C के पार चला गया।

देशभर में दिवाली की रात आग से 23 मौतें

□ एजेंसी नई दिल्ली

दिवाली की रात देश के कई शहरों में पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल और कुछ लापता हैं। सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुईं, जहां तीन अलग-अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई।

वहीं महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान में रहने वाले परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मुंबई के लोखंडवाला में आग लगने की एक अन्य घटना में भी एक व्यक्ति की जान चली गई।

इसके अलावा, राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग लापता हैं। हादसे में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन जल गए। वहीं, दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल



के बच्चे की मौत हो गई।

एमपी में मरने वालों में 5 महिलाएं, 3 पुरुष और 4 बच्चे

मध्य प्रदेश के कटनी जिले में मकान में आग लगने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 बच्चे भी शामिल हैं जिनमें से एक 2 महीने का था।

वहीं, सिवनी जिले में सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से 6 लोगों की जान चली गई। इनमें एक 16 साल का किशोर भी शामिल है।

मुंबई के डोंगरी में झुग्गियों में आग

मुंबई के डोंगरी इलाके में आग से कई दुकानें और झुग्गियां जल गईं, जबकि दादर के कामगार स्टेडियम में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने 17 मिनट में काबू पा लिया। महाराष्ट्र के ठाणे में 17 मंजिला बिल्डिंग में आग लगी। ठाणे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इसके अलावा असम के जोनाई, पुणे के वडगांव शेरी, मुंबई के विद्याविहार, सिक्किम के गंगटोक में सरकारी आवास और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में भी आग लगने की घटनाएं सामने आई। इन घटनाओं के बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।



डिजिटल दौर में भी कायम है बही-खातों की परंपरा, दीपावली पर व्यापारियों ने की विधि-विधान से पूजा-अर्चना

कंप्यूटर और मोबाइल ऐप के बढ़ते इस्तेमाल के बीच लाल बही का आज भी बरकरार है महत्व, स्याही-दवात और निब वाले पेन की भी हुई जमकर बिक्री

रफ्तार मीडिया संवाददाता



झुमरी तिलैया : आधुनिक दौर में भले ही व्यापारिक गतिविधियां कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और मोबाइल ऐप के माध्यम से संचालित हो रही हों, लेकिन भारतीय परंपरा में बही-खातों का महत्व आज भी बरकरार है। जीएसटी लागू होने के बाद छोटे-बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों में लेन-देन, बिलिंग और स्टॉक का हिसाब डिजिटल माध्यमों से रखा जाने लगा है। इसके बावजूद धनतेरस और दीपावली के अवसर पर व्यापारियों ने परंपरा का निर्वहन करते हुए अपने प्रतिष्ठानों में बही-खातों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। दीपावली के अवसर पर झुमरी तिलैया के विभिन्न बाजारों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की पूजा के साथ नए बही-खातों की भी पूजा की गई। पूजा-अर्चना के बाद कई दुकानदारों ने नए वित्तीय हिसाब-किताब की शुरूआत करते हुए बही-खातों में पहली एंट्री दर्ज की। व्यापारियों का मानना है कि बही-खाता महज कागज की किताब नहीं, बल्कि उनके कारोबार की समृद्धि, शुभारंभ और मां लक्ष्मी की कृपा का प्रतीक है। स्थानीय दुकानदार कैलाश गुप्ता और आलोक गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष बाजार में बही-खातों की कीमत 50 रुपये से लेकर 1500 रुपये तक रही। इसके अलावा व्यापारियों ने अपनी जरूरत के अनुसार स्टॉक रजिस्टर, लेजर, कैश बुक और डे बुक की भी खरीदारी की, जिनकी कीमत 50 से 500 रुपये तक रही। वहीं, दुकान संचालक बिनोद भदानी ने बताया कि डिजिटल युग में भी परंपरा के प्रति लोगों का विश्वास कम नहीं हुआ है। आज भी बड़ी संख्या में व्यापारी दीपावली पर नए बही-खाते खरीदकर उनकी पूजा करते हैं।

डिजिटल दौर में भी स्याही और दवात की मांग

इस परंपरा की खास बात यह रही कि कंप्यूटर और मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल के बावजूद बही-खातों में पहली प्रविष्टि करने के लिए स्याही, दवात और निब वाले पेन की खरीदारी भी की गई। बाजार में निब वाले पेन 30 से 100 रुपये तक तथा स्याही की दवात करीब 30 रुपये में बिकी। व्यापारियों ने शुभ मुहूर्त में पारंपरिक तरीके से नए खातों की शुरूआत की।

कागजी बही-खातों पर आज भी व्यापारियों का भरोसा

व्यापारियों के अनुसार, बिलिंग और दैनिक लेन-देन का अधिकांश काम भले ही डिजिटल हो गया है, लेकिन सराफा, गल्ला, कपड़ा और किराना कारोबार में उधारी, एडवांस तथा गिरवी से जुड़े संवेदनशील लेन-देन का हिसाब रखने के लिए आज भी कागजी बही-खातों का इस्तेमाल किया जाता है। उनका मानना है कि तकनीकी खराबी, वायरस या डेटा डिलीट होने जैसी स्थिति में कागजी रिकॉर्ड काफी उपयोगी साबित होता है। यही वजह है कि आधुनिक तकनीक के साथ-साथ पारंपरिक लाल बही पर भी व्यापारियों का भरोसा कायम है। झुमरी तिलैया के बाजारों में पुरातन परंपरा और आधुनिकता का यह अनूठा संगम दीपावली के अवसर पर साफ तौर पर देखने को मिला।

समाचार सार

पत्नी से विवाद के बाद घर से निकला था युवक, कुएं के पास जामुन के पेड़ से लटका मिला शव



मनातू (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र अंतर्गत बरनेयातांड़ गांव में सोमवार को 24 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान रविन्द्र सिंह (24), पिता रामबृक्ष सिंह, निवासी ग्राम बरनेयाटांड़ के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविन्द्र सिंह सोमवार की शाम करीब पांच बजे घर से निकला था। इसके बाद घर से लगभग 600 मीटर की दूरी पर स्थित एक कुएं के पास जामुन के पेड़ से उसका शव लटका हुआ पाया गया। शव मिलने की सूचना फैलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। बताया जा रहा है कि घर में पत्नी के साथ विवाद होने के बाद युवक घर से निकला था। हालांकि, विवाद और युवक की मौत के बीच किसी तरह का संबंध होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। घटना की सूचना मिलने पर मनातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर छानबीन की जा रही है। इस घटना से बरनेयाटांड़ गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, ग्रामीण युवक की असमय मौत से स्तब्ध हैं।

रांची जिला छठ पूजा समिति की कार्यसमिति का गठन : कमेटी में करीब 1000 सदस्य शामिल



रांची (रफ्तार मीडिया संवाददाता): दीपावली के बाद अब राजधानी रांची में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। शहर के विभिन्न छठ घाटों की साफ सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां तेज हो रही हैं। इसी क्रम में रांची जिला छठ पूजा समिति ने अपनी कार्यसमिति का गठन किया है। समिति में करीब 100 पदाधिकारी और लगभग 1000 सदस्य शामिल किए गए हैं। समिति के अध्यक्ष सूरजभान सिंह ने बताया कि छठी मैया की कृपा से रांची जिला छठ पूजा समिति पिछले 9 वर्षों से श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी है। समिति की ओर से छठ घाटों की साफ सफाई से लेकर छठ व्रतियों के बीच पूजा सामग्री वितरण तक के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। समिति के पदाधिकारी और सदस्य विभिन्न छठ घाटों पर सेवा कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी व्यापक स्तर पर कार्यसमिति का गठन किया गया है। यह शहर की सबसे बड़ी छठ पूजा समितियों में से एक है। समिति में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रांची की महापौर रोशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार, भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, सुमित सिंह, रमेश सिंह, संजीव विजयवर्गीय, निशांत यादव और ऐश्वर्य सेठ को संरक्षक बनाया गया है। वहीं, समिति के महासचिव सौरभ रॉय ने बताया कि समिति का मुख्य उद्देश्य छठ पूजा को सफलतापूर्वक और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना है। इसके लिए रांची जिला प्रशासन और नगर निगम के साथ समन्वय स्थापित कर काम किया जा रहा है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित छठ घाट समितियों के साथ भी लगातार बातचीत की जा रही है, ताकि वहां की समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी लेकर समय रहते उनका समाधान किया जा सके।

रोशनी और भक्ति में डूबे मिहिजाम-चित्तरंजन: दीपावली और काली पूजा पर रातभर गूंजे मां काली के जयकारे



मिहिजाम (रफ्तार मीडिया संवाददाता): दीपावली और काली पूजा के अवसर पर मिहिजाम, चित्तरंजन और रूपनारायणपुर सहित आसपास के पूरे क्षेत्र में उत्साह, उमंग औरगागाह भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला, जहाँ प्रकाश पर्व और मां काली की आराधना से पूरा इलाका रातभर उत्सवमय रहा। शाम ढलते ही घरों, दुकानों और विभिन्न पूजा पंडालों में रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा, दीपों की मालाओं और रंगोली ने चहुंओर अद्भुत नजारा पेश किया, वहीं लोगों ने विधि-विधान के साथ माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और मां काली की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा पंडालों में गूंजते वैदिक मंत्रोच्चार, मां काली के जयकारों और प्रसाद वितरण के आयोजनों से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। बाजारों में मिठाई, फूल और पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की जबरदस्त चहल-पहल रही, जबकि शाम होते ही आतिशबाजी व पटाखों की गूंज से बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में विशेष उत्साह देखा गया। इस प्रकार, रोशनी, गहरी आस्था और आपसी भाईचारे के इस पारंपरिक पर्व ने क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द की एक बेहद खूबसूरत और जीवंत तस्वीर पेश की।

पलाश के पेड़ पर झूलता मिला अज्ञात युवती का शव, हत्या या आत्महत्या की आशंका; शिनाख्त में जुटी पूर्वी टुंडी पुलिस

धनबाद(रफ्तार मीडिया संवाददाता): धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। क्षेत्र के बड़बाद गांव के बीरबांव टोला स्थित जंगल में पलाश के एक पेड़ से झूलता हुआ एक अज्ञात युवती का शव बरामद किया गया है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चाएँ हो रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि शव की हालत बेहद खराब स्थिति में है। प्राथमिक तौर पर देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि यह घटना करीब चार से पांच दिन पुरानी है। शव से तेज दुर्गंध आने के बाद आसपास के लोगों को इस बात की भनक लगी, जिसके बाद तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस के अनुसार, सोमवार शाम को सूचना मिली थी कि जंगल में एक पलाश के पेड़ पर किसी अज्ञात व्यक्ति का शव लटका हुआ है। सूचना मिलते ही पूर्वी टुंडी थाना पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद शव को पेड़ से उतरवाया और अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने स्थानीय लोगों से विशेष अपील की है। उन्होंने कहा है कि यदि किन्हीं के परिवार या आस-पड़ोस की कोई युवती पिछले चार-पाँच दिनों से लापता है या घर नहीं लौटी है, तो वे तुरंत पूर्वी टुंडी थाना को इसकी सूचना दें। पुलिस का कहना है कि शव की पहचान होने के बाद पोस्टमार्टम की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को परिजनों को सौंपा जा सकेगा। फिलहाल पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों ही पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

जारंगडीह कोलियरी में मजदूरों ने किया काम बंद, प्रबंधन के फैसले का विरोध

रफ्तार मीडिया संवाददाता



बेरमो/बोकारो : बेरमो अनुमंडल के जारंगडीह कोलियरी में मजदूरों ने काम बंद कर दिया। 9 नवंबर 2026 सोमवार को प्रथम पाली के मजदूरों ने काम ठप किया, जिसका नेतृत्व राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ के उछ रीजनल सचिव वरुण कुमार सिंह ने किया। मजदूरों का कहना था कि दीपावली के दिन का पे हॉलीडे कथारा क्षेत्र के प्रबंधन ने बदलकर 25 दिसंबर 2026 क्रिसमस डे के दिन कर दिया है, जो सरासर गलत फैसला है। श्रमिक नेता वरुण कुमार सिंह ने प्रबंधन से कहा कि वैसे श्रमिक जो नवंबर माह में अवकाश प्राप्त करेंगे उनको इस फैसले से भारी नुकसान होगा। श्री सिंह ने कहा कि प्रबंधन का यह तुगलकी फरमान नहीं चलेगा। इसलिए पे हॉलीडे की तारीख 25 दिसंबर से बदलकर 15 नवंबर छठ पूजा के दिन कर दी जाए। इसको लेकर परियोजना पदाधिकारी पी के सेनगुप्ता एवं प्रबंधन एच आर कथारा क्षेत्र माधुरी से वार्ता हुई। वार्ता के दौरान परियोजना पदाधिकारी पी के सेनगुप्ता एवं एच आर माधुरी ने श्री सिंह से कहा कि पे हॉलीडे की तारीख को बदलने के लिए एक दिन का समय दिया जाए। इसके बाद मजदूर अपने काम पर गए। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि तारीख नहीं बदली गई तो पुनः कल फिर से काम बंद किया जाएगा। इस आंदोलन में वरुण कुमार सिंह के अलावा किसुन मंडल, मोहम्मद अयूब, लक्ष्मण राम, तामेश्वर पटवा, राकेश सिंह, मोहम्मद जाहिद आलम, रामचंद्र मंडल, दूधनाथ सिंह, मुंद्रिका महतो, विक्की घासी, रामखेलावन, मोहम्मद शमीम अंसारी, दिलेश्वर महतो, कृष्णा साव तथा अन्य मजदूर शामिल थे।

तमाड़ साइड होने के लिए कार चालक ने बजाया हॉर्न, रंगामाटी में युवक को उतारा मौत के घाट

रफ्तार मिडिया संवाददाता



तमाड़ : तमाड़ के रंगामाटी में दीपावली वाली रात एक छोटी सी बात ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। यहां सड़क पर खड़े युवकों और कार में सवार लोगों के बीच हुई झड़प में 27 साल के कांग्रेस महतो की मौत हो गई। काग्रेस महतो विजयगिरि, गोमियाकोचा का रहने वाला था। रात को वह अपने रिश्तेदारों के साथ रंगामाटी शराब दुकान के पास सड़क किनारे खड़ा था। तभी एक कार वहां से निकल रही थी। साइड होने के लिए कार चालक ने हॉर्न बजाया तो वहां खड़े लोगों से उसकी बहस हो गई।बताया जा रहा है कि कार में आधा दर्जन लोग सवार थे। बहस बढ़ने पर दोनों पक्ष भिड़ गए। इसी दौरान कार सवार किसी शख्स ने कांग्रेस पर चाकू से हमला कर दिया। खून से लथपथ कांग्रेस जमीन पर गिर पड़ा। उसके साथ मौजूद लोग उसे फौरन अस्पताल ले गए, मगर तब तक देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे मृत बता दिया।कांग्रेस की शादी को अभी छह महीने ही हुए थे। वह घर में अकेला कमाने वाला था। मां और पत्नी के सिर से उसका साया उठ जाने से परिवार में मातम पसर गया है।मामले की जानकारी मिलते ही तमाड़ थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने कई संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेजा गया है।

छठ महापर्व पर सपना गुप्ता की टीम ने पारंपरिक गीतों से बिखेरी सतरंगी छटा, कला और संस्कृति का अनूठा संगम

रफ्तार मीडिया संवाददाता



झुमरी तिलैया : आस्था, शुचिता और प्रकृति पूजा के महापर्व छठ को लेकर पूरे कोडरमा क्षेत्र में भक्ति का अनूठा उल्लास देखा जा रहा है। इसी कड़ी में, स्थानीय लोक कलाकारों और महिलाओं की सहभागिता के साथ सपना गुप्ता और उनकी टीम ने पारंपरिक छठ गीतों की बेहद मनमोहक प्रस्तुति दी है। कला और संस्कृति को जीवंत करती इस प्रस्तुति ने न सिर्फ त्योहार के उत्साह को दोगुना कर दिया है, बल्कि क्षेत्र के सांस्कृतिक वैभव को भी प्रदर्शित किया है। चाराडीह तालाब के समीप इन कलाकारों ने छठ के वेशभूषा में सुटिंग कर गीतों का रिकॉर्रिग किया गया।

पारंपरिक परिधान में सज-धजकर महिलाओं ने बांधा समां

इस विशेष सांस्कृतिक आयोजन में सपना गुप्ता की टीम की महिलाएं पूरी तरह पारंपरिक छठ परिधानों में नजर आईं। महिलाओं ने चटक पीले, लाल और केसरिया रंग की साड़ियां, मांग में गहरा सिंदूर और पारंपरिक आभूषण धारण कर रखे थे। उनका यह रूप साक्षात छठ व्रत के नियमों, पवित्रता और भारतीय नारी शक्ति की सांस्कृतिक पहचान को दर्शा रहा था। महिलाओं का यह पारंपरिक परिवेश ही इस पूरे रिकॉर्डिंग के आकर्षण का मुख्य केंद्र बिंदु बना रहा।

लोक गीतों से गूंज उठा कोडरमा का कोना-कोना

सपना गुप्ता की टीम द्वारा प्रस्तुत किए गए गीतों में लोक संस्कृति की गहरी झलक देखने को मिली। टीम ने कांच ही बांस के बहंगिया और केलवा के पात पर उगेलन सुरुज मल जैसे छठ गीतों को एक नए और भावपूर्ण अंदाज में पेश किया। इन गीतों के माध्यम से छठी मैया की महिमा और भगवान भास्कर (सूर्य देव) की आराधना को बेहद खूबसूरती से पिरोया गया था। महिलाओं के मधुर कंठ से निकले इन सुरों ने पूरे वातावरण को पूरी तरह से भक्तिमय और सतरंगी बना दिया।

कला और संस्कृति में छठ पूजा का महत्व

यह प्रस्तुति केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध लोक संस्कृति और धरोहर का सजीव रूप है। छठ पूजा एक ऐसा महापर्व है जहां अमीर-गरीब का भेद मिट जाता है और हर कोई मिट्टी के चूल्हे, बांस के सूप और प्राकृतिक फलों के साथ प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करता है। सपना गुप्ता की टीम ने अपनी इस कलात्मक प्रस्तुति के जरिए आधुनिक दौर में भी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, मिट्टी की खुशबू और पारंपरिक लोक संगीत से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास किया है।

त्योहार का बढ़ा उत्साह

इस सतरंगी सांस्कृतिक प्रस्तुति ने कोडरमा में छठ पर्व के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। घाटों की साफ-सफाई और सजावट के बीच, महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से गाए जा रहे इन गीतों ने स्थानीय लोगों के दिलों में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया है। सोशल मीडिया से लेकर स्थानीय स्तर पर इस सुंदर सांस्कृतिक पहल की काफी सराहना की जा रही है।

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाया तोपचांची का सार्वजनिक दुर्गा मंदिर सह काली मंदिर



तोपचांची (रफ्तार मीडिया संवाददाता): काली पूजा के पावन अवसर पर तोपचांची का सार्वजनिक दुर्गा मंदिर सह काली मंदिर आकर्षक रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। मंदिर परिसर में की गई भव्य विद्युत सजावट ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। रात होते ही रंग-बिरंगी लाइटों की खूबसूरती देखते ही बन रही थी। रोशनी से सजे मंदिर की भव्य छटा श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस अवसर पर मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मां काली की पूजा-अर्चना की गई। पूजा संपन्न होने के बाद श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मां काली की प्रतिमा को विदाई दी गई। विसर्जन के दौरान मां काली के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां को विदाई देते हुए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। साथ ही अगले वर्ष मां के पुनः आगमन की प्रार्थना की।

11 और 13 नवंबर को चलेगी रक्सौल के लिए स्पेशल ट्रेन

झुमरी तिलैया : छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कोडरमा होते हुए धनबाद और रक्सौल के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन कोडरमा होकर 11 और 13 नवंबर को धनबाद से रक्सौल के लिए रवाना होगी। वहीं, वापसी में 12 और 14 नवंबर को रक्सौल से धनबाद के लिए परिचालित होगी। दोनों ट्रेनें गोमो, कोडरमा, गया, जहानाबाद, पटना, बख्तियारपुर, बरौनी, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, रुन्नीसैदपुर, सीतामढ़ी, बैरगनिया और घोड़ासहन सहित प्रमुख स्टेशनों पर रुकेंगी। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 03301 धनबाद-रक्सौल स्पेशल 11 नवंबर को रात 8:45 बजे धनबाद से खुलेगी। यह गोमो और कोडरमा होते हुए रात 2:05 बजे पटना, सुबह 5 बजे बरौनी, 6:20 बजे समस्तीपुर, 7:10 बजे मुजफ्फरपुर और 8:40 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी। इसके बाद दोपहर एक बजे रक्सौल पहुंचेगी। वहीं, वापसी में ट्रेन संख्या 03302 रक्सौल-धनबाद स्पेशल 12 नवंबर को दोपहर 3 बजे रक्सौल से प्रस्थान करेगी। दोनों विशेष ट्रेनों में अलग-अलग कोच की व्यवस्था की गई है। इससे छठ पर्व पर घर आने-जाने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

जनवरी 2027 से नये नंबर से चलेंगी 12 जोड़ी ट्रेनें

झुमरीतिलैया। रेलवे ने परिचालनिक सुगमता के मद्देनजर जनवरी 2027 से 12 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन नये नंबरों से करने का निर्णय लिया है। इनमें कोडरमा होकर गुजरने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस भी शामिल हैं। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी सरस्वती चन्द्र की ओर से जारी जानकारी के अनुसार धनबाद रेल मंडल के दो ट्रेन इसमें शामिल हैं। हावड़ा- धनबाद-हावड़ा ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस का नंबर 1 जनवरी 2027 से बदल जाएगा। ट्रेन संख्या 22387 हावड़ा-धनबाद ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस अब 13387 तथा ट्रेन संख्या 22388 धनबाद-हावड़ा ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस अब 13388 नंबर से चलेगी। इसी तरह पटना-रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस भी नये नंबर से परिचालित होगी। ट्रेन संख्या 12365 पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस अब 13265 तथा ट्रेन संख्या 12366 रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस अब 13266 नंबर से चलेगी। ये सभी बदलाव 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होंगे। रेलवे ने यात्रियों से टिकट बुकिंग और ट्रेन संबंधी जानकारी प्राप्त करते समय नये नंबरों का ध्यान रखने की अपील की है।

मैट्रिक-इंटर परीक्षा के लिए 12 नवंबर से भरे जाएंगे ऑनलाइन फॉर्म, जैक ने जारी किया कार्यक्रम

रफ्तार मीडिया संवाददाता

झुमरी तिलैया। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने वर्ष 2027 में आयोजित होने वाली वार्षिक मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए परीक्षा आवेदन प्रपत्र भरने की तिथि जारी कर दी है। दोनों परीक्षाओं के लिए 12 नवंबर से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। विद्यार्थी जैक की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से परीक्षा आवेदन कर सकेंगे। छात्रों की सुविधा के लिए परिषद ने परीक्षा आवेदन प्रपत्र का प्रारूप भी अपने पोर्टल पर अपलोड कर दिया है। जैक की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, परीक्षा आवेदन भरने के दौरान विद्यार्थियों की ओर से दी गई सभी जानकारियों का मिलान संबंधित विद्यालय एवं महाविद्यालय के एलओएस (लिस्ट ऑफ स्टूडेंट्स) डाटा से करना अनिवार्य होगा। परिषद ने संस्थानों को विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया है। किसी भी प्रकार की त्रुटि या छात्र का शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने की आशंका से बचने के लिए परीक्षा आवेदन भरते समय सही पंजीयन संख्या का ही इस्तेमाल करने को कहा गया है। मालूम हो कि वर्ष 2026 की मैट्रिक परीक्षा में कोडरमा जिले से 12,214 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा में 9,050 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इस वर्ष भी मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में विद्यार्थियों की संख्या लगभग इसी के आसपास रहने की संभावना जताई जा रही है। परीक्षा आवेदन की तिथि जारी होने के बाद अब विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया को लेकर तैयारियां शुरू होंगी।

परीक्षा आवेदन की महत्वपूर्ण तिथियां

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभः 12 नवंबर 2026, बिना विलंब शुल्क आवेदनः 12 से 26 नवंबर 2026 तक। बिना विलंब शुल्क परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथिः 30 नवंबर 2026 तक। विलंब शुल्क के साथ आवेदनः 27 नवंबर से 4 दिसंबर 2026 तक। विलंब शुल्क के साथ परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथिः 7 दिसंबर 2026 तक। जैक ने विद्यार्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी है, ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

छठ पूजा समिति गेतलसूद का गठन, संतोष सिन्हा बने अध्यक्ष

अनगड़ा : गेतलसूद डैम में छठ महापर्व के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर रविवार को शिव मंदिर गेतलसूद में शिवदास गोस्वामी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें पूजा की भव्यता और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए छठ पूजा समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से संतोष सिन्हा को अध्यक्ष, भोला महतो को सचिव तथा गौरीशंकर मुंडा को कोषाध्यक्ष चुना गया।संरक्षक मंडली में जैलेन्द्र कुमार, अनिल चौधरी, शिवदास गोस्वामी, सीताराम मुंडा, अजय साहू, शंकर बैठा, प्रमुख दीपा उरांव एवं मुखिया शांति मुंडा को शामिल किया गया। वहीं, उपाध्यक्ष के रूप में जीतून महतो, अजय राज, देवानंद, हर्ष सिंह, हर्ष राज, सचिन गोस्वामी, अलोक राज, अमित चौधरी, बिगेश्वर महतो, राजन महतो एवं संजय नायक को जिम्मेदारी सौंपी गई। सह सचिव के पद पर कार्तिक नायक, अमित चन्द्रवंशी, राजेश लोहरा, गणेश लोहरा, कृष्णा साहू, अजीत महतो, उत्तम महतो एवं प्रीतरंजन प्रसाद का चयन किया गया। बैठक में सभी सदस्यों ने छठ महापर्व को आपसी सहयोग, समर्पण और उत्साह के साथ सफल बनाने का संकल्प लिया।

धनबाद के वासेपुर में रंगदारी और वर्चस्व को लेकर हिंसक झड़प, दो दुकानों और स्कॉर्पियो में तोड़फोड़

असगर कुरैशी और जुम्मन कुरैशी के बीच पुरानी रंजिश एक बार फिर उभरी, बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के रेलवे लाइन के पास हुई घटना

▶▶प्रशासनिक कार्रवाई: घटना की सूचना मिलते ही बैंक मोड़ और भूली थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, दोनों पक्षों के आरोपों की जांच जारी।

रफ्तार मीडिया संवाददाता





धनबाद : धनबाद के वासेपुर इलाके में रंगदारी और वर्चस्व की जंग एक बार फिर सुलग उठी है। असगर कुरैशी और जुम्मन कुरैशी के बीच चल रही आपसी रंजिश के चलते बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के रेलवे लाइन के पास जमकर हिंसा और तांडव देखने को मिला। उपद्रवियों ने इलाके में दो दुकानों और एक स्कॉर्पियो गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ की, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

सीसीटीवी में कैद हुई पत्थरबाजी और तोड़फोड़

प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो में तोड़फोड़ की पूरी घटना सोमवार के बीती रात की है, जबकि दुकानों में तोड़फोड़ की वारदात सोमवार की सुबह अंजाम दी गई। स्कॉर्पियो में तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की यह पूरी घटना वहां पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में स्पष्ट रूप से कैद हो गई है। फुटेज में दर्जनों की संख्या में उपद्रवी लोग हाथ में पत्थर और डंडे लेकर गाड़ी और दुकानों पर हमला करते हुए नजर आ रहे हैं। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से गंभीर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। एक तरफ असगर कुरैशी ने जुम्मन कुरैशी पर होटल में तोड़फोड़ करवाने का गंभीर आरोप लगाया है। वहीं दूसरी ओर, जुम्मन कुरैशी के परिजनों ने पलटवार करते हुए असगर कुरैशी और उनके परिवार के लोगों पर मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप जड़ा है।

पुलिस जांच में जुटी, इलाके में तनाव

घटना की सूचना मिलते ही बैंक मोड़ थाना और भूली ओपी की पुलिस तुरंत हरकत में आई और दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों की ओर से दर्ज कराए गए आरोपों और वायरल हो रहे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान करने और पूरे मामले की तह तक जाने में जुटी हुई है। वासेपुर में एक बार फिर इस तरह की हिंसक घटना सामने आने के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है, जिसे देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल की मुस्तैदी बढ़ा दी गई है।

एनडीए परीक्षा में सफलता हासिल कर कुजू लौटे आकर्षण प्रसाद ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत, दिवाली की खुशी हुई दुगनी

पूर्व सैनिक के पुत्र ने पहले ही प्रयास में हासिल की अखिल भारतीय 346वीं रैंक, सेना में अधिकारी बनकर देश सेवा का है लक्ष्य

रफ्तार मीडिया संवाददाता



कुजू/रामगढ़। रामगढ़ जिले के कुजू निवासी आकर्षण प्रसाद ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) परीक्षा में अपने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर 346वीं रैंक प्राप्त की है। इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। रविवार को दिल्ली से कुजू स्थित अपने आवास लौटने पर आकर्षण प्रसाद का परिजनों एवं ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। संयोगवश दीपावली के दिन घर लौटने से परिवार की खुशियां दोगुनी हो गईं। एक ओर दीपावली का उत्साह था, तो दूसरी ओर बेटे की इस शानदार सफलता ने परिवार के लिए इस पर्व को यादगार बना दिया। ग्रामीणों ने पटाखे फोड़कर, फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया। आकर्षण प्रसाद कुजू बस्ती निवासी छोटन प्रसाद के पौत्र तथा पूर्व सैनिक विकास प्रसाद एवं रीता देवी के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी 12वीं तक की शिक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल, रामगढ़ कैंट से पूरी की। इसके बाद एनडीए परीक्षा में शामिल होकर पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त की। आकर्षण का लक्ष्य भारतीय सेना में अधिकारी बनकर देश की सेवा करना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता एवं गुरुजनों को देते हुए कहा कि वे अपनी उपलब्धि को राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित करना चाहते हैं। इस अवसर पर स्थानीय मुखिया जय कुमार ओझा सहित ग्रामीणों ने आकर्षण को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लोगों ने कहा कि उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी भारतीय सेना और रक्षा सेवाओं में अपना करियर बनाने की प्रेरणा मिलेगी। स्वागत करने वालो में छोटन प्रसाद, ठाकुर प्रसाद, मिथिलेश प्रसाद, मनोज प्रसाद, पप्पू खान, आशीष कुमार मुखर्जी सहित बड़ी संख्या में परिजन एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

कुसुम्भा तीखे मोड़ पर स्कॉर्पियो व बाइक की जोरदार टक्कर, दो युवक गंभीर रूप से घायल



▶▶गांडेय-जामताड़ा मुख्य मार्ग पर हुआ हादसा, चालक स्कॉर्पियो छोड़कर फरार

▶▶जर्जर सड़क और तीखा मोड़ बना दुर्घटना का कारण, घायलों को भेजा गया सीएचसी

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गांडेय : गिरिडीह-जामताड़ा मुख्य मार्ग स्थित कुसुम्भा तीखे मोड़ के समीप एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और मोटरसाइकिल के बीच सीधी टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में बाइक पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को एक निजी वाहन से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गांडेय भिजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज की प्रक्रिया की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो मधुपुर की दिशा से आ रही थी, जबकि बाइक सवार गांडेय की ओर से बुधुडीह जा रहे थे। इसी दौरान कुसुम्भा के अंधे मोड़ पर दोनों वाहनों में आमने-सामने भीषण भिड़ंत हो गई। बताया जाता है कि स्कॉर्पियो सिमरढ़ा क्षेत्र की है, जबकि घायल बाइक सवार मधुपुर गांव के निवासी हैं।

स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक कुसुम्भा मोड़ काफी तीखा है और वहां सड़क लंबे समय से टूटी-फूटी व जर्जर हाल में है। तीखे मोड़ पर गड्ढों और तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। हादसे की सूचना मिलते ही मारगोमुंडा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है और फरार स्कॉर्पियो चालक की तलाश के साथ-साथ मामले की छानबीन में जुट गई है।

अर्घ्य के लिए गंगाजल बांटेंगे राज सिन्हा, 10 हजार बोतलों में तैयार की जा रही है पैकिंग

व्रतियों के बीच साड़ी और आम की लकड़ी का भी होगा वितरण

▶▶मुख्य बिंदु: धनबाद विधायक राज सिन्हा की अनूठी पहल, सुल्तानगंज से हजारों लीटर गंगाजल मंगाकर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर किया जाएगा वितरित।

▶▶विशेषता: छठव्रतियों को पवित्र गंगाजल से अर्घ्य देने की सुविधा देने के साथ-साथ हर साल की तरह इस बार भी सहायता सामग्रियां पहुंचाई जा रही हैं।

रफ्तार मीडिया संवाददाता



धनबाद : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर धनबाद में तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में धनबाद विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए एक विशेष पहल सामने आई है। धनबाद के विधायक राज सिन्हा इस वर्ष भी छठ के अर्घ्य के अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं के बीच पवित्र गंगाजल का वितरण करेंगे। दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए विधायक ने विशेष रूप से सुल्तानगंज से हजारों लीटर गंगाजल मंगवाया है। वर्तमान में इसे बोतलों में पैक करने का कार्य तेजी से चल रहा है। इस योजना के तहत कुल दस हजार बोतलों में गंगाजल भरने का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी पैकेजिंग का काम उनके आवास पर युद्धस्तर पर जारी है।

गंगाजल के साथ साड़ी और आम की लकड़ी का भी होगा वितरण

हिन्दू धर्म और लोक आस्था के इस महापर्व में गंगाजल से अर्घ्य देने का अत्यधिक धार्मिक महत्व माना जाता है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विधायक राज सिन्हा ने बताया कि धनबाद भौगोलिक रूप से मुख्य गंगा नदी से दूर है, इसलिए उनकी हमेशा से यह कोशिश रहती है कि धनबादवासियों को पर्व के दौरान पवित्र गंगाजल आसानी से उपलब्ध हो सके। यह नेक कार्य वे पिछले कई वर्षों से लगातार करते आ रहे हैं। विधायक ने बताया कि उनकी और उनके कार्यकर्ताओं की पूरी कोशिश होगी कि पर्व के दौरान ज्यादा से ज्यादा छठ घाटों तक पहुंचकर व्रतियों के बीच गंगाजल का वितरण किया जाए। कुछ प्रमुख घाटों पर पहले अर्घ्य (संध्या अर्घ्य) के दिन और कुछ अन्य घाटों पर दूसरे अर्घ्य (प्रातः अर्घ्य) के दिन इसका वितरण किया जाएगा। इसके अलावा, गंगाजल के साथ-साथ व्रतियों और जरूरतमंदों के बीच पूजा में उपयोग होने वाली आम की लकड़ी तथा साड़ियों का भी वितरण किया जाएगा, जिससे पर्व के उल्लास और श्रद्धा में और अधिक वृद्धि हो सके।

दीपावली के दूसरे दिन आरएसएस ने सुदूरवर्ती गांवों से आए लोगों के बीच बांटी मिठाइयां

राजधनवार (रफ्तार मीडिया संवाददाता): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शाखा राजधनवार सेवा विभाग की ओर से दीपावली के दूसरे दिन सोमवार को धनवार बड़ा चौक के समीप सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोगों के बीच प्रसाद स्वरूप मिठाइयों का वितरण किया गया। गौरतलब है कि दीपावली के दूसरे दिन आसपास के ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती गांवों से बड़ी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण करने धनवार बाजार पहुंचते हैं। इसी अवसर पर संघ के स्वयंसेवकों ने लोगों के बीच मिठाइयां बांटकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस मौके पर संघ के जिला सेवा प्रमुख राजेश अग्रवाल एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि राजधनवार शाखा के सेवा विभाग की ओर से प्रत्येक वर्ष दीपावली के दूसरे दिन सुदूरवर्ती ग्रमीण क्षेत्रों से बाजार आने वाले लोगों के बीच प्रसाद के रूप में मिठाई वितरित कर खुशियां साझा की जाती है जिसमें सभी स्वयं सेवकों का भरपूर सहयोग रहता है। इसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के साथ त्योहार की खुशियां बांटना और आपसी प्रेम, सद्भाव एवं सामाजिक समरसता का संदेश देना है। मिठाई वितरण कार्यक्रम में खंड कार्यवाह उमेश वर्णवाल, राजेन्द्र लोहानी, सहदेव वर्णवाल, अनिल अग्रवाल, रंजीत प्रसाद गुप्ता, सत्यनारायण मिश्रा, सूरज साव, शैलेन्द्र साहू, राकेश कसेरा, प्रकाश कुमार, संतोष पंडित, चंदन कुमार, दीपक पांडेय, सचिन वर्णवाल, प्रवीण कुमार, छोटू स्वर्णकार, विजय साव, आर्यन कुमार, अमित राम, निशांत कुमार, शंभू वर्णवाल, छोटू भदानी, बब्लू विश्वकर्मा, जागेश्वर साव सहित आरएसएस के कई स्वयंसेवक उपस्थित थे।

नो मैपिंग और लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के मामलों को जल्द निपटाएं : आलोक कुमार

जामताड़ा में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर डीसी सख्त, पांच दिनों में पेंडेंसी खत्म करने का अल्टीमेटम

रफ्तार मीडिया संवाददाता



जामताड़ा : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 को लेकर सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आलोक कुमार की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। आवासीय कार्यालय प्रकोष्ठ में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में ईआरओ, एईआरओ एवं अतिरिक्त एईआरओ शामिल हुए। बैठक में जिले में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने नो मैपिंग एवं लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी से संबंधित लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने विभिन्न प्रपत्रों के निष्पादन की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर लंबित मामलों का निपटारा करने को कहा। उन्होंने विशेष रूप से नो मैपिंग से जुड़े मामलों पर गंभीरता दिखाते हुए निर्देश दिया कि अगले पांच दिनों के अंदर इन मामलों का शत-प्रतिशत निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जिन मामलों में आवश्यक दस्तावेज एवं प्रमाण पत्रों की जरूरत है, वहां संबंधित अंचल अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रमाण पत्रों के निर्गमन और सत्यापन की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि दस्तावेजों की कमी के कारण किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से वंचित नहीं होना चाहिए। मतदाताओं से संबंधित लंबित प्रपत्रों एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं का भी शीघ्र निष्पादन करने को कहा गया।

पात्र मतदाताओं के नाम विलोपित नहीं हों

उपायुक्त आलोक कुमार ने सभी ईआरओ एवं एईआरओ को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पुनरीक्षण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा लंबित मामलों की प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं का अक्षरशः पालन किया जाए। किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से मतदाता सूची से विलोपित नहीं होना चाहिए।

उन्होंने सभी पदाधिकारियों को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने की हिदायत देते हुए कहा कि जिले में स्वच्छ, अद्यतन एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित संबंधित ईआरओ, एईआरओ एवं अतिरिक्त एईआरओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

समाचार सार

पंचमुंडी आसन पर मां श्मशान काली की 24 घंटे की विशेष साधना शुरू, पुरुष श्रद्धालुओं को ही दर्शन की अनुमति



हजारीबाग (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : काली चौदस के पावन अवसर पर सिद्ध पंचमुंडी आसन पर विराजमान मां श्मशान काली की 24 घंटे चलने वाली विशेष पूजा-अर्चना तांत्रिक विधि-विधान के साथ शुरू हो गई है। प्राचीन परंपरा और तांत्रिक मान्यताओं से जुड़े इस अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। धार्मिक परंपरा के अनुसार, पूजा के दौरान मंदिर परिसर में महिलाओं का प्रवेश और दर्शन वर्जित रखा गया है। केवल पुरुष श्रद्धालुओं को ही मां के दर्शन की अनुमति दी गई है। मंदिर के पुजारी एवं साधक के अनुसार, यह ऐतिहासिक पंचमुंडी आसन सिद्ध पुरुष इलाचया बाबा द्वारा स्थापित और सिद्ध किया गया था। प्राचीन परंपरा के अनुसार प्रत्येक वर्ष काली चौदस की रात्रि यहां मां काली की विशेष आराधना की जाती है। पंचमुंडी आसन को दस महाविद्याओं और मां काली की मंत्र साधना का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। विशेष पूजा का शुभारंभ रात्रि आठ बजे हुआ। मध्यरात्रि 12:16 बजे सिंह लग्न में विशेष बलि अनुष्ठान संपन्न किया जाएगा। इसके बाद चतुर्दश योगिनी, पंचदश योगिनी और पंचभूत बलि की धार्मिक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। अनुष्ठान के अंतिम चरण में एक हजार बेलपत्र और लाल मिर्च की आहुतियों के साथ महाहवन किया जाएगा। दशकों पहले श्मशान और मुक्तिधाम के रूप में पहचाना जाने वाला यह स्थल अब भव्य मंदिर का स्वरूप ले चुका है। यहां मां काली की नियमित पूजा होती है। दीपावली और काली पूजा के अवसर पर हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भारी भीड़ के बावजूद पूजा परंपरागत तरीके से शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में संपन्न होती है। आज यह स्थान क्षेत्र में आस्था और धार्मिक विश्वास के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत



मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के जिंझरी कुम्बाटोली रेलवे क्रॉसिंग के समीप रविवार दोपहर लगभग 1 बजे ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बेड़ो थाना क्षेत्र के जरिया गांव निवासी 55 वर्षीय लक्ष्मण महली के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लक्ष्मण महली रेलवे क्रॉसिंग पार कर रहे थे। इसी दौरान लोहरदगा की ओर से रांची जा रही ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मांडर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

काली पूजा कमेटी के सदस्यों ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच बांटे धोती, साड़ी और कंबल



जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता): श्री श्री सार्वजनिक काली मंदिर ट्रस्ट, स्टेशन रोड जामताड़ा की ओर से काली पूजा के उपलक्ष्य में सामाजिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी ट्रस्ट के सदस्यों ने सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए जामताड़ा प्रखंड क्षेत्र के उदलबनी स्थित वृद्धाश्रम में जरूरतमंद बुजुर्गों के बीच धोती, साड़ी एवं कंबल का वितरण किया। इस दौरान ट्रस्ट के सदस्यों ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके साथ कुछ समय बिताया। पूजा कमेटी की इस पहल से वृद्धाश्रम के बुजुर्गों में खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी जीतू सिंह ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज की धरोहर हैं। उनकी देखभाल एवं सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि त्योहारों की खुशियां जरूरतमंदों के साथ बांटने से ही पर्व का वास्तविक महत्व बढ़ता है। ऐसे सामाजिक कार्यों से आपसी प्रेम, भाईचारा और मानवता की भावना मजबूत होती है। वहीं समाजसेवी भूपेश गुप्ता ने कहा कि श्री श्री सार्वजनिक काली मंदिर ट्रस्ट की ओर से प्रत्येक वर्ष काली पूजा के अवसर पर इस तरह के सेवा कार्य किए जाते हैं। पूजा-पाठ के साथ-साथ जरूरतमंदों की सहायता करना भी ट्रस्ट की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि समाज के संपन्न लोगों को भी आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। भविष्य में भी ट्रस्ट की ओर से सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम जारी रहेंगे। इस अवसर पर गुड्डू भैया, राठौर, आकाश साव सहित श्री श्री सार्वजनिक काली मंदिर ट्रस्ट एवं पूजा कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जामताड़ा में बुधवार मनाई जाएगी भाई दूज, बहनें करेंगी भाइयों के माथे पर तिलक



जामताड़ा(रफ्तार मीडिया संवाददाता) : भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक पर्व भाई दूज बुधवार को जामताड़ा सहित जिलेभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। दीपावली के बाद मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर घरों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। भाई दूज को लेकर बहनों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। वहीं बाजारों में भी त्योहार को लेकर रौनक बनी हुई है। इस पावन अवसर पर बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना करेंगी। वहीं भाई भी अपनी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा और सम्मान का संकल्प लेंगे। परंपरा के अनुसार बहनें अपने भाइयों को विधि-विधान से तिलक लगाकर आरती उतारेंगी और मिठाई खिलाएंगी। कई घरों में इस अवसर पर विशेष पकवान भी बनाए जाएंगे।भाई दूज को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर पहुंचे थे। बहन यमुना ने उनका स्वागत-सत्कार कर तिलक लगाया था। तभी से भाई दूज मनाने की परंपरा चली आ रही है। मान्यता है कि इस दिन बहन के हाथों तिलक लगवाने से भाई को सुख-समृद्धि और दीर्घायु का आशीर्वाद मिलता है। पर्व को लेकर जामताड़ा शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल है। दूर-दराज रहने वाले भाई-बहन भी इस अवसर पर एक-दूसरे से मिलने की तैयारी में हैं। भाई दूज का यह त्योहार पारिवारिक रिश्तों में प्रेम, अपनापन और विश्वास को और मजबूत बनाने का संदेश देता है।

संक्षिप्त ख़बरें

आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा में दीपावली प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा



◈ रंगोली, चित्रकला और दीप सज्जा में विद्यार्थियों ने बिखेरे रंग

रफ्तार मीडिया संवाददाता- बबलु मुश्ताक ..

अनगड़ा : आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा में दीपावली के अवसर पर शनिवार को विद्यार्थियों के बीच विभिन्न रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।इसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला, कल्पनाशीलता और रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता के तहत दीप निर्माण एवं सजावट, चित्रकला एवं रंग भरो, पर्यावरण अनुकूल रंगोली तथा रंगोली पोस्टर निर्माण जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोलियां बनाकर और सुंदर दीप सजाकर विद्यालय परिसर को उत्सवी रंगों से सराबोर कर दिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रिद्धि कुमारी, अनुष्का महतो, सिद्धि महतो और छाया कुमारी ने प्राप्त किया।द्वितीय स्थान पर जीवा महतो, अंकिता कुमारी, प्रिंस महतो और आयुष उरांव रहे। वहीं तृतीय स्थान अर्पित गाड़ी, तेजस्वी महतो, श्रुतिका यादव और कशिश महतो ने हासिल किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र नाथ महतो ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने के अवसर भी मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे पर्व के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपरा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी विद्यालय का उद्देश्य है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कलात्मक कौशल, आत्मविश्वास और आपसी सहयोग की भावना विकसित करना था।

छोटी दीपावली पर उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय के छात्राओं ने बनाई मनमोहक रंगोली

रफ्तार संवाददाता पवन कुमार राम

रेम्बा /गिरिडीह। जमुआ प्रखंड के उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय रेम्बा में शनिवार को छोटी दीपावली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय की छात्राओं ने अपनी कला और कल्पना का सुंदर प्रदर्शन करते हुए मनमोहक रंगोली बनाकर सभी का मन मोह लिया।

छात्राओं ने रंग-बिरंगे रंगों से सजी विभिन्न प्रकार की रंगोलियां बनाई। किसी ने लक्ष्मी जी के चरण, किसी ने दीप, कलश और शुभ-लाभ के प्रतीक बनाए तो किसी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे सामाजिक संदेशों को रंगोली के माध्यम से दर्शाया। विद्यालय परिसर रंगों की छटा से खिल उठा।रंगोली बनाने में अंकिता कुमारी,अंशु कुमारी, परि कुमारी, शालू कुमारी,सोनम, रानी, निभा, स्वीटी, अंजलि, राधा, आकृति नंदिनी आदि छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी छात्राओं की कलाकारी की शिक्षकों और उपस्थित ग्रामीणों ने खूब सराहना की।इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक मंटू द्विवेदी, दामोदर प्रसाद वर्मा,शिक्षिका शिबुल देवी तथा केशिया देवी ने छात्राओं को दीपावली के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। रंगोली बनाना हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। यह घर-आंगन को सुंदर बनाने के साथ-साथ शुभता, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देती है।

निशा भगत के पैतृक गांव पहुंचे सुदेश महतो, मौत की सीबीआई जांच की मांग की



रांची : पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो आज गुमला जिले के चैनपुर प्रखंड स्थित दिवंगत आदिवासी महिला नेत्री निशा कुमारी भगत के पैतृक गांव उरु बारुडीह पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल पिता एवं झारखंड आंदोलनकारी हांदू भगत सहित परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने परिजनों को इस दुख की घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। श्री महतो के साथ पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी एवं मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत भी मौजूद थे। इस अवसर पर श्री महतो ने कहा कि निशा भगत की फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह कोई सामान्य घटना नहीं है। पूरे घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए इसकी निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय हो। उन्होंने कहा कि इस घटना ने हेमंत सरकार और पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार पूरी तरह दिशाहीन हो चुकी है।आज प्रदेश में कोई भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है।कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि शासन-प्रशासन पर सरकार का नियंत्रण कमजोर पड़ गया है और अधिकारी तथा माफिया मिलकर व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।

रामगढ़ की अनूठी धार्मिक परंपरा: तीन बहनों मां काली की एक साथ विदाई, दर्शन के लिए उमड़ता है श्रद्धालुओं का जनसैलाब



◈ चट्टी बाजार के बंगाली टोला में गोस्वामी परिवार की वर्षों पुरानी परंपरा आज भी कायम, बड़ी काली, मंझली काली और छोटी काली का एक साथ होता है विसर्जन

रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौर

रामगढ़। दीपावली के पावन अवसर पर जहां पूरा देश मां लक्ष्मी और मां काली की आराधना में लीन रहता है, वहीं रामगढ़ के चट्टी बाजार स्थित बंगाली टोला में मां काली की पूजा-अर्चना की एक ऐसी अनूठी परंपरा देखने को मिलती है, जो वर्षों से श्रद्धा, आस्था और धार्मिक विरासत का प्रतीक बनी हुई है। यहां गोस्वामी परिवार द्वारा कई पीढ़ियों से मां काली का विधि-विधान के साथ पूजन किया जाता रहा है। दीपावली की रात मां की आराधना के बाद दूसरे दिन होने वाला विसर्जन और विदाई समारोह अपने आप में अद्भुत एवं आकर्षक होता है।

इस धार्मिक परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां तीन अलग-अलग स्थानों पर विराजमान मां काली की प्रतिमाओं का विसर्जन एक साथ किया जाता है। इनमें बड़ी काली, मंझली काली और छोटी काली शामिल हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह परंपरा रामगढ़ के पुराने राजपरिवार के समय और उनके पूर्वजों के दौर से चली आ रही है। समय बदलता रहा, पीढ़ियां बदलती रहीं, लेकिन मां काली के प्रति श्रद्धा और पूजा की यह परंपरा आज भी पूरी आस्था के साथ निभाई जा रही है।

तीन बहनों की एक साथ विदाई बनती है आकर्षण का केंद्र

विसर्जन के दिन बंगाली टोला का नजारा देखने लायक होता है। जब तीनों मां काली की प्रतिमाएं एक साथ विदाई के लिए निकलती हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो तीनों बहनें एक साथ अपने भक्तों को दर्शन देकर विदा हो रही हों। इस अलौकिक दृश्य को देखने के लिए रामगढ़ शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मां के दर्शन कर भक्त आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और भावुक मन से मां को विदाई देते हैं।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, राँची में दीपावली महोत्सव की धूम :



◈ संस्कृति, सृजनात्मकता, परंपरा और सेवा-भावना का भव्य संगम

रफ्तार मीडिया संवाददाता - बबलु मुश्ताक ..

राँची/नामकुम : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, राँची में दीपावली के पावन पर्व को अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक सप्ताह तक विविध रचनात्मक, ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत, पारंपरिक कलाओं और सामाजिक मूल्यों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराने के साथ-साथ उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को निखारना, पारंपरिक त्योहारों के महत्व से अवगत कराना तथा उनमें सहयोग, करुणा, उदारता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था।उत्सव का उल्लास विभिन्न रंगारंग एवं नवाचारी कलात्मक गतिविधियों के माध्यम से साकार हुआ।विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भूमि पर रंगोली निर्माण गतिविधि में भाग लिया। परंपरा और आधुनिक तकनीक के अनूठे समन्वय को दर्शाते हुए उन्होंने टेक रंगोली के माध्यम से कला का अभिनव स्वरूप प्रस्तुत किया।उनकी कलाकृतियों में यह सुंदर संदेश अभिव्यक्त हुआ कि तकनीकी प्रगति और रचनात्मक चिंतन किस प्रकार पारंपरिक कला विधाओं को नवीन आयाम प्रदान कर सकते हैं। उत्सव के अंतर्गत टेराकोटा पेंटिंग, पॉट पेंटिंग, लालटेन निर्माण, लिप्पन कला तथा दीप निर्माण जैसी अनेक रोचक एवं हस्तकला-आधारित गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।विद्यार्थियों ने रंगों, बनावटों, आकृतियों और सजावटी तत्वों के साथ अपनी कल्पनाशीलता का परिचय देते हुए आकर्षक हस्तनिर्मित कलाकृतियाँ तैयार कीं। इन गतिविधियों ने उन्हें पारंपरिक शिल्पकलाओं के महत्व से परिचित कराने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल उत्सव मनाने के लिए भी प्रेरित किया।

राहुल बर्मन बने ऍफ़जेसीसीआई की एजुकेशन सब कमेटी के चेयरमैन

गिरिडीह के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि

रफ्तार मीडिया की रिपोर्ट



गिरिडीहः कोयलांचल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष राहुल बर्मन को फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (ऍफ़जेसीसीआई) द्वारा सत्र 2026–27 के लिए एजुकेशन सब कमेटी का चेयरमैन (अध्यक्ष) मनोनीत किया गया है। ऍफ़जेसीसीआई की 28 अक्टूबर 2026 को आयोजित तृतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई।

राहुल बर्मन लंबे समय से सामाजिक एवं व्यापारिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे लंबे समय से कोयलांचल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज से जुड़कर व्यापारिक हितों एवं व्यवसायियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसके साथ ही वे सर्राफा संघ, गिरिडीह के अध्यक्ष एवं लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलिट के अध्यक्ष के रूप में भी सामाजिक, व्यावसायिक एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

ऍफ़जेसीसीआई द्वारा सौंपी गई यह जिम्मेदारी उनके अनुभव, नेतृत्व एवं कार्यक्षमता को एक नई पहचान प्रदान करेगी। इस नई भूमिका के माध्यम से झारखंड के शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों, चुनौतियों एवं संभावनाओं पर कार्य करने का अवसर मिलेगा।

इस मनोनयन से कोयलांचल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज सहित गिरिडीह जिले में हर्ष का माहौल है। जिले के विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं व्यापारिक संगठनों से जुड़े लोगों ने श्री राहुल बर्मन को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व में झारखंड के शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा एवं नई ऊँचाइयाँ प्राप्त होंगी।

राहुल बर्मन का यह मनोनयन गिरिडीह के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और जिले की पहचान को राज्य स्तर पर नई मजबूती प्रदान करने वाला कदम है।

बीसा के ग्राम प्रधान उमेश बड़ाईक के नेतृत्व में मिला प्रतिनिधिमंडल



◈ पूर्व सरपंच स्वर्गीय धनीराम पाहन की प्रतिमा बनाने पर बनी सहमति

रफ्तार संवाददाता

अनगड़ा : भारत सरकार के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ से बीसा गांव के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर उन्हें दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान गांव के विकास, सामाजिक एकता और क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीसा के ग्राम प्रधान सह ग्राम प्रधान संघ के रांची जिला अध्यक्ष उमेश कुमार बड़ाईक ने किया। उन्होंने सांसद संजय सेठ को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र की समस्याओं और ग्रामीणों की भावनाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर बीसा के पूर्व सरपंच स्वर्गीय धनीराम पाहन की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से उनकी प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। इस पर संजय सेठ ने प्रतिमा निर्माण के लिए अपनी सहमति प्रदान की। प्रतिनिधिमंडल ने इसे गांव के लिए गौरवपूर्ण पहल बताते हुए सांसद के प्रति आभार जताया। ग्रामीणों का कहना था कि स्वर्गीय धनीराम पाहन का सामाजिक योगदान और उनके कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनकी प्रतिमा स्थापित होने से गांव के लोग उनके योगदान को हमेशा याद रख सकेंगे।मौके पर स्वर्गीय धनीराम पाहन के बड़े पुत्र महिलाल पाहन, बालकराम पाहन, सालिगराम बड़ाईक, कारण बड़ाईक, अजय भोगता, अनीता देवी, बसंत बड़ाईक और पकलू बड़ाईक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जैनेंद्र ग्रुप ऑफ कॉलेज के संस्थापक जैनेंद्र कुमार का 62वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर



रांची में जैनेंद्र ग्रुप ऑफ कॉलेज के संस्थापक जैनेंद्र कुमार का 62वां जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में मनाया गया। इस अवसर को कॉलेज के फाउंडेशन डे के रूप में भी मनाया गया, जिससे यह दिन कॉलेज परिवार के लिए दोहरी खुशी लेकर आया। कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य व्यक्ति, शिक्षाविद्, समाजसेवी, कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने संस्थापक को जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम की शुरुआत बौद्धिक रीति-रिवाज के साथ की गई। सबसे पहले दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। दीप प्रज्वलन के बाद संस्थापक जैनेंद्र कुमार ने केक काटा। इस दौरान पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर में उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कॉलेज परिसर को फूलों और गुब्बारों से सजाया गया था। छात्र-छात्राओं में भी इस कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

इस अवसर पर कॉलेज की डायरेक्टर प्रियांशी कुमार, प्राचार्य ज्योति तिर्की सहित कॉलेज के सभी शिक्षक और स्टाफ मौजूद रहे। सभी ने संस्थापक के संघर्ष, समर्पण और दूरदर्शी सोच की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि जैनेंद्र कुमार ने एक छोटे से सपने से शुरुआत की थी और आज जैनेंद्र ग्रुप ऑफ कॉलेज झारखंड में शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम बन चुका है। उनके नेतृत्व में हजारों छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है।

अपने संबोधन में संस्थापक जैनेंद्र कुमार भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि मैं आज 62 वर्ष का हो गया हूं और वरिष्ठ नागरिकों की श्रेणी में प्रवेश कर चुका हूं। यह मेरे लिए एक नई जिम्मेदारी का दौर है। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी और युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए कहा कि अपने काम और कर्म को निष्ठा और ईमानदारी से करें, ताकि भविष्य में लोग आपको आपके कर्मों और आपकी ईमानदारी से पहचानें। पद और प्रतिष्ठा क्षणिक होती है, लेकिन ईमानदारी से किया गया कर्म हमेशा याद रखा जाता है।

देवी मंदिर परिसर में छठ पूजा की तैयारी को लेकर बैठक, नीरज कुमार बने अध्यक्ष

रफ्तार संवाददाता पवन कुमार राम



रेम्बा (गिरिडीह)। देवी मंदिर परिसर, रेम्बा में सोमवार, 9 नवंबर 2026 को छठ पूजा की तैयारी एवं आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में छठ पूजा को भव्य एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में छठ घाट तलाव की साफ-सफाई, साज-सज्जा, पूजा की व्यवस्था तथा गांव में बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने जैसे विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही नई कमेटी के गठन एवं पदाधिकारियों के चयन पर सर्वसम्मति बनी। बैठक में सर्वसम्मति से नीरज कुमार को अध्यक्ष, अमर राम को सचिव, मोहन पंडित को कोषाध्यक्ष, सतीश राम को उपाध्यक्ष तथा चींकू पंडित को उपसचिव चुना गया। उपस्थित सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए छठ पूजा को सफल बनाने में सहयोग का भरोसा दिलाया। इसके अलावा बैठक में पिछले वर्ष निर्धारित 300 रुपये की सहयोग राशि को वर्ष 2026 में भी यथावत रखने का निर्णय लिया गया।

रेम्बा बाबा जी पोखर के गंदे पानी में अर्घ्य देने को मजबूर होंगे छठव्रती, ग्रामीणों में आक्रोश



◈ बुनियादी सुविधाओं के अभाव में छठ घाट की बदहाल स्थिति, जनप्रतिनिधियों से कई बार गुहार लगाने के बावजूद नहीं हुआ समाधान

रफ्तार संवाददाता पवन कुमार राम

रेम्बा /गिरिडीह। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा नजदीक आते ही रेम्बा स्थित बाबा जी पोखर छठ घाट की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। रेम्बा का एकमात्र प्रमुख छठ घाट आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। बाबा जी पोखर का पानी गंदा और दूषित होने के कारण छठव्रतियों को इसी पानी में भगवान भास्कर को अर्घ्य देने की चिंता सता रही है। ग्रामीणों का कहना है कि छठ घाट की साफ-सफाई, स्वच्छ पानी, समुचित प्रकाश व्यवस्था और अन्य जरूरी सुविधाओं को लेकर कई बार सांसद, विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। इससे स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि छठ पूजा आस्था और पवित्रता का महापर्व है, लेकिन घाट की ऐसी स्थिति श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। मजबूरी में लोग गंदे और दूषित पानी में ही भगवान सूर्य को अर्घ्य देने को विवश होंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मिलेगी मजबूती, चांदडीह उच्च विद्यालय में 1.40 करोड़ से बनेंगे 11 अतिरिक्त कमरे



मधुपुरः मधुपुर विधानसभा क्षेत्र के चांदडीह स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय (UPG उच्च विद्यालय) में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। झारखंड सरकार के मंत्री सह मधुपुर विधायक हफीजुल हसन अंसारी ने शुक्रवार को विद्यालय परिसर में 1 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 11 अतिरिक्त वर्ग कक्षों के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कहा कि शिक्षा का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मधुपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना उनका संकल्प है। इसके लिए विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार करने के साथ-साथ आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और देश के विकास का मजबूत आधार है। बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और पर्याप्त सुविधाएं मिलें, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण से विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए पर्याप्त जगह मिलेगी और शिक्षण व्यवस्था को सुचारु बनाने में मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि मधुपुर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। 11 अतिरिक्त वर्ग कक्षों के निर्माण से विद्यालय की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

छठ पर्व को लेकर झील तालाब का निरीक्षण, नगर परिषद अध्यक्ष ने की साफ-सफाई में सहयोग की अपील



मधुपुरः लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर मधुपुर नगर परिषद की ओर से शहर के विभिन्न छठ घाटों पर साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को नगर परिषद अध्यक्षा दरक्शां परवीन ने शहर के प्रसिद्ध छठ घाट झील तालाब का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने घाट की साफ-सफाई एवं छठ व्रतियों की सुविधा को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष ने कहा कि छठ पर्व आस्था, श्रद्धा और पवित्रता का महान पर्व है। इस पर्व में स्वच्छता का विशेष महत्व है। इसे देखते हुए नगर परिषद की ओर से शहरी क्षेत्र के सभी प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा है। घाटों की सफाई के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों को भी स्वच्छ रखने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल नगर परिषद की जिम्मेदारी नहीं,बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी कर्तव्य है।सभी लोग अपने घरों,मोहल्लों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने में सहयोग करें। पूजा के दौरान कूड़ा-कचरा इधर-उधर नहीं फेंकें और नगर परिषद के सफाई अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाएं। अध्यक्षा ने कहा कि छठ पर्व को सफल और स्वच्छ वातावरण में संपन्न कराने के लिए नगर परिषद प्रशासन पूरी तरह प्रयासरत है।इसके लिए शहरवासियों का सहयोग भी बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से आपसी सहयोग और सामूहिक प्रयास के माध्यम से शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की अपील की।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी और विधायक उदय शंकर सिंह ने किया लक्ष्मी प्लाईवुड एंड हार्डवेयर का उद्घाटन



मधुपुरः शहर के सीताराम डालमिया रोड स्थित लक्ष्मी प्लाईवुड एंड हार्डवेयर प्रतिष्ठान का उद्घाटन सोमवार को झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण सह जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी एवं सारठ विधानसभा क्षेत्र के विधायक उदय शंकर सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के संचालक, उनके परिवार के सदस्य एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह के दौरान मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने प्रतिष्ठान के संचालक अजय कुमार एवं विजय कुमार एवं उनके पूरे परिवार को नए व्यवसाय की शुरुआत के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसी भी नए व्यवसाय की शुरुआत करना एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है,बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलता है।मौके पर एडवोकेट सुनील कुमार, नगर परिषद उपाध्यक्ष ऋषभ भारद्वाज समेत अन्य लोग मौजूद थे।

उर्दू दीवानों की भाषा है, इसकी सेवा भी दीवानगी से ही संभव है

रफ्तार संवाददाता

"उर्दू" भाषा केवल अभिव्यक्ति और संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सभ्यता, संस्कृति, प्रेम, भाईचारे, शिष्टता और मानवीय संवेदनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति भी है। यह हृदयों को जोड़ने, संबंधों में मधुरता घोलने तथा समाज में प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने वाली ऐसी मधुर भाषा है, जिसकी अभिव्यक्ति की स्पष्टता, भावों की गहराई, कोमलता, सौंदर्य और आकर्षण का कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। "उर्दू" सौंदर्य की अभिव्यक्ति की भाषा है और सौंदर्य की एक विशेषता यह भी है कि वह समय और परिस्थितियों की सीमाओं से मुक्त होकर अपनी आकर्षण-शक्ति बनाए रखता है। यही कारण है कि "उर्दू" अपनी समस्त साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं के साथ आज भी जीवंत और समृद्ध है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए अपना महत्त्व बनाए हुए है।

निस्संदेह, "उर्दू" दीवानों की भाषा है। इस भाषा से वही व्यक्ति सच्चे अर्थों में प्रेम कर सकता है, जो इसके प्रति गहरे अनुराग और समर्पण की भावना रखता हो। उर्दू की सेवा केवल दावे करने, सभाओं में भाषण देने अथवा कवि सम्मेलनों में भाग लेने से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए व्यावहारिक प्रयास, निष्ठा, त्याग और निरंतरता की आवश्यकता है। जो लोग उर्दू से अपार प्रेम करते हैं, उन्हें अपने कार्यों के माध्यम से इस प्रेम को प्रमाणित करना होगा। उर्दू पढ़ना, लिखना, पढ़ाना, "उर्दू" की पुस्तकों का अध्ययन करना, उर्दू समाचार-पत्र खरीदना और नई पीढ़ी को इस भाषा से जोड़ना ही इसकी वास्तविक सेवा है।

किसी भी भाषा का अस्तित्व और विकास केवल सरकारी



संरक्षण पर निर्भर नहीं करता, बल्कि उसे बोलने, पढ़ने, लिखने और चाहने वालों की संख्या तथा उनके व्यावहारिक जुड़ाव की भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इतिहास साक्षी है कि विश्व की अनेक भाषाओं ने प्रतिकूल परिस्थितियों, राजनीतिक उतार-चढ़ाव और सरकारी उपेक्षा के बावजूद अपनी पहचान बनाए रखी है। इसका सबसे बड़ा कारण उन भाषाओं से जुड़े लोगों का उत्साह, निष्ठा और निरंतर संघर्ष रहा है। उर्दू भी ऐसी ही एक जीवंत भाषा है, जिसने विभिन्न ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों का सामना करते हुए अपनी विशिष्टता और लोकप्रियता को बनाए रखा है।

"उर्दू" की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके प्रति प्रेम किसी एक धर्म, समुदाय, जाति अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सभ्यता, आपसी मेल-जोल और सांस्कृतिक समन्वय के वातावरण में विकसित हुई तथा समय के साथ विश्व के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुँची। आज एशिया, अफ्रीका, यूरोप और दुनिया के अन्य भागों में "उर्दू" बोलने, समझने और इससे प्रेम करने वाले लोग मौजूद हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीय और पाकिस्तानी नागरिकों के साथ-साथ विभिन्न देशों के साहित्यिक क्षेत्रों में भी "उर्दू" को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। इसकी कविता, कहानी, उपन्यास, शोध, आलोचना और पत्रकारिता ने विश्व साहित्य में अपनी अलग पहचान स्थापित की है।

उर्दू भाषा ने इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। इसने पराधीनता के दौर में स्वतंत्रता की भावना को शक्ति प्रदान की, स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जनचेतना जागृत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने लेखकों, कवियों तथा साहित्यकारों के माध्यम से मानवाधिकार, सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। "उर्दू" कविता ने पीड़ितों को साहस दिया, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई और मनुष्य को मनुष्य से प्रेम करने की शिक्षा दी। इस भाषा की साहित्यिक धरोहर में ऐसे असंख्य विचार और भावनाएँ विद्यमान हैं, जो मानवता, सदाचार, नैतिकता, सहिष्णुता और शांति-सौहार्द का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

"उर्दू" केवल एक भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत और साझा सांस्कृतिक पहचान भी है। इसके साहित्यिक भंडार में प्रेम, बंधुत्व, भाईचारे, देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और मानवता के ऐसे अनमोल रत्न मौजूद हैं, जो समाज को बेहतर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। "उर्दू" ने सदैव घृणा के स्थान पर प्रेम, कट्टरता के स्थान पर सहिष्णुता और विघटन के स्थान पर एकता का संदेश दिया है। यही कारण है कि जो व्यक्ति एक बार "उर्दू" के साहित्यिक और सांस्कृतिक संसार से जुड़ जाता है, वह इसकी मधुरता, व्यापकता और वैचारिक गहराई से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता।

बेकाबू कार ने तीन लोगों को रौंदा, एक की मौत

■)- दो की हालत गंभीर, बिजली पोल से टकराकर रुकी कार

रफ्तार मीडिया संवाददाता

नामकुम/टाटीसिलवे : रांची-पुरुलिया मुख्य सड़क पर टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के सिलवे बस्ती के समीप सोमवार शाम करीब 6:45 बजे तेज रफ्तार अनियंत्रित वैगनआर कार ने सड़क किनारे खड़े तीन लोगों को रौंद दिया। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में सूरज सोनार (47) की अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही मौत हो गई, जबकि प्रकाश महतो और कृष्णा बैठा गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि वैगनआर कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े लोगों को



अपनी चपेट में लेते हुए बिजली के खंभे से जा टकराई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई।हादसे में मृत सूरज सोनार टाटी तालाब के किनारे रहने वाले मनोहर सोनार के पुत्र थे। वहीं, घायल प्रकाश महतो और कृष्णा बैठा सिलवे बस्ती के निवासी बताए गए हैं।घटना की सूचना मिलते ही टाटीसिलवे थाना की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वैगनआर कार और उसमें सवार लोगों को अपने कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मस्जिद का निर्माण नेक काम, लेकिन पांचों वक्त की नमाज में नमाजियों की बढ़े भागीदारी : मंत्री हफीजुल हसन

◈ मस्जिद-ए-रजा की छत की ढलाई में शामिल हुए मंत्री, दीन के साथ दुनियावी शिक्षा को भी बताया जरूरी

रफ्तार संवाददाता



मधुपुरःशहर के पत्थरचपटी स्थित अब्दुल अजीज रोड में रविवार को मस्जिद-ए-रजा की छत की ढलाई का कार्य संपन्न हुआ।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण सह जल संसाधन मंत्री एवं मधुपुर विधायक हफीजुल हसन अंसारी मुख्य रूप से शामिल हुए।उन्होंने मस्जिद के निर्माण कार्य को एक नेक और सराहनीय पहल बताते हुए कमेटी के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों को बधाई दी।इस दौरान मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि मस्जिद का निर्माण करना निश्चित रूप से सवाब और नेक काम है,लेकिन इसके साथ ही मस्जिदों में नमाज अदा करने वाले नमाजियों की तादाद भी बढ़नी चाहिए।उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि फजर की नमाज में नमाजियों की संख्या काफी कम रहती है।ऐसे में लोगों को पांचों वक्त की नमाज के प्रति विशेष रूप से जागरूक होने की जरूरत है।उन्होंने मुस्लिम समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि फजर, जोहर,असर,मगरिब और इशा की नमाज निर्धारित समय पर नियमित रूप से अदा करें। मस्जिद केवल इमारत बनाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए,बल्कि वहां इबादत और धार्मिक गतिविधियां भी लगातार होती रहनी चाहिए। मस्जिदों की असली रौनक नमाजियों की मौजूदगी से होती है।मंत्री ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आज के दौर में दीन की शिक्षा के साथ-साथ दुनियावी शिक्षा भी बेहद जरूरी है। समाज के बच्चों को धार्मिक शिक्षा के साथ आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ना समय की मांग है।शिक्षा के माध्यम से ही समाज तरक्की की राह पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की तालीम पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

राम मन्दिर ठाकुरबाड़ी में अंकुट का प्रसाद का हुआ वितरण

रफ्तार संवाददाता

मधुपुरः प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर के राम मंदिर ठाकुरबारी में सोमवार की शाम भगवानअन्नकूटकी पूजा व प्रसाद वितरण किया गया. जिसको लेने के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा. बता दें कि देवघर जिला अंतर्गत मधुपुर स्थित राममंदिर ठाकुरबाड़ी में स्थापित भगवानअन्नकूटकी पूजा एक मात्र यहीं होता है. प्रत्येक वर्ष दीपावली के दूसरे दिनअन्नकूटभगवान का प्रसाद पाने के लिए हजारों लोग यहां आते हैं। श्री राममंदिर ठाकुरबारी ट्रस्ट द्वारा लोगों को सहयोग राशि से व्यापक पैमाने पर शुल्क व निशुल्क



प्रसाद वितरण किया जाता है. भगवानअन्नकूटका भोग सात प्रकार के पकवानों से की जाती है. जिसमें बालूशाही, बुंदिया, पुआ, पूड़ी कचोड़ी, सब्जी प्रसाद के रूप में दी जाती है. मौके पर पुरुषोत्तम बथवाल, संजय डालमिया,अनिल टिबड़ेवाल, बिनोद लछिरामका,पुरुषोत्तम अग्रवाल, पुरुषोत्तम बथवाल पट्टू सहित अन्य सदस्य मौजूद थे. प्रसाद वितरण को सफल बनाने में अदिति सिंह, शांति सिंह, सुनीता जयसवाल, पुष्पा कुशवाहा, बबली सेन, सोनम शर्मा, रेणु गिनोडिया, प्रेमा गुप्ता, चन्द्रिका जी, गोपी बर्मन की भूमिका सराहनीय रही.

जनवरी 2027 से नये नंबर से चलेंगी 12 जोड़ी ट्रेनें

■ कोडरमा होकर गुजरने वाली ट्रेन भी शामिल

रफ्तार मीडिया संवाददाता

झुमरीतिलैया। रेलवे ने परिचालनिक सुगमता के मद्देनजर जनवरी 2027 से 12 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन नये नंबरों से करने का निर्णय लिया है। इनमें कोडरमा होकर गुजरने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस भी शामिल हैं। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी सरस्वती चन्द्र की ओर से जारी जानकारी के अनुसार धनबाद रेल मंडल के दो ट्रेन इसमें शामिल हैं। हावड़ा- धनबाद- हावड़ा ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस का नंबर 1 जनवरी 2027 से बदल जाएगा। ट्रेन संख्या 22387 हावड़ा-धनबाद ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस अब 13387 तथा ट्रेन संख्या 22388 धनबाद-हावड़ा ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस अब 13388 नंबर से चलेगी। इसी तरह पटना-रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस भी नये नंबर से परिचालित होगी। ट्रेन संख्या 12365 पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस अब 13265 तथा ट्रेन संख्या 12366 रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस अब 13266 नंबर से चलेगी। ये सभी बदलाव 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होंगे। रेलवे ने यात्रियों से टिकट बुकिंग और ट्रेन संबंधी जानकारी प्राप्त करते समय नये नंबरों का ध्यान रखने की अपील की है।

विश्व उर्दू दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

◈ बच्चों ने अल्लामा इकबाल के जीवन एवं योगदान पर डाला प्रकाश

◈ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत

रफ्तार संवाददाता



पाकुड़ : विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय उर्दू तुर्की एसोसिएशन की ओर से जिला मुख्यालय स्थित बगानपाड़ा में एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने भाषणों के माध्यम से उर्दू भाषा के महत्व, उसकी सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गरिमा तथा शायर-ए-मशरिक अल्लामा मुहम्मद इकबाल के जीवन और योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ अल्लामा इकबाल के तराने से हुआ। इस अवसर पर बच्चों ने मोमबत्तियां जलाकर और तराना प्रस्तुत कर अल्लामा इकबाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। भाषण प्रतियोगिता में शामिल बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए उर्दू भाषा के महत्व तथा अल्लामा इकबाल के व्यक्तित्व एवं काव्य के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष जेड.एच. बिस्वास ने अपने संबोधन में कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में उर्दू भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा इसके संवर्धन के लिए नई पीढ़ी को प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि उर्दू महज एक भाषा नहीं, बल्कि हमारे देश की साझा सभ्यता, साहित्य और संस्कृति की अनमोल धरोहर है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज उर्दू भाषा अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने आम लोगों से आगे आने तथा उर्दू भाषा को जीवंत बनाए रखने और इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाने की अपील की।

एसोसिएशन के सचिव इमरान आलम ने कहा कि अल्लामा इकबाल की जयंती के अवसर पर उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसका उद्देश्य बच्चों में उर्दू के प्रति प्रेम, रुचि और जागरूकता पैदा करना है।

इस अवसर पर इरशाद आलम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उर्दू भाषा का विकास और उसका संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। उर्दू का संबंध किसी विशेष धर्म या समुदाय से नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की साझा सभ्यता और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाली भाषा है।

कार्यक्रम में उर्दू पत्रकार अख्तर हुसैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भाषण प्रतियोगिता में अदीबा खातून ने प्रथम, अफरोज अंसारी ने द्वितीय तथा उजमा आलम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के लिए उन्हें पदक भी प्रदान किए गए।

इस अवसर पर अय्यूब आलम, सलमा खातून, सुल्ताना आलम, आमिर, समीर सहित बड़ी संख्या में बच्चे, अभिभावक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी में उर्दू भाषा के प्रति प्रेम एवं रुचि विकसित करने के साथ-साथ उन्हें इसकी समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना था।

संपादकीय

आदि पुरुष के बाद अब रामायण के साथ भी ऐसा!

अभिमत

कुछ साल पहले प्रभास की फिल्म आदि पुरुष बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी. अब ऐसा ही रणबीर कपूर की 'रामायण' के साथ होता नजर आ रहा है। इन दोनों फिल्मों को भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी कृतियों में गिना जा रहा था। रामायण के साथ भी यही हुआ कि फिल्म की भव्यता, बड़े सितारों की मौजूदगी, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व तथा हजारों करोड़ रुपये तक पहुंचने की चर्चित संभावनाओं ने रिलीज से पहले ही इसे सुर्खियों में ला दिया था। फिल्म को लेकर बॉक्स ऑफिस पर ऐसी उम्मीदें जताई जा रही थीं कि यह पहले ही दिन दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये का कारोबार कर सकती है।

कुछ अनुमानों में इसे भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ओपनिंग देने वाली फिल्मों की कतार में खड़ा कर दिया गया था। लेकिन 5 नवंबर को सिनेमाघरों में पहुंची इस फिल्म के शुरूआती आंकड़ों ने इन उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। फिल्म के पहले दिन का कारोबार 200 करोड़ रुपये के अनुमान से काफी नीचे रहा। दूसरे दिन भी कमाई में गिरावट दर्ज की गई। अब फिल्म के सामने दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों का सहारा है। ये छुट्टियां दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच सकती हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल त्योहारों की छुट्टियां इतनी बड़ी फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता दिला पाएंगी? शुरूआती रुझान बताते हैं कि फिल्म को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए उम्मीद से कहीं ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है।

फिलहाल 'रामायण' को असफल घोषित करना जल्दबाजी होगी, क्योंकि फिल्म के सामने अभी कई महत्वपूर्ण कारोबारी दिन हैं। दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे त्योहारों के साथ-साथ सप्ताहांत का लाभ भी इसे मिल सकता है। दो दिनों में दुनियाभर में 221 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार यह भी बताता है कि फिल्म ने बाजार में अच्छी शुरूआत की है। लेकिन कहीं न कहीं यह सवाल उठता है कि आखिर इन फिल्मों के साथ ऐसा क्यों हो गया, जो सोचा भी नहीं गया था?

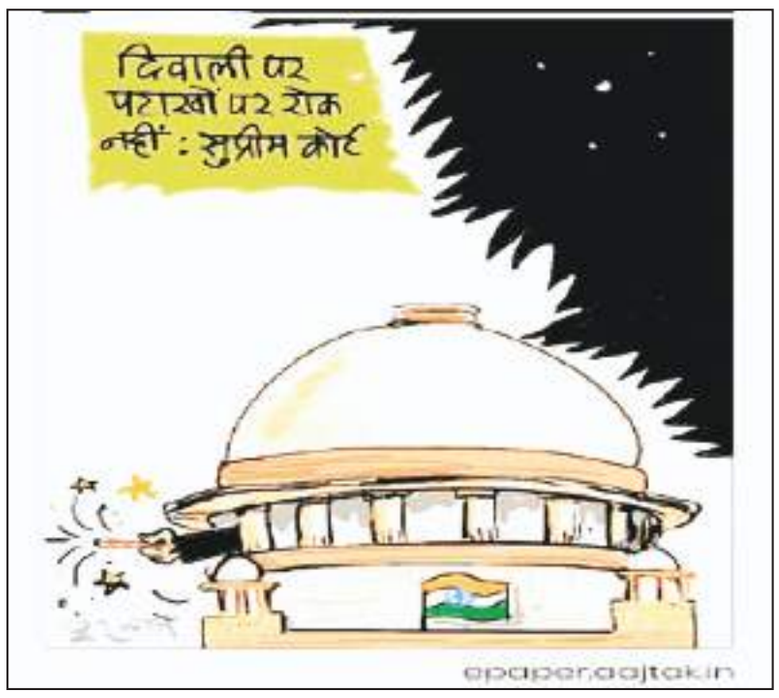

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- नोटबंदी की घोषणा (2016): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रात 8 बजे राष्ट्र को संबोधित करते हुए 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को बंद करने का ऐतिहासिक ऐलान किया।
- चंद्रयान-1 चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा (2008): भारत का पहला मानवरहित चंद्र मिशन 'चंद्रयान-1' सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में स्थापित हुआ।
- सचिन और द्रविड़ की रिकॉर्ड साझेदारी (1999): हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच में सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ने 331 रनों की विश्व रिकॉर्ड साझेदारी की।
- लालकृष्ण आडवाणी का जन्म (1927): भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री और वरिष्ठ राजनेता लालकृष्ण आडवाणी का जन्म कराची (तत्कालीन अविभाजित भारत) में हुआ।
- मदन थिएटर्स की स्थापना और पहली फिल्म (1919): कोलकाता में मदन थिएटर्स लिमिटेड की स्थापना हुई और इसी दिन इसकी पहली फिल्म 'बिल्वामंगल' रिलीज हुई।
- मुगल सम्राट जहांगीर का निधन (1627): चौथे मुगल शासक जहांगीर का राजौरी के पास निधन हुआ, जिसके बाद शाहजहां गद्दी पर बैठे।
- डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति चुने गए (2016): रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने हिलेरी क्लिंटन को हराकर अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति का चुनाव जीता।
- फिलीपींस में भीषण तूफान हैयान (2013): सुपर टाइफून 'हैयान' ने फिलीपींस में भारी तबाही मचाई, जिसमें हजारों लोगों की जान गई।
- आयरलैंड की पहली महिला राष्ट्रपति (1990): मैरी रॉबिन्सन आयरलैंड की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गईं।
- जॉन एफ. कैनेडी राष्ट्रपति बने (1960): डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जॉन एफ. कैनेडी रिचर्ड निक्सन को हराकर अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति चुने गए।
- दुनिया की पहली जेट फाइटर डॉगफाइट (1950): कोरियाई युद्ध के दौरान इतिहास में पहली बार दो जेट विमानों के बीच हवाई लड़ाई हुई, जिसमें अमेरिकी पायलट ने उत्तर कोरियाई विमान को मार गिराया।

कविता

एक दिया इधर भी।

एक दिया इधर भी।
एक दिया छत की मुंडेर पर जला आना,
जहां साया होता है गहन अंधकार का।

एक दिया उस बूढ़ी मां के कमरे पर जला आना,
जहां बेटे,बहू ,नाती,नातीने जाने से कतराते हों।

गांव के उस आंगन पर जला आना,
जहां से जाने के बाद बेटा माँ-बाप की
मौत पर भी लौटकर न आया हो।

एक दिया उन खेतों पर जला आना
जहां किसानों ने पसीना बहा अन्न पैदा किया
और देश को खुशहाल बनाया ।

एक दिया उस चौखट पर जला आना,
जहां की विधवा मां का एकमात्र लाडला
सीमा पर देश के नाम शहीद हो गया हो।

एक दीया उस घर में भी जला आना,
जिस घर की नर्स मां
नन्हे बच्चों को छोड़ कॅरोना के मरीजों की
सेवा में काल कवलित हो गई हो।

एक दीप विपन्न कुम्हारों की बस्ती में
जला आना,जग मे उजाले
का उपहार दिया हो।
और
एक दिया अपने अंतर्मन में जला लेना
जहां दुनिया भर की इच्छा, कामना, स्पृहा,
लिप्सा और जगत भर की
लालसा निवास करती हो,
एक दिए की लौ से शायद पवित्र हो जाए
मन, मस्तिष्क, समाज और संपूर्ण देश।





संजीव ठाकुर
लेखक

सोहराय पर्व : प्रकृति, पशुधन और लोकसंस्कृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम महोत्सव



लेखक : मृत्युंजय कुमार मिश्र 'स्नेहिल'

भारत की सांस्कृतिक विविधता उसकी सबसे बड़ी विशेषता है। यहाँ पर्व और त्योहार केवल मनोरंजन अथवा धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे समाज की जीवन-दृष्टि, परंपराओं, मानवीय संवेदनाओं और प्रकृति के साथ उसके आत्मीय संबंधों को भी अभिव्यक्त करते हैं। ऐसा ही एक विशिष्ट और गौरवशाली लोकपर्व है— सोहराय पर्व, जो विशेष रूप से झारखंड की जनजातीय संस्कृति और लोकजीवन की समृद्ध विरासत का प्रतीक है।

सोहराय केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आभार, पशुधन के प्रति सम्मान, कृषि-संस्कृति के प्रति निष्ठा और सामुदायिक जीवन की आत्मीयता का उत्सव है। यह पर्व हमें उस जीवन-दर्शन से परिचित कराता है, जिसमें मनुष्य स्वयं को प्रकृति से अलग नहीं, बल्कि उसका अभिन्न अंग मानता है।

■ प्रकृति और कृषि के प्रति कृतज्ञता का पर्व

सोहराय मुख्यतः फसल की कटाई और कृषि-समृद्धि से जुड़ा पर्व है। अलग-अलग जनजातीय समुदायों और क्षेत्रों में इसकी तिथि, अवधि तथा अनुष्ठानों में भिन्नता देखने को मिलती है। विशेष रूप से संथाल, मुंडा, हो और अन्य जनजातीय समुदायों में इसका सांस्कृतिक महत्त्व अत्यंत गहरा है।

कृषि प्रधान समाज में अन्न केवल भोजन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। किसान जब अपनी मेहनत, धैर्य और प्रकृति की अनुकंपा से खेतों में लहलहाती फसल को घर लाता है, तब उसके मन में धरती, वर्षा, सूर्य, पशुधन और उन तमाम प्राकृतिक शक्तियों के प्रति कृतज्ञता का भाव उत्पन्न होता है, जिनके सहयोग से जीवन का चक्र गतिमान रहता है। सोहराय इसी कृतज्ञता की सामूहिक अभिव्यक्ति है।

■ पशुधन के प्रति सम्मान और आत्मीयता

इस पर्व की सबसे सुंदर विशेषताओं में से एक है पशुधन के प्रति सम्मान का भाव। भारतीय कृषि व्यवस्था में गाय, बैल और अन्य पालतू पशुओं का योगदान सदियों से अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहा है। खेतों की जुताई से लेकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन तक पशुधन मनुष्य का सहयोगी रहा है।

सोहराय के अवसर पर पशुओं को स्नान कराया जाता है, उन्हें सजाया जाता है और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। उनके प्रति प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। यह परंपरा हमें एक महत्त्वपूर्ण संदेश देती है कि मनुष्य की समृद्धि केवल उसके श्रम का परिणाम नहीं, बल्कि उन मूक जीवों के सहयोग का भी प्रतिफल है, जो बिना किसी अपेक्षा के उसके जीवन को सरल बनाते हैं।

आज जब आधुनिकता की दौड़ में मनुष्य अनेक बार संवेदनहीन होता जा रहा है, तब सोहराय हमें जीव-जंतुओं के प्रति दया, करुणा और सह-अस्तित्व का पाठ पढ़ाता है।

■ सोहराय कला : मिट्टी की दीवारों पर जीवंत संस्कृति

सोहराय पर्व की एक अन्य अनुपम पहचान है इसकी पारंपरिक चित्रकला। विशेषकर झारखंड के हजारीबाग क्षेत्र में प्रचलित सोहराय कला अपनी विशिष्ट शैली, प्राकृतिक रंगों और सुंदर आकृतियों के कारण देश-विदेश में पहचान बना चुकी है।

घर की मिट्टी से पुती दीवारें इस अवसर पर कला के सुंदर कैनवास में बदल जाती हैं। उन पर पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों, फूलों, लताओं और प्रकृति से जुड़े विविध रूपांकनों को उकेरा जाता है। इन चित्रों में केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि आदिवासी समुदायों की जीवन-दृष्टि, प्रकृति के प्रति प्रेम और पीढ़ियों से संचित सांस्कृतिक स्मृतियाँ भी दिखाई देती हैं।

यह कला इस बात का प्रमाण है कि सृजनशीलता किसी विशेष वर्ग, विद्यालय या संस्थान की बपौती नहीं होती। लोकजीवन की साधारण मानी जाने वाली मिट्टी की दीवारें भी असाधारण कलात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम बन सकती हैं।

■ लोकगीत, नृत्य और सामुदायिक एकता

सोहराय के अवसर पर लोकगीतों और पारंपरिक नृत्यों की विशेष छटा देखने को मिलती है। मांदर और अन्य पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप वातावरण को उल्लास से भर देती है। स्त्री-पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग सामूहिक रूप से उत्सव में भाग लेते हैं। गीतों में प्रकृति, कृषि, प्रेम, परंपरा और सामुदायिक जीवन की झलक मिलती है।

इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें व्यक्तिगत आनंद सामूहिक उल्लास में बदल जाता है। लोग एक-दूसरे के साथ खुशियाँ बाँटते हैं और अपनी सांस्कृतिक पहचान को अगली पीढ़ी तक पहुँचाते हैं। इस प्रकार सोहराय सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक निरंतरता का भी सशक्त माध्यम है।

■ आधुनिक समाज के लिए सोहराय का संदेश

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण, वनों की कटाई, जैव विविधता के विनाश और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। मनुष्य ने विकास के नाम पर प्रकृति का जिस प्रकार दोहन किया है, उसका दुष्परिणाम अब उसके सामने है।

ऐसे समय में सोहराय की सांस्कृतिक चेतना अत्यंत प्रासंगिक हो जाती है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकृति पर हमारा अधिकार नहीं, बल्कि उसके प्रति हमारी जिम्मेदारी है। धरती, जल, जंगल, पशु-पक्षी और मनुष्य एक-दूसरे के पूरक हैं। इनमें से किसी एक की उपेक्षा संपूर्ण जीवन-व्यवस्था के संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

सोहराय हमें यह भी सिखाता है कि वास्तविक विकास वही है, जिसमें परंपरा और प्रगति के बीच संतुलन हो, आर्थिक समृद्धि के साथ पर्यावरण संरक्षण हो और आधुनिकता के साथ मानवीय संवेदनाएँ भी सुरक्षित रहें।

■ सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण हमारा दायित्व

सोहराय जैसे पर्व केवल किसी एक समुदाय की धरोहर नहीं हैं, बल्कि भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनकी परंपराओं, लोकगीतों, चित्रकलाओं और जीवन-मूल्यों का संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

विशेषकर नई पीढ़ी को इन पर्वों के वास्तविक अर्थ और महत्त्व से परिचित कराना आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से जनजातीय संस्कृति, लोककलाओं और पारंपरिक ज्ञान को उचित स्थान मिलना चाहिए। साथ ही, इस विरासत के वास्तविक संरक्षकों—स्थानीय समुदायों और कलाकारों—को सम्मान, अवसर और आर्थिक प्रोत्साहन भी मिलना चाहिए।

■ उपसंहार

सोहराय पर्व हमें जीवन का एक अत्यंत सुंदर और शाश्वत सत्य समझाता है कि मनुष्य की महानता केवल उसकी उपलब्धियों, संपत्ति अथवा भौतिक समृद्धि में नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता, कृतज्ञता और सह-अस्तित्व की भावना में निहित है।

जिस समाज में धरती के प्रति श्रद्धा हो, पशुओं के प्रति आत्मीयता हो, श्रम के प्रति सम्मान हो और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की चेतना हो, वह समाज कभी सांस्कृतिक रूप से दरिद्र नहीं हो सकता।

सोहराय वास्तव में उसी जीवन-दर्शन का उत्सव है, जहाँ खेतों की हरियाली में किसान का परिश्रम मुस्कराता है, पशुओं की आँखों में अपनापन झलकता है, मिट्टी की दीवारों पर लोककला बोलती है और मांदर की थाप पर पूरी संस्कृति जीवंत हो उठती है।

आइए, सोहराय के अवसर पर हम केवल उत्सव न मनाएँ, बल्कि उस जीवन-दृष्टि को भी आत्मसात करें, जो हमें प्रकृति से प्रेम करना, पशुओं का सम्मान करना, श्रम का आदर करना और समस्त जीव-जगत के साथ मिलकर जीना सिखाती है।

क्योंकि अंततः मनुष्य प्रकृति का स्वामी नहीं, उसका एक विनम्र सहभागी है। यही सोहराय का शाश्वत संदेश है और यही भारतीय लोकसंस्कृति की वास्तविक महानता।

लोक विचार

भारत में अराजकता बर्दाश्त नहीं



दिलीप झा

हालात ये हैं मॉक पारलियामेंट करके अपनी पार्टी का मजाक बनाने वाले राहुल गाँधी संसद में चर्चा करने से भाग रहे हैं लेकिन इस बीच उनकी हास्यास्पद बात सामने आई है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक वीडियो जारी कर कहते हैं कि डरिये मत फाइनेंस पर मुझसे डिबेट करिए। उनके इस बचकाने वाले व्यवहार पर पूरा देश हंस रहा है और यह बात वर्षों पहले देश के युग पुरुष और दूरदर्शी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संसद में कहा था।

रामलीला मैदान पर एक नंबर को इंडी गठबंधन की महारैली पर बीजेपी और सिख समुदाय के लोगों ने सवाल उठाते हुए विपक्ष पर जबरदस्त हमला किया कि आज के दिन ही तीन हजार सिखों का कत्लेआम हुआ था और यह सर्वविदित है कि इस नरसंहार का आरोप कांग्रेस के कई बड़े नेताओं और कार्यकताओं पर लगा था। सिख दंगों में शामिल होने के आरोप में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के कई बड़े नेताओं को दोषी ठहराया और उन्हें सजा भी सुनाई। सिख दंगों के दोषी कुछ कांग्रेस के नेता सजा काटते हुए परलोक भी पहुँच गए। निःसंदेह यह भारतीय इतिहास का वह काला दिन है जिसमें मानवता पूरी तरह से शर्मसार हुई है। वहीं?, बीजेपी ने इस काले दिन के विरोध में देशभर में पदयात्रा निकाल कर सिख दंगों से पीड़ित परिवार को सांत्वना दी ।

हालांकि सिख समुदाय के नेताओं ने कांग्रेस से मना किया था कि एक नवंबर को महारैली नहीं निकाले कोई और तारीख तय कर लें लेकिन राहुल गाँधी के जिद के आगे उनकी अपील पर एक नहीं चली। हालांकि कांग्रेस के थिंक टेंकर को यह भलीभांति पता है कि राहुल गाँधी की राजनीति की शैली के कारण ही वर्तमान परिदृश्य में बीजेपी को हराना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि राहुल गाँधी वामपंथियों और चमचों से घिरे हुए हैं। उन्हें राजनीतिक जमीनी हकीकत का कुछ पता नहीं है। पूरे देश के लोगों के लिए यह हास्यास्पद बात है कि एक नंवबर की रैली में 20 से अधिक दल शामिल हुए लेकिन वह ताकतवर नहीं दिखाई दी। रैली में दस लाख लोगों के पहुंचने के दावे की हवा निकल गई। तस्वीरों को देखकर यह कहा जा सकता है विभिन्न दलों के तीस हजार से ज्यादा कार्यकर्ता नहीं थे। रामलीला मैदान की क्षमता 50 हजार लोगों की है और इसके कुछ हिस्सों में बारिश की वजह से कीचड़ फैला हुआ था। इससे रैली प्रबंधन की खामियां उजागर हुई। मैदान में भी कुछ कुर्सियां भी खाली थी। राहुल और खड़गे के संबोधन के दौरान ही लोग मैदान छोड़कर निकल रहे थे। इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि अक्टूबर में प्रदर्शन के दौरान नेहा बोरा को जिस तरह से राहुल गाँधी ने फ्रंट पर रखा इसको लेकर यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं में काफी नाराजगी दिखाई दी और यही कारण है कि दिल्ली की रैली से युवा गायब रहे।



हालांकि यह भी सच है कि इस रैली के असफल होने के कई कारण हैं। राष्ट्रीय जनता दल, और टीएमसी, एनसीपी, शिवसेना ठाकरे एवं समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने इस रैली का तहे दिल से समर्थन नहीं किया। वजह भी स्पष्ट है। कोई भी दल कांग्रेस को मजबूत स्थिति में नहीं देखना चाहता है। क्योंकि जाहिर है ये दल अपने अपने राज्य में कांग्रेस की राजनीतिक जमीन पर ही फसल उगा रहे हैं। बहरहाल, राहुल गाँधी को यह समझना होगा कि उनके कारण कांग्रेस नहीं है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गाँधी और राजीव गाँधी की दूरदर्शी सोच और वाकपटुता की वजह से आजतक कांग्रेस जीवित है। क्योंकि उन्होंने देश की एकता और सुरक्षा से कभी समझौता नहीं किया। वहीं, राहुल गाँधी प्रतिपक्ष के नेता हैं लेकिन उन्हें पता नहीं है कि यह बड़ा पद होता है और इसकी अपनी गरिमा है। प्रतिपक्ष नेता राहुल गाँधी ने अपनी कार्यशैली से इसकी गरिमा को न केवल गिरा दिया है बल्कि शर्मसार कर दिया है।

संसद हो या बाहर वह देश के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तुम तड़ाक की गिरी हुई भाषा से हमला करते हैं। मोदी की जाति और उनके परिवार पर (माता पिता) पर राहुल ने खुद हमला किया अथवा उन्होंने अपने नेताओं से हमले करवाया। वहीं, गत दिनों कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पटना में कांग्रेस कार्यकताओं को संबोधित करते हुए यहाँ तक कह दिया कि मोदी का बाप भी सत्ता से जाएगा। बीजेपी के तमाम बड़े नेताओं ने खड़गे की इस अशोभनीय और अमर्यादित भाषा का जमकर विरोध किया। कांग्रेस की इस ओछी हरकत के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने देशभर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ, संकल्प के तहत पदयात्रा कार्यक्रम लॉन्च कर जनता से संवाद स्थापित शुरू कर कांग्रेस को शक्ति का अहसास कराया और उसे बैकफुट लाकर रख दिया है। यह भी हैरानी की बात है कि एक नंबर की रैली में राहुल गाँधी के मुंह से यह निकल गया कि मोदी कहीं नहीं जाएगा। हम उसे कहीं जाने नहीं देंगे। राजनीति के जानकार मानते हैं कि राहुल गाँधी की भाषाशैली बहुत खराब है। भारत एक सांस्कृतिक और वौद्धिक विरासत वाला देश है और यहाँ तहजीब से बोली जाती है। देश की आम जनता में गलत संदेश गया है कि राहुल गाँधी को बोलने की तमीज नहीं है अर्थात इनकी शिक्षा दीक्षा और परवरिश ढंग से नहीं हुई। यही कारण है कि वे शुद्ध रूप से न तो हिंदी और न ही अंग्रेजी बोल पाते हैं। उनका एंग्री यंग मैन के रूप में अपने को प्रस्तुत करना देश की जनता को स्वीकार नहीं है।

इस देश का मालिक जनता है और वही प्रधानमंत्री बनाती है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जबरन शब्द का प्रयोग क्षम्य नहीं है। यहाँ जबरन अतिक्रमण पर बुलडोजर चलता है। सत्ता किसी की बपौती संपत्ति नहीं है। यह केवल जनता जनार्दन के हाथों में है। आपने जनता के हित में काम किया है तो वह आपको राजनीति के आसमान पर बैठा सकती है। हार का ठिकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने वालों नेताओं को यह समझना होगा कि पहली बार एसआईआर नहीं हो रहा है और यह बात अब देश के लोग अच्छी तरह से जानते हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने देश की जनता से पूछा कि बांग्लादेश के करोड़ों घुसपैठिये को वोट से वंचित करना कैसे गलत है? तीन करोड़ घुसपैठिये चुनाव आयोग के पास अपना नाम जुड़वाने इसलिए नहीं आ रहा है कि उन्हें डर है कि वे पकड़े जाएंगे और उन्हें डिटेंशन सैंटर में डाल दिया जाएगा अथवा देश से बाहर कर दिया जाएगा।

देशभर में बदला मौसमः दिल्ली में बढ़ा प्रदूषण, एक्यूआई 421..दो दिन बाद पहाड़ों पर बर्फबारी के आसार

यूपी के 15 शहरों में कोहरा, तमिलनाडु में भारी बारिश



राजस्थान के अजमेर शहर में सुबह के समय आसमान पर धुंध और स्मॉग की परत छाई रही।



नई दिल्ली की आबोहवा इस कदर खराब हो गई है कि आज राष्ट्रपति भवन का गुंबद ही हिस्सा दिखाई दिया। बाकी सब धुंध में ढंका नजर आया।



जम्मू-श्रीनगर रूट पर कम विजिबिलिटी के बीच वंदे भारत।

नई दिल्ली। एजेंसी

देशभर में मौसम का मिजाज अब बदलने लगा है। कई राज्यों में जहां गुलाबी ठंड का दौर शुरू हो गया है। वहीं, उत्तरप्रदेश में ठंड बढ़ गई है। आज दिवाली की सुबह लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर समेत 10 शहरों में धुंध छाई रही। श्रावस्ती, देवरिया, महराजगंज, बिजनौर, गोंडा और संभल समेत 15 शहर कोहरे की चपेट में रहे। आलम यह रहा कि कई जगह विजिबिलिटी घटकर 50 मीटर रह गई। पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। वहीं, तमिलनाडु में रविवार को चेन्नई, आसपास के इलाकों और डेल्टा जिलों में सुबह से भारी बारिश हो रही है। इसके बावजूद लोगों में दीपावली का उत्साह जोरों पर है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में दो दिन बाद बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इससे देश के बाकी हिस्सों में सर्दी बढ़ने और तापमान में गिरावट हो सकती है। इधर, राजधानी दिल्ली में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। एम्स के आसपास एक्यूआई 421 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक यह गंभीर श्रेणी में है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अब देशभर में ठंड बढ़ती जाएगी।

इसलिए बदला मौसम

मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार अलग-अलग सिस्टम के कारण मौसम में बदलाव हो रहे हैं। उत्तर-पूर्वी चक्रवाती सिस्टम के सक्रिय होने और बंगाल की खाड़ी व अरब सागर में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण राज्यों में तेज हवा के साथ ठंड बढ़ रही है। वहीं, उत्तर और मध्य भारत में शुष्क मौसम व प्रदूषण (पूर्वी हवाओं का प्रभाव) भी मौसम बदल रहा है। इससे दिल्ली, एनसीआर, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश और राजस्थान में धुंध और कोहरा बढ़ रहा है। यह दो दिन में और तेज होगा।

अगले दो दिन यहां चलेगी तेज हवा, अब रात के साथ दिन के तापमान में भी गिरावट

राजस्थान में सर्दी के लिए अभी करना होगा इंतजार

सीकर, माउंट आबू में सबसे ठंडी रात, बाड़मेर में 37 डिग्री से ऊपर पारा। यहां लोगों को लोगों को सर्दी के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। नवंबर के दूसरे सप्ताह के बाद सर्दी जोर पकड़ने का अनुमान है। 15 नवंबर बाद हवा का पैटर्न बदलेगा और उत्तरी हवा मैदानी राज्यों में आने से पश्चिमी राजस्थान में पारा गिरने से सर्दी बढ़ेगी। अभी मौसम साफ रहेगा।

9 नवंबर: आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी में बारिश का यलो अलर्ट है। रायलसीमा-आंध्र प्रदेश में तेज हवाएं चलेंगी।

10 नवंबर: जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और केरलम में बारिश का यलो अलर्ट है।

मध्य प्रदेशः भोपाल-इंदौर समेत 14 शहरों में पारा 15° से कम

मध्यप्रदेश के शहरों में रात में ठंड और सुबह धुंध छा रही है। भोपाल, इंदौर में भी न्यूनतम तापमान कम हुआ है। कल रात 14 शहरों में पारा 14° से कम रहा।

छत्तीसगढ़ में 3 दिन में 3 डिग्री गिरेगा पारा, रायपुर में बढ़ी ठंड

छत्तीसगढ़ में रात के तापमान में गिरावट होगी। अगले 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक गिरावट हो सकती है। इससे रात और सुबह में ठंड बढ़ेगी। हालांकि, इसके बाद तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

यूपी: लखनऊ-कानपुर में धुंध, हवा खराब एक्यूआई 300 पार
यूपी में ठंड बढ़ गई है। लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर समेत 10 शहरों में धुंध छाई रही। हवा में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचा।
हरियाणा: बल्लभगढ़ देश में सबसे प्रदूषित, सिरसा दूसरे-गुरुग्राम तीसरे नंबर पर हरियाणा में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।
उत्तराखंड: आज राज्य में बारिश और बर्फबारी संभव। देहरादून, उत्तरकाशी समेत 5 जिलों में अलर्ट।

न्यूज ट्रैक

कचरे से खूबसूरत कलाकृतियां बना रहे बिहार के सोनू



पटना. एजेंसी। कचरे से कलाकृति और हुनर से कमाई। भागलपुर के सोनू कुमार ने बेकार समझी जाने वाली चीजों को अपनी रचनात्मकता से खास पहचान दी है। आज उनकी कला न केवल स्वच्छता का संदेश दे रही है, बल्कि अच्छी आमदनी का जरिया भी बन गई है। मक्के के छिलके, सूखे पत्ते, फूल, लोहे के कबाड़ और प्लास्टिक जैसी अनुपयोगी सामग्रियों का उपयोग करते हैं। इससे आकर्षक कलाकृतियां बनाने वाले सोनू सालाना दो से तीन लाख रुपए कमा रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत राज्य में स्वच्छता की पहल अब कचरा संग्रहण और निस्तारण से आगे बढ़कर उसके रचनात्मक उपयोग तक पहुंच रही है। उनकी कला बताती है कि जिसे लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं, उसका भी रचनात्मक इस्तेमाल किया जा सकता है। वे केवल लोहे के कबाड़ और प्लास्टिक से ही कलाकृतियां नहीं बनाते, प्रकृति से जुड़ी अनुपयोगी वस्तुओं को भी कला का हिस्सा बनाते हैं।

सिएटल में दिवाली समारोह में हिंदुओं के खिलाफ नारेबाजी



वॉशिंगटन. एजेंसी। अमेरिका में दिवाली समारोह के दौरान हिंदू समुदाय को निशाना बनाने का मामला सामने आया है। वॉशिंगटन के सिएटल में दक्षिणपंथी अमेरिकी कार्यकर्ता जैक लैंग ने शनिवार को दिवाली समारोह में बाधा डालने की कोशिश की। इस दौरान उसके साथ मौजूद प्रदर्शनकारियों के हाथों में हिंदुओं के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लिखे पोस्टर थे। हालांकि, समारोह में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें रोक दिया। इस घटना के बाद जैक लैंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदू समुदाय को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की। उसने आरोप लगाया कि हिंदुओं की वजह से टेक्सास में डेमोक्रेटिक पार्टी को राजनीतिक फायदा हुआ है। सोशल मीडिया पर पोस्ट में हिंदुओं के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और टेक्सास में डेमोक्रेटिक पार्टी की चुनावी सफलता के लिए भारतीय मूल के लोगों को जिम्मेदार ठहराया। जैक लैंग का नाम 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन कैपिटल में हुई हिंसा से जुड़े मामलों में सामने आया था।

अनंत सिंह दामाद को देंगे 2 करोड़ की डिफेंडर

छोटे बेटे को गिफ्ट करेंगे बीएमडब्लू बेटी की शादी में 4 लाख लोगों का बन रहा खाना

पटना। मोकामा विधायक अनंत सिंह की छोटी बेटी शिवांगी की 25 नंवबर को शादी है। इसकी भव्य तैयारी की जा रही है।

अनंत सिंह अपने होने वाले दामाद ऋषिकेश कुमार को करीब 2 से 2.50 करोड़ रुपए की लग्जरी लैंड रोवर डिफेंडर गिफ्ट कर रहे हैं। गाड़ी पटना पहुंच चुकी है। बेटी की शादी के साथ ही उनके छोटे बेटे अभिनव सिंह का जनेऊ भी है। वो अपने छोटे बेटे को बीएमडब्लू कार गिफ्ट कर रहे हैं। 25 नवंबर को अनंत सिंह के पैतृक गांव लदमा में होने वाली इस शादी को भव्य बनाने के लिए बड़े स्तर पर इंतजाम किए जा रहे हैं। करीब 10 बीघा जमीन पर मंडप और पंडाल तैयार किए जा रहे हैं।

शादी में बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के करीब तीन दर्जन कलाकारों को बुलाया गया है। दुबई से 6 मॉडल भी पहुंचेंगी। मेहमानों के लिए 150 से ज्यादा तरह के पकवान और करीब 4 लाख लोगों के भोजन की व्यवस्था करने की तैयारी है।

दामाद को देंगे लैंड रोवर डिफेंडर, जानिए कितनी है कीमत

शादी में सबसे खास चर्चा अनंत सिंह की ओर से दामाद ऋषिकेश को दिए जाने वाले गिफ्ट की है। वह उन्हें लैंड रोवर डिफेंडर देने वाले हैं। डिफेंडर देश की महंगी और लग्जरी एसयूवी में गिनी जाती है। इसके टॉप वेरिएंट की कीमत करीब 3 करोड़ रुपए तक पहुंचती है। हालांकि, गाड़ी का सटीक वेरिएंट और उसकी अंतिम कीमत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

डिफेंडर अपनी दमदार ऑफ-रोड क्षमता, मजबूत बॉडी, प्रीमियम इंटीरियर और आधुनिक तकनीक के लिए जानी जाती है। इसमें एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑल-व्हील ड्राइव और कई लग्जरी सुविधाएं मिलती हैं। इस गिफ्ट के जरिए अनंत सिंह अपने दामाद को खास तोहफा देने जा रहे हैं।

जयपुर थीम पर 30 फीट ऊंचा जयमाला स्टेज, चीन से आएंगे फूल

शादी में सजावट भी खास अंदाज में की जा रही है। जयमाला के लिए करीब 30 फीट ऊंचा स्टेज बनाया जा रहा है। इसकी थीम जयपुर के पत्रकार चौराहे की तर्ज पर रखी गई है। स्टेज को भव्य रूप देने के लिए चीन और बेंगलुरु से फूल मंगाए जा रहे हैं।

सजावट की जिम्मेदारी विशेष इवेंट कंपनी को दी गई है। इसके अलावा देश के अलग-अलग हिस्सों से सजावटी सामान मंगाए जा रहे हैं।

करीब 10 बीघा जमीन पर विवाह समारोह के लिए पंडाल तैयार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मऊ से टेंट लगाने वाले कारीगर बुलाए गए हैं।

पवन सिंह, अक्षरा सिंह और आयशा खान समेत 36 कलाकारों को न्योता



शादी में बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों का जमावड़ा लगाने की तैयारी है। अनंत सिंह के मुताबिक, करीब तीन दर्जन कलाकारों को आमंत्रित किया गया है।

12 बीघा में घुड़दौड़ का मैदान, विजेता को मिलेगी थार

शादी में घुड़दौड़ भी बड़ा आकर्षण होगी। इसके लिए करीब 12 बीघा जमीन पर विशेष मैदान तैयार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और हरियाणा समेत कई राज्यों से घुड़सवारों के पहुंचने की तैयारी है।

घुड़दौड़ में पहले स्थान पर आने वाले को महिंद्रा थार, दूसरे स्थान पर आने वाले को मोटरसाइकिल और तीसरे स्थान पर आने वाले को स्कूटी देने की घोषणा की गई है। प्रतियोगिता 25 नवंबर को दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक प्रस्तावित है।

150 से ज्यादा पकवान

शादी में खाने-पीने का इंतजाम भी बड़े स्तर पर किया जा रहा है। अनंत सिंह ने 8 नवंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि करीब 4 लाख लोगों के भोजन की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए 150 से अधिक तरह के व्यंजन तैयार होंगे। लोगों की संख्या बढ़ने पर भी खाना बनवाने की व्यवस्था रहेगी।

मिठाइयों में काजू कतली और नालंदा का मशहूर सिलाव खाजा शामिल रहेगा। सिलाव खाजा अपनी 52 परतों वाली बनावट के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा मेन्यू में बिहार के पारंपरिक व्यंजनों के साथ दूसरे राज्यों के पकवान भी शामिल हैं।

पीएम मोदी से लेकर नीतीश और लालू तक को निमंत्रण

अनंत सिंह ने बेटी की शादी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव समेत पक्ष-विपक्ष के तमाम नेताओं को बुलाने की इच्छा जताई है। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार को वो निमंत्रण दे चुके हैं।

उन्होंने कहा है कि शादी में राजनीति का कोई भेदभाव नहीं होगा। हिंदुस्तान-पाकिस्तान समेत दुनिया के किसी भी हिस्से से आने वाले मेहमानों का स्वागत है।

अमेरिका में रहते हैं अनंत के दामाद

शिवांगी की शादी ऋषिकेश कुमार उर्फ अंकित से हो रही है। वह पटना के बिहटा स्थित कृष्णानगर निवासी कमांडेंट रणविजय कुमार के बेटे हैं। ऋषिकेश ने अमेरिका की जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से एमबीए किया है और करीब 11 वर्षों से अमेरिका में रह रहे हैं।

रोजगार

उत्तराखंड के अल्मोड़ा के युवक की पहल से बदल रही पहाड़ों की तस्वीर

पहाड़ का प्रेम खींच लाया, कंपनी खोलकर 400 युवाओं को दिया रोजगार

देहरादून। एजेंसी

बेहतर भविष्य की तलाश में पहाड़ से निकले महेंद्र बिष्ट कामयाबी हासिल करने के बाद अपनी जड़ों की ओर लौट आए। उन्होंने उत्तराखंड के तीन जिलों में पांच बैकएंड ऑफिस खोले हैं, जहां 400 से अधिक युवाओं को रोजगार मिल रहा है। खास बात यह है कि 12वीं पास युवा भी डेटा एंट्री और कॉल सेंटर जैसे कामों से जुड़कर अपने घर के पास नौकरी कर पा रहे हैं। अल्मोड़ा के बिष्ट पलायन रोकने की कवायद कर रहे हैं।

महेंद्र ने की मानें तो उन्होंने नोएडा में एक चैनल से करियर की शुरुआत की थी। बहुत संघर्ष किया। पहाड़ की याद आती रही। धीरे-धीरे अपने मित्र डी. विजयन के साथ मिलकर उन्होंने एडमास बैकेन्ड सर्विस नाम की कंपनी बनाई, जिसने अलग-अलग राज्यों में काम शुरू किया। आज उनकी कंपनी से देशभर में 1600 से अधिक युवा रोजगार पा रहे हैं।



पहाड़ लौटकर खोले 5 कार्यालय

महेंद्र बिष्ट ने बताया, पहाड़ के प्रति लगाव उन्हें वापस अल्मोड़ा ले आया। उन्होंने उत्तराखंड के अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और चंपावत जिलों में कंपनी के पांच कार्यालय खोले। इन कार्यालयों के जरिए स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। जिससे उन्हें नौकरी के लिए दूसरे शहरों में जाने की मजबूरी कम हो सकती है।

डिजिटल कनेक्टिविटी बनी बड़ी चुनौती

महेंद्र ने बताया कि पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों में तकनीकी रोजगार का विस्तार करते समय कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें डिजिटल कनेक्टिविटी, इंटरनेट की उपलब्धता और तीज लाइन जैसी आधारभूत सुविधाएं प्रमुख हैं। कई दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर इंटरनेट सुविधा नहीं होने से तकनीकी कार्यों का विस्तार प्रभावित होता है। कहा कि इसके बावजूद स्थानीय युवाओं को तकनीकी कार्यों से जोड़ने का प्रयास लगातार जारी है। यदि पर्वतीय क्षेत्रों में तीज लाइन जैसी सुविधाएं बेहतर तरीके से उपलब्ध हो जाएं, तो रोजगार से जुड़ी इस पहल को और आगे बढ़ाया जा सकता है।

डेटा एंट्री और कॉल सेंटर के काम से जुड़ रहे युवा

महेंद्र की कंपनी के पास अमेरिका की एक कंपनी का डेटा एंट्री से संबंधित काम है। इसके अलावा कई कंपनियों के कॉल सेंटर का काम भी किया जाता है। युवाओं की स्किल और क्षमता के हिसाब से उन्हें संबंधित जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं। इन कार्यों के लिए हर युवा को बड़े शहरों में जाकर नौकरी करने की जरूरत नहीं है। कंपनी के स्थानीय कार्यालयों के माध्यम से युवाओं को अपने क्षेत्र के नजदीक ही रोजगार मिल रहा है। इससे पर्वतीय क्षेत्रों में रोजगार के नए विकल्प विकसित करने और पलायन की समस्या को कम करने में मदद मिल सकती है।

स्थानीय स्तर पर रोजगार

यह पहल यह दिखाती है कि तकनीकी और बैकएंड सेवाओं से जुड़े कार्यों को पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंचाकर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार किए जा सकते हैं। घर के नजदीक नौकरी मिलने से युवाओं को अपने परिवार और क्षेत्र से जुड़े रहने का अवसर भी मिलता है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में रोजगार के सीमित अवसरों के कारण बड़ी संख्या में युवाओं को दूसरे शहरों की ओर जाना पड़ता है। स्थानीय स्तर पर कार्यालय स्थापित कर डेटा एंट्री व कॉल सेंटर जैसे कार्य उपलब्ध कराना रोजगार के वैकल्पिक मॉडल बन रहे हैं।


संजना श्री

स्नेह की ज्योत जली, खुशियों की वजह बनी... रोशनी सिर्फ घर तक नहीं रखी, सार्थक हुई पर्व की मिठास

मुस्कानों का नया उजाला... कपल्स ने यूं रोशन की किसी और की दिवाली



दिवाली केवल अपने घरों को जगमग करने का नाम नहीं, बल्कि किसी और की अंधेरी जिंदगी में उम्मीद का दीया जलाने का पर्व है। सामाजिक सरोकार से जुड़े अभियान 'सार्थक दिवाली' व सोशल इनिशिएटिव #GiftBeforeDiwali को शहरवासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इस मुहिम का मकसद सभी के चेहरों पर मुस्कान लाना है। शहर के तीन प्रतिष्ठित परिवारों ने इस अभियान को अपनाते हुए न सिर्फ अपनी दिवाली को सार्थक बनाया, बल्कि समाज के सामने संवेदना और परोपकार की मिसाल भी पेश की है।

डॉ. विभूति कश्यप व डॉ. निधि गडकर कश्यप
(कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल)

नेत्र ज्योति के साथ जीवन में भरी नई उम्मीद



कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के डॉ. विभूति कश्यप व डॉ. निधि गडकर कश्यप के लिए रोशनी का अर्थ दृष्टि व जीवन दोनों को संवारना है। दोनों ने दैनिक भास्कर की मुहिम से जुड़कर अस्पताल में आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों संग खुशियां साझा कीं। उन्होंने न केवल जरूरतमंदों को उपहार, कपड़े व खाद्य सामग्री भेंट की, बल्कि वंचित बुजुर्गों के मोतियाबिंद का निःशुल्क इलाज व ऑपरेशन का संकल्प भी लिया। कश्यप दंपती का कहना है कि किसी की आंखों में रोशनी लौटाना सबसे बड़ी दिवाली पूजा है।

डॉ. प्रशांत गौरव व डॉ. गरिमा कुमारी
(हिंदी विभाग, गोस्सनर कॉलेज)

कटहल मोड़ के गुटवा गांव में बांटी मिठास



गोस्सनर कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. प्रशांत गौरव व उनकी पत्नी डॉ. गरिमा कुमारी ने दिवाली का उल्लास उनके साथ मनाया, जहां पर्व की खुशियां अक्सर देर से पहुंचती हैं। वे कटहल मोड़ स्थित गुटवा गांव पहुंचे और वहां जरूरतमंद बच्चों व ग्रामीणों के बीच मिठाइयां, फल व दीए बांटे। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के लिए नोटबुक, स्टेशनरी व रंग-बिरंगी किताबें भी उपहार में दीं। डॉ. प्रशांत व डॉ. गरिमा का मानना है कि त्योहार की असली सार्थकता साझा करने में है। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान खिलती है, तो सुकून बड़ा होता है।

राहुल राजगढ़िया व अंकिता राजगढ़िया
(उद्यमी व सचिव अग्रसेन डीएवी स्कूल)

वंचित बस्तियों में फैलाया खुशियों का उजाला



व्यवसायी राहुल राजगढ़िया और उनकी पत्नी अंकिता राजगढ़िया ने पर्व से पूर्व ही छोटे कामगारों व आसपास की बस्तियों के दिहाड़ी मजदूरों के परिवारों के बीच राशन किट, नए कपड़े और मिठाइयां पहुंचाईं। इसके अलावा उन्होंने लोकल कुम्हारों से मिट्टी के दीये खरीदकर बस्तियों में वितरित किए, ताकि स्थानीय हुनर को भी संबल मिले। अंकिता और राहुल का कहना है कि समृद्धि वही है जो दूसरों के काम आए। जब किसी जरूरतमंद के घर का चूल्हा और दीया दोनों जलते हैं, तभी समाज में सच्ची दिवाली साकार होती है।

मैनेजमेंट फंडा



एन. रघुरामन
मैनेजमेंट गुरु, raghu@dbcorp.in

परिवार की विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सबसे अच्छा माध्यम हैं त्योहार

त्योहारों की यह अनोखी खूबी होती है कि वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपना सफर तय करते हैं। सजावट का रूप बदल सकता है, खान-पान पहले से अधिक सेहतमंद हो सकता है और उत्सव मनाने के तौर-तरीके में किफायत आ सकती है, लेकिन इन सबसे जुड़ी भावनाएं वैसी ही बनी रहती हैं। हर पीढ़ी अपने ढंग से अगली पीढ़ी को खास महसूस कराने का तरीका खोज लेती है। और अक्सर परिवार की महिलाएं ही यह सुनिश्चित करती हैं कि यादों और परम्पराओं की यह कड़ी कभी न टूटे। मैंने अपने ही परिवार में तीन पीढ़ियों के दौरान यह सिलसिला देखा है- मेरी दादी, मेरी मां और अब मेरी पत्नी।

मेरी दादी उस दौर की थीं, जब त्योहार घर की सामर्थ्य के अनुसार मनाए जाते थे। बचपन से ही मैंने परिवार की एक धरोहर देखी है- हंडा। यह पुराने जमाने का एक तांबे का बरतन है, जिसे दिवाली से एक शाम पहले ही खूब सारी राख और भीगी हुई इमली से रगड़कर मांजा जाता। इस पर कच्चे चावल के घोल से सफेद रंग में सूर्य और चंद्रमा के शुभ चिह्न बनाए जाते हैं। हंडे को फूलमाला भी पहनाई जाती है। हालांकि उसके निचले हिस्से पर आज भी जिद्दी कालिख जमी है, जो वर्षों तक लकड़ी जलाकर खाना पकाने से बनी है। पूरे परिवार के लोग उसी हंडे में नीम की पत्तियां डालकर उबाले गए गर्म पानी से स्नान करते हैं।

दीपावली की तैयारियां, उससे जुड़े अनुष्ठान और उत्सव का उल्लास- ये सब वे परंपराएं थीं, जो मेरी दादी को अपने बड़ों से विरासत में मिली थीं। उन्होंने इन्हें संस्कृति या परंपरा पर भाषण देकर नहीं, बल्कि त्योहार मनाने के अपने तरीके से अगली पीढ़ी तक पहुंचाया। बचपन में मन पर पड़ी वे शुरुआती छापें धीरे-धीरे हमारे पारिवारिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गईं।

मां ने इस विरासत को और आगे बढ़ाया। दीपावली उनके लिए अपने बच्चों को खास महसूस कराने का अवसर होती थी। त्योहार से चार दिन पहले ही वे रसोई की कमान सम्भाल लेतीं। तरह-तरह के पकवान और मिठाइयां न केवल बनातीं बल्कि उन्हें मुझसे छिपाकर भी रखतीं, ताकि सरप्राइज बना रहे। मेरी बहन तब बहुत छोटी थी, इसलिए घर में चल रही तमाम रहस्यमयी गतिविधियों की जासूसी करने की मुख्य जिम्मेदारी मेरे ही कंधों पर थी।

आज यह विरासत मेरी पत्नी के हाथों में आ गई है। हमारी बेटी न्यूयॉर्क में रहती है, लेकिन दूरी ने दीपावली-कनेक्शन को जरा भी कम नहीं किया है। मेरी पत्नी फिर रसोई में जुटी है और उसके लिए मिठाइयां बना रही है। हालांकि अब इन तैयारियों में एक नया आयाम जुड़ गया है। उसे पता है कि नई पीढ़ी मीठा कम खाती है, इसलिए वह स्वाद से समझौता किए बिना व्यंजनों की विधि में बदलाव करती है। वह सस्टेनेबिलिटी का भी ध्यान रखती है, इतनी ही मात्रा में मिठाइयां बनाती है कि वे व्यर्थ न जाएं और सबसे बढ़कर, इस बात की चिंता करती है कि लंबी यात्रा के दौरान मिठाइयां सुरक्षित कैसे रहेंगी।

मैं उसे हर चीज बड़े जतन से पैक करते देखता हूं। एक-एक डिब्बे को बारम्बार जांचा जाता है। वह डिब्बों के बीच सुरक्षा के लिए अतिरिक्त लेयर्स रखती है, ढक्कनों की मजबूती परखती है और सुनिश्चित करती है कि हवाई अड्डों से गुजरते हुए और सफर के दौरान बैग को इधर-उधर हैंडल किए जाने पर भी कुछ छलके या गिरे नहीं। जिस मिठाई को बनाने में कई घंटे लगे हों, उसकी पैकेजिंग भी ऐसी होनी चाहिए, जो कई हजार मील का सफर झेल सके!

इस समूचे दृश्य में कुछ बहुत मार्मिक है। मेरी दादी ने परम्पराएं आगे बढ़ाईं, मेरी मां ने अपने सरप्राइजेस के जरिए उन्हें अविस्मरणीय बना दिया और मेरी पत्नी एक ऐसी पीढ़ी के लिए उन्हें प्रासंगिक बनाए रखने के तरीके खोज रही है, जो बिल्कुल अलग दुनिया में बड़ी हो रही है। लेकिन एक रस्म कभी नहीं बदली- तेल-स्नान और शिकाकाई की खुशबू। आज हमारी बेटी भले ही हमसे दूर हो, लेकिन घर की वह जानी-पहचानी खुशबू, त्योहार की मिठास और हर डिब्बे को बड़े जतन से पैक करने के पीछे छिपा स्नेह उसके साथ यात्रा करेगा।

फंडा यह है कि त्योहार महज रस्में निभाने के अवसर नहीं होते, वे अगली पीढ़ी को यादगार अनुभव देने के मौके भी हैं। बच्चों को इन परम्पराओं का अनुभव कराते हुए हम उन्हें परिवार की कथाएं ही नहीं सुना रहे होते, अपनी संस्कृति भी सौंप रहे होते हैं। आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

आरयू की महिला हॉकी टीम चैंपियन



सिटी रिपोर्टर • रांची विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026-27 का खिताब जीता। आरयू की टीम ने उत्कल क्षेत्र की प्रतिष्ठित केआईएसएस यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रीणि कंडिर ने तीन गोल दागे।

नई किताब डॉ. सुनील सिंह व यशा सिंह की पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ झारखंड' का लोकार्पण

मुकम्मल झारखंड का इतिहास एक साथ समेटना बड़ा टास्क; इसलिए यह किताब बेहद खास : हरिवंश

रांची

झारखंड की माटी, यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय अस्मिता, जनांदोलन और राज्य गठन की ऐतिहासिक यात्रा अब एक मुकम्मल दस्तावेज के रूप में पाठकों के सामने है। शनिवार को रांची प्रेस क्लब में सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. सुनील कुमार सिंह और आयकर उपायुक्त (आईआरएस) यशा सिंह द्वारा लिखित बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ झारखंड' का गरिमामय लोकार्पण हुआ। क्राउन पब्लिकेशन्स, रांची द्वारा प्रकाशित 958 पृष्ठों की यह पुस्तक दो खंडों में विभक्त है।

पुस्तक की शुरुआत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संदेश से होती है, जबकि इसकी सारगर्भित प्रस्तावना मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने लिखी है। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति व वरिष्ठ पत्रकार हरिवंश, झारखंड राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अमरेंद्र प्रताप सिंह और वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया।

गठन के 26 साल बाद पहली बार समग्र इतिहास : हरिवंश



हरिवंश ने कहा कि 958 पेजों की यह किताब गहरे शोध व श्रमसाध्य साधना का प्रतिफल है। उन्होंने कहा, "झारखंड गठन के 26 साल बाद पहली बार प्रदेश पर कोई ऐसा कंप्रहेंसिव और कंपोजिट इतिहास सामने आया है, जिसे दो अलग-अलग खंडों में देखना सुखद है। मुकम्मल झारखंड का इतिहास एक साथ संजोना एक बहुत बड़ा टास्क था, जिसे लेखकों ने बखूबी निभाया है। ब्रिटिश प्रशासकों, यूरोपीय मिशनरियों व भाषाविदों—जैसे डाल्टन, रेवरेंड हॉफमैन, जॉर्ज ग्रियर्सन, विलियम हंटर व हर्बर्ट रिस्ले ने यहां के इतिहास पर अहम काम किया था। कुमार सुरेश सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा पर प्रामाणिक दस्तावेज तैयार किया। यह नई कृति उसी कड़ी को आगे बढ़ाती है।

झारखंड में बिखरे पन्नों को मिला मंच : अमरेंद्र प्रताप

झारखंड राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अमरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि लेखक डॉ. सुनील सिंह पाकुड़, रामगढ़ और रांची में प्रशासनिक पदों पर रहे हैं, इसलिए उनका अनुभव किताब में साफ झलकता है। पुस्तक में 2025 तक के अद्यतन संदर्भों रामगढ़ राज, छोटानागपुर और संथाल परगना के इतिहास को एक साथ पिरोया है।

नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक है यह कृति : मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने कहा कि औपनिवेशिक दौर में अंग्रेजों ने इतिहास को अपने चश्मे से देखा और लिखा, जिससे भारतीय व स्थानीय दृष्टिकोण उपेक्षित रहा। आज के दौर में जब सिविल सेवकों में लेखन की प्रवृत्ति कम हो रही है, तब सुनील सिंह व यशा द्वारा ऐसा दुर्लभ और संपूर्ण कार्य करना ऐतिहासिक है।

संत मेरीज स्कूल में दीपोत्सव पर बच्चों ने रामायण प्रस्तुत की



संत मेरीज एन स्कूल डोरंडा में दीपावली समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर दीपावली से जुड़ी पौराणिक कथा का मंचन किया गया। नाटक के माध्यम से बच्चों ने भगवान श्रीराम के वनवास जाने से लेकर अयोध्या वापस लौटने तक की हृदयस्पर्शी कथा प्रस्तुत की। जिससे सभी मंत्रमुग्ध हो गए। प्राचार्या रश्मि दीवान ने पर्यावरण हितैषी दीपावली मनाने की अपील की।

सेंट माइकल्स स्कूल में दीपावली पर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम



न्यू अशोक नगर स्थित सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल में दीपावली उत्साह के साथ मनाई गई। देवकमल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम भी हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. अनंत सिन्हा ने कहा कि पटाखों से जलने और दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ता है, इसलिए सावधानी, सुरक्षित दूरी और प्राथमिक उपचार की जानकारी जरूरी है। उन्होंने शिक्षाप्रद वीडियो दिखाकर पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित दीपावली का संदेश दिया। स्कूल निदेशक रमाकांत प्रसाद मौजूद रहे।

प्रयास जैक सोसाइटी में मनी दीपावली, रंगोली भी सजाई



कडरू स्थित एनजीओ प्रयास जैक सोसायटी ने शनिवार को दीपावली उत्सव मनाया। मौके पर छात्राओं ने आकर्षक रंगोली सजाई, गाने गाए और फिर अल्पाहार का आनंद लिया। मौके पर सेंटर मैनेजर चेतना कुमारी के साथ सरिता उरांव, रीना गोराई, पुष्पा देवी, मनोज कुशवाहा, कुलदीप महतो आदि शिक्षक-स्टाफ मौजूद थे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं का उत्साह देखते ही बनता था। सभी ने शुभ दीपावली कहा।

सच्चिदानंद ज्ञान भारती में दिवाली



सच्चिदानंद ज्ञान भारती मॉडल स्कूल में दीपावली पर कक्षा नवम व दसवीं के विद्यार्थियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। रंग-बिरंगे रंगों, आकर्षक डिजाइनों और कलात्मक आकृतियों के जरिए उन्होंने अपनी कल्पनाशीलता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। निदेशिका मोनिका श्रीवास्तव और प्राचार्या सुमिता सेन ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए दिवाली की सभी स्टूडेंट्स को बधाई दी।

सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी में ग्रीन दिवाली



सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में इको क्लब, आर्ट एंड कल्चर क्लब और हेरिटेज क्लब की गतिविधियों के साथ दिवाली उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम CBSE के ग्रीन दिवाली कैंपेन 2026 के अनुरूप 'पटाखों को ना, साफ हवा को हां' थीम पर केंद्रित रहा। शुरुआत ग्रीन दिवाली प्लेज से हुई। इसके बाद शिक्षकों ने पटाखों के नुकसान और इको-फ्रेंडली तरीके अपनाने की जरूरत पर बात रखी। विद्यार्थियों ने दीया सज्जा, कार्ड व तोरण बनाए।

सरला बिरला स्कूल में दीपावली



सरला बिरला पब्लिक स्कूल में दीपावली पर्व को सांस्कृतिक उत्साह व रचनात्मक गतिविधियों के साथ मनाया गया। सप्ताहभर चले आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय धरोहर से जोड़ना, उनकी सृजनात्मकता निखारना व सहयोग व सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों को मजबूत करना रहा। रंगोली और टेक रंगोली के साथ टेराकोटा पेंटिंग, पॉट पेंटिंग, लालटेन, लिप्पन कला और दीप निर्माण में बच्चों ने आकर्षक कृतियां भी बनाईं।।

दिवाली बाजार: उमड़ी खरीदारों की भीड़, गुजरात के हैंगिंग दीए व मिट्टी के दीयों की रही जबरदस्त मांग

कुल्हिया-चुकिया, चीनी के हाथी-घोड़े व खिलौनों से दमका शहर

रांची

दीपावली के उल्लास के बीच राजधानी रांची के बाजार पारंपरिक मिठास और मिट्टी की सौंधी खुशबू से गुलजार हैं। अपर बाजार, धड़पखना, रातू रोड, हरमू बाजार, पुरानी रांची और किशोरगंज के बाजारों में सुबह से ही रौनक देखते बन रही है। इस बार रोशनी के पर्व पर पारंपरिक मिट्टी के दीयों के साथ-साथ पूजा के पारंपरिक सामान- कुल्हिया-चुकिया, चीनी के हाथी-घोड़े, खिलौने, बताशे, रामदाना और धान-मकई के लावे की जोरदार बिक्री हुई। दिवाली से पहले अंतिम दिन होने के कारण हरमू व अपर बाजार के मिष्ठान्न व पूजन सामग्री काउंटरों पर खरीदारों का तांता लगा रहा।



गुजरात का पंचमुखी हैंगिंग दीया बना पहली पसंद



• हरमू स्थित 'अभिषेक क्ले मार्ट' के अभिषेक शर्मा ने बताया कि इस बार खरीदारों की पसंद को देखते हुए कोलकाता, गुजरात व यूपी से खास डिजाइनर दीए मंगवाए गए हैं। इनमें गुजरात का खास 5-दीयों वाला हैंगिंग दीया लोगों को खूब भा रहा है।

• पुरानी रांची में 'छोटानागपुर टेराकोटा' के जगदीश प्रजापति ने बताया कि सिलिगुड़ी, यूपी और कोलकाता से लाए गए कछुआ दीया (₹50), कमल दीया (₹80), रंगोली दीया (₹60 दर्जन) और हैंगिंग दीए (₹100-₹150) खूब पसंद किए जा रहे हैं।



मोम के दीयों का भी रहा क्रेज



डिजाइनर दीयों के बीच स्थानीय कुम्हारों के पारंपरिक दीयों की सादगी भी बरकरार रही। कुम्हार जोगेंद्र प्रसाद ने बताया कि लोकल सादा दीया ₹150 प्रति सैकड़ा और छोटा दीया ₹120 सैकड़ा बिका। पूजा के लिए बड़ा दीया ₹5 से ₹7 प्रति पीस बिका। इसके अलावा आधुनिक सुविधा के लिहाज से मोम भरे दीए ₹25 से ₹50 पीस और करंज का तेल ₹180 प्रति लीटर बिका।

बाजार का भाव...



चीनी के खिलौने, हाथी-घोड़े व बताशे: ₹240 प्रति किलो

रामदाना, मुरही व मकई का लावा: ₹200 से ₹240 प्रति किलो

सादा मिट्टी का दीया: ₹120 से ₹150 प्रति सैकड़ा

डिजाइनर/वाली दीया: ₹50 से ₹200 प्रति पीस



न्यूज ब्रीफ

सोना-चांदी में नवंबर के पहले हफ्ते में मामूली तेजी



नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में नवंबर के पहले हफ्ते में मामूली तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 1,398 रुपए बढ़कर 1.41 लाख रुपए पर पहुंच गए हैं। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत भी इस हफ्ते सिर्फ 1,524 रुपए बढ़कर 1.83 लाख रुपए पर पहुंच गई है। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 30 अक्टूबर को सोना 1.40 लाख रुपए और चांदी 1.81 लाख रुपए पर थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 2 लाख रुपए सस्ती हो गई है। वहीं, 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

हर साल 1.22 लाख करोड़ का खाना बर्बाद हो रहा



नई दिल्ली। भारत में हर साल लगभग 1.22 लाख करोड़ रुपए का खाना लोगों की थाली तक पहुंचने से पहले खराब हो जाता है। क्लाइमेट ट्रेंड्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके 2 कारण हैं- एक फल-सब्जियों को सुरक्षित रखने के लिए कोल्ड-स्टोरेज की कमी और दूसरा मौसम का बदलाव व बढ़ती गर्मी। देश के कुल ताजे उत्पादन में से सिर्फ 4% सामान को ही कोल्ड-स्टोरेज में रखने की सुविधा मिल पाती है। खाना बर्बाद होने से बाजार में चीजें कम पड़ती हैं।

इन कंपनियों ने सैंपलिंग प्रक्रिया पर उठाए सवाल

तेल कंपनियों ने पेट्रोल में '31 फीसदी इथेनॉल' होने के कर्नाटक सरकार के दावे को खारिज किया



एजेन्सी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने कर्नाटक सरकार के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि राज्य के कुछ खुदरा केंद्रों पर बेचे जाने वाले पेट्रोल में 31 फीसदी तक इथेनॉल था। तेल कंपनियों का कहना है कि यह नतीजे निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत की गई जांच पर आधारित नहीं हैं।

तेल विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने जारी एक संयुक्त बयान में कर्नाटक सरकार के दावे को खारिज कर दिया है। कंपनियों ने कहा कि उन्होंने राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और विधिक माप विज्ञान विभाग की ओर से जारी की गई एक विज्ञप्ति पर ध्यान दिया है।

कंपनियों ने कहा कि कर्नाटक सहित देशभर में उनके द्वारा सप्लाई किया जाने वाला ई-20 पेट्रोल, इथेनॉल-मिश्रित मोटर गैसोलीन के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के आईएस17021 मानक के अनुरूप है। इसकी गुणवत्ता की नियमित रूप से कड़ी जांच की जाती है।

तेल कंपनियों का यह स्पष्टीकरण कर्नाटक के खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं कानूनी माप विज्ञान विभाग के उस दावे के बाद आया है, जिसमें यह कहा गया था कि पेट्रोल पंपों से लिए गए नमूनों में ईथेनॉल की मात्रा निर्धारित 20 प्रतिशत मिश्रण सीमा से काफी अधिक पाई गई। राज्य सरकार ने यह भी आशंका जताई थी कि इससे उपभोक्ताओं को कम माइलेज और वाहनों के रखरखाव पर अधिक खर्च के रूप में आर्थिक नुकसान हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक सरकार ने जारी एक विज्ञप्ति में यह दावा किया था कि कुछ रिटेल आउटलेट्स पर मिलने वाले पेट्रोल में 26 फीसदी से 31 फीसदी तक इथेनॉल मौजूद है। राज्य सरकार ने यह आरोप लगाया है कि तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा निर्धारित 20 फीसदी की सीमा से अधिक मिला रही हैं, जांच में यह मात्रा 31.2 फीसदी तक पाई गई है। राज्य सरकार ने इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

व्यापारियों की आर्थिक गतिविधियों को नई गति दी

दीपावली पर देशभर में अब तक 6 लाख करोड़ से अधिक का कारोबार : कैट

एजेन्सी, नई दिल्ली

दीपावली से पहले धनतेरस पर देशभर के बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। सोने-चांदी के आभूषणों से लेकर मोबाइल, टीवी, कपड़े, मिठाइयां और सजावट के सामान की खूब बिक्री हुई। इस बार दिल्ली में कारोबार एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया। देशभर में दीपावली से जुड़ा कारोबार 6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है।

कारोबारियों के संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शनिवार को एक बयान में अनुमान जताया कि दीपावली पर खरीदारी का यह आंकड़ा बढ़कर 7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। कैट ने दिल्ली के व्यापारियों की ओर से दिल्लीवासियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने इस बार दीपावली की खरीदारी में जिस उत्साह,



विश्वास और बड़ी संख्या में बाजारों में पहुंचकर भागीदारी की है। वह दिल्ली के व्यापारिक समुदाय के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्लीवासियों ने बाजारों में उमड़कर न केवल व्यापारियों की आर्थिक गतिविधियों को नई गति दी है, बल्कि राहुल गांधी की एक नवंबर की रैली तथा पिछले एक महीने से दिल्ली में चल रहे धरनों, प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण व्यापार को हुए भारी नुकसान के बीच एक सकारात्मक और प्रभावशाली संदेश भी दिया है।

खंडेलवाल ने कहा कि धन्यवाद दिल्ली केवल एक नारा नहीं, बल्कि दिल्ली के करोड़ों व्यापारियों, दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों, दिहाड़ी मजदूरों और छोटे उद्यमियों की ओर से दिल्ली की जनता के प्रति कृतज्ञता की सच्ची अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों ने बाजारों में पहुंचकर यह साबित कर दिया है कि वे त्योहारों की खुशियों, आर्थिक गतिविधियों और व्यापारिक जीवन को किसी भी राजनीतिक व्यवधान के कारण रुकने नहीं देना चाहते। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और अन्य आंदोलनकारियों को दिल्ली की जनता ने अपने व्यवहार और बाजारों में की गई जबरदस्त खरीदारी से करारा जवाब दिया है।

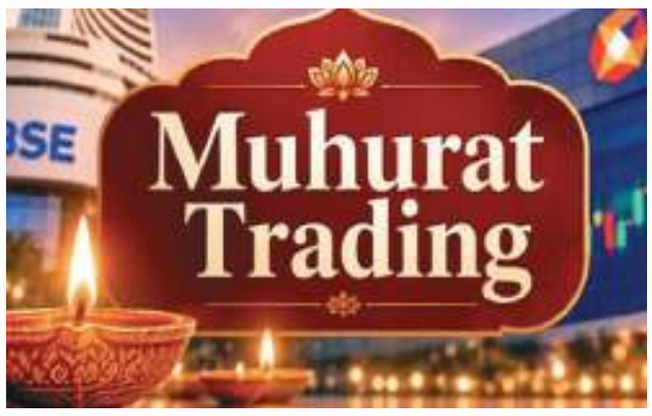

रविवार होने के बावजूद आज शेयर बाजार में 2:20 से लेकर 3:30 बजे तक होगी मुहूर्त ट्रेडिंग

एजेन्सी, नई दिल्ली

दिवाली के अवसर पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इस साल दोपहर बाद 2:20 बजे से लेकर 3:30 बजे तक मुहूर्त ट्रेडिंग होगी। हर साल दिवाली के दिन पारंपरिक तौर पर होने वाले इस एक घंटे के विशेष ट्रेडिंग सेशन का समय कुछ दिन पहले ही एनएसई और बीएसई द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित किया गया था।

इस बार दिवाली कल रविवार के दिन पड़ रही है। रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण शेयर बाजार में नियमित कामकाज बंद रहता है लेकिन दिवाली के अवसर पर नए वित्तीय निवेश की शुरूआत करने और लक्ष्मी नववर्ष का स्वागत करने के लिए हर साल की तरह इस साल भी मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए बाजार विशेष रूप से खोले जाएंगे। भारतीय संस्कृति और व्यापार जगत में मुहूर्त ट्रेडिंग के इस एक घंटे के सत्र को बेहद पवित्र और समृद्धि लाने वाला माना जाता है, जहां ट्रेडर्स और आम निवेशक नए सौदों की शुरूआत के साथ ही मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विशेष पूजा-अर्चना भी करते हैं।

एनवीडिया सीईओ का चीनी महिला से अफेयर

पत्नी-बच्चों से माफी मांगी, अमेरिका को शक- चीन के लिए जासूसी कर रही थी

वॉशिंगटन

दुनिया की सबसे बड़ी चिप कंपनी एनवीडिया के जेन्सन हुआंग ने एक चीनी महिला कारोबारी एलिस हुआंग से अफेयर की बात मान ली है। इस रिश्ते का खुलासा 29 अक्टूबर को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में हुआ था। रिपोर्ट में बताया गया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को शक है कि यह महिला चीन के लिए जासूसी कर रही थी। आरोप है कि उसने हुआंग से नजदीकी बढ़ाकर कंपनी और उसके कारोबार से जुड़ी अहम जानकारियां हासिल करने की कोशिश की।

इसके बाद रविवार को हुआंग ने कंपनी के कर्मचारियों को भेजे मैसेज में पत्नी से बेवफाई करने की बात मानी। उन्होंने पत्नी और बच्चों से माफी भी मांगी।

एनवीडिया के ष्टश्वह्र जेन्सन हुआंग के साथ खड़ी महिला एलिस हुआंग बताई जा रही है।

ताइवान में साथ दिखे थे हुआंग और एलिस

रिपोर्ट के मुताबिक, जेन्सन हुआंग और एलिस हुआंग पहली बार जून 2024 में ताइवान की राजधानी ताइपे में एक पार्टी के दौरान साथ दिखे थे। यह पार्टी टेक्नोलॉजी से जुड़े लोगों के लिए रखी गई थी। एलिस वहां सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की अधिकारी के तौर पर शामिल हुई थीं।

करीब एक साल बाद दोनों को ताइपे के एक रेस्टोरेंट में दूसरे कारोबारियों के साथ डिनर करते देखा गया।

एक साल से एलिस पर नजर रख रही थीं अमेरिकी एजेंसियां

एलिस चीन की नागरिक हैं। उन्हें हुआंग ले के नाम से भी जाना जाता है। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि वह चीन की खुफिया एजेंसी मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी के लिए काम कर रही थीं।

अमेरिकी खुफिया एजेंसियां एक साल से ज्यादा समय से उनकी निगरानी कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें एलिस की एक अमेरिकी नागरिक से नजदीकी का पता चला। बाद में अधिकारियों ने उस व्यक्ति की पहचान उजागर की। वह एनवीडिया के ष्टश्वह्र जेन्सन हुआंग थे।

अमेरिकी अधिकारियों को शक था कि चीन की खुफिया एजेंसी ने एलिस को जेन्सन के करीब पहुंचने के लिए तैयार किया था। मकसद उनके जरिए एनवीडिया की आधुनिक ढ्ढ चिप्स और कंपनी के कारोबार से जुड़ी जानकारी जुटाना था।

एजेंसियों को यह भी शक था कि एलिस जेन्सन के जरिए अमेरिकी सरकार पर चीन को ज्यादा ताकतवर चिप्स बेचने की अनुमति देने का दबाव बनवा सकती थीं।

क्या यह हनीट्रैप था जांच एजेंसियों को जासूसी का शक

जासूसी की दुनिया में किसी व्यक्ति से निजी रिश्ता बनाकर उससे गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश को आमतौर पर हनीट्रैप कहा जाता है। अमेरिकी एजेंसियों को शक है कि एलिस को भी इसी मकसद से जेन्सन के करीब भेजा गया था।

हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि एलिस ने जेन्सन से कोई गोपनीय जानकारी हासिल की या उनके फोन और कंप्यूटर में जासूसी करने वाला सॉफ्टवेयर डाला गया। यह भी साफ नहीं है कि जेन्सन को एलिस के कथित जासूसी संबंधों की जानकारी थी या नहीं।

यही वजह है कि जांच में यह पता लगाना अहम होगा कि दोनों के बीच किस तरह की जानकारी साझा हुई थी और क्या कंपनी के किसी गोपनीय डेटा तक बाहरी व्यक्ति की पहुंच बनी थी।

रुबियो ने एक साल पहले अलर्ट किया था

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की देखरेख में पिछले साल एक गोपनीय रिपोर्ट तैयार की गई थी। इसमें ट्रम्प प्रशासन के बड़े अधिकारियों को बताया गया था कि एनवीडिया ष्टश्वह्र जेन्सन हुआंग का एक ऐसी चीनी महिला से करीबी रिश्ता है, जिसे अमेरिकी एजेंसियां चीन की जासूस मानती हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, यह रिपोर्ट अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की निगरानी से मिली जानकारी पर आधारित थी। मई में ट्रम्प की चीन यात्रा से पहले प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई थी।



एलिस हुआंग (हुआंग ले) ने अपने वीचैट अकाउंट पर ये तस्वीरें साझा की थीं। ऐसा लगता है कि वह जेन्सन हुआंग के साथ अपने करीबी रिश्ते को दिखाना चाहती थीं और लोगों को बताना चाहती थीं कि दोनों के बीच खास संबंध हैं।

एलिस हुआंग (हुआंग ले) ने अपने वीचैट अकाउंट पर ये तस्वीरें साझा की थीं। ऐसा लगता है कि वह जेन्सन हुआंग के साथ अपने करीबी रिश्ते को दिखाना चाहती थीं और लोगों को बताना चाहती थीं कि दोनों के बीच खास संबंध हैं। सोर्स-ञ्च1द्व1द्वद्यद्वठ्ठह्य1/ङ्ग

एलिस पहले चीन में रिपोर्टर थीं, अब सिंगापुर की कंपनी में अधिकारी

एलिस की ऑनलाइन प्रोफाइल के मुताबिक, उन्होंने चीन में टीवी रिपोर्टर के तौर पर काम किया था। उनकी प्रोफाइल में ।स्क्रष्ट, ष्टष्टञ्जङ्क और हुनान टीवी जैसे संस्थानों का भी जिक्र था। हालांकि, इन जानकारियों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बाद में वह शंघाई के एक निवेश फंड से जुड़ीं। इस फंड के संबंध चीन की कई तकनीकी कंपनियों और निवेशकों से बताए जाते हैं।

इसके बाद एलिस सिंगापुर की डेटा सेंटर कंपनी मेगास्पीड इंटरनेशनल में वरिष्ठ अधिकारी बन गईं। यह कंपनी दक्षिण-पूर्व एशिया में डेटा सेंटर चलाती है और दूसरी कंपनियों को कंप्यूटर की क्षमता किराए पर देती है। इसी क्षमता का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में डेटा प्रोसेस करने और ढ्ढ सिस्टम चलाने में होता है।

मेगास्पीड पर प्रतिबंधित चिप चीन पहुंचाने का शक

अमेरिकी जांच एजेंसियों की नजर मेगास्पीड पर भी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी की मलेशियाई सहयोगी ने जून 2024 से फरवरी 2026 के बीच कम से कम 4.8 अरब डॉलर यानी करीब 45 हजार करोड़ रुपए के ढ्ढ उपकरण खरीदे थे। इनमें एनवीडिया की चिप्स भी शामिल थीं। अमेरिका ने अपनी सबसे आधुनिक ढ्ढ चिप्स चीन को सीधे बेचने पर रोक लगा रखी है। उसे डर है कि चीन इन चिप्स का इस्तेमाल अपनी सेना और तकनीक को मजबूत करने में कर सकता है।

अमेरिकी अधिकारियों को शक था कि मेगास्पीड इस रोक से बचने में मदद कर रही थी। कंपनी दक्षिण-पूर्व एशिया में डेटा सेंटर चलाती थी और उनकी कंप्यूटिंग क्षमता चीन की बड़ी इंटरनेट कंपनी अलीबाबा को किराए पर देती थी।

इससे चीन की कंपनियों को उन चिप्स की ताकत इस्तेमाल करने का मौका मिल सकता था, जिन्हें अमेरिका ने सीधे चीन भेजने पर रोक लगा रखी है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग इस मामले की जांच कर रहा था।

हालांकि, मेगास्पीड ने दिसंबर 2025 में प्रतिबंधित चिप्स चीन भेजने के आरोपों को खारिज कर दिया था। कंपनी ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट को गलत बताया था। एनवीडिया ने भी कहा था कि उसकी जांच में किसी तरह की गड़बड़ी का सबूत नहीं मिला।

1. क्या जेन्सन ने बोर्ड से रिश्ता छिपाया?

एलिस की कंपनी मेगास्पीड एनवीडिया की बड़ी ग्राहक थी। ऐसे में जेन्सन और एलिस के रिश्ते से कंपनी के कारोबारी फैसलों पर असर पड़ने का सवाल उठ रहा है। जांच में देखा जाएगा कि क्या जेन्सन ने बोर्ड को इस रिश्ते की जानकारी दी थी और क्या इससे मेगास्पीड के साथ सौदों पर कोई असर पड़ा।

2. क्या कंपनी की गोपनीय जानकारी बाहर गई?

जांच में यह भी देखा जाएगा कि क्या एलिस को एनवीडिया की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसके लिए दोनों के बीच हुई बातचीत, ईमेल और दस्तावेजों की जांच की जा सकती है। हालांकि, कंपनी ने अभी जेन्सन के निजी फोन या लैपटॉप की जांच की पुष्टि नहीं की है।

3. बोर्ड की जांच में सामने आएगी सच्चाई

एनवीडिया के बोर्ड ने स्वतंत्र जांच शुरू की है। इसमें बाहरी वकीलों की मदद ली जाएगी। कंपनी का कहना है कि फिलहाल गोपनीय जानकारी लीक होने का कोई सबूत नहीं मिला है। जेन्सन ने जांच में पूरा सहयोग करने की बात कही है। जांच के दौरान भी वे ष्टश्वह्र बने रहेंगे।

अमेरिकी सांसदों ने जवाब मांगा, चीन ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की तीन प्रभावशाली समितियों के रिपब्लिकन नेताओं ने जेन्सन को इसी महीने बंद कमरे में होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए कहा है। उनसे एलिस के साथ अपने संबंधों और पूरे मामले पर जवाब मांगा गया है।

अमेरिकी सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने भी जेन्सन और एनवीडिया के बोर्ड से कांग्रेस के सामने जवाब देने को कहा है। वहीं, रिपब्लिकन सांसद माइकल मैककॉल ने मांग की है कि जांच पूरी होने तक चीन को आधुनिक ढ्ढ चिप्स भेजने पर रोक लगा दी जाए।

दूसरी तरफ, चीन ने जासूसी के आरोपों को खारिज किया है। चीनी अधिकारियों ने इन्हें बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह चीन को बदनाम करने की कोशिश है।

अब जानिए इस पूरे मामले का असर कहां-कहां पड़ सकता है?

1. अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ सकता है

अमेरिका को शक है कि चीन ने एनवीडिया के ष्टश्वह्र तक पहुंच बनाकर उसकी तकनीक की जानकारी हासिल करने की कोशिश की। इससे दोनों देशों के बीच पहले से चल रहा तकनीक का विवाद बढ़ सकता है। अमेरिका चिप्स की बिक्री पर और सख्त पाबंदियां लगा सकता है।

2. एआई कंपनियों के लिए चिप्स खरीदना मुश्किल हो सकता है

एनवीडिया की चिप्स से ही दुनिया की कई बड़ी कंपनियां ढ्ढ तैयार करती हैं। अगर अमेरिका चिप्स की बिक्री और उनके इस्तेमाल पर नए नियम लगाता है, तो एनवीडिया के ग्राहकों को परेशानी हो सकती है। उन्हें चिप्स खरीदने और डेटा सेंटर चलाने के लिए ज्यादा नियमों का पालन करना पड़ सकता है।

3. एनवीडिया के शेयर और कारोबार पर असर

जेन्सन हुआंग एनवीडिया का सबसे बड़ा चेहरा हैं। उनके खिलाफ जांच से निवेशकों की चिंता बढ़ी है। सोमवार को अमेरिकी बाजार खुलने से पहले कंपनी के शेयर करीब 5त्न गिर गए। हालांकि, ढ्ढ कंपनियों के बढ़ते खर्च को लेकर पहले से बनी चिंता भी इसकी एक वजह हो सकती है।

अगर जांच में कंपनी की जानकारी लीक होने या नियम तोड़ने की बात सामने आती है, तो एनवीडिया के कारोबार और निवेशकों के भरोसे को नुकसान पहुंच सकता है। फिलहाल कंपनी ने कहा है कि गोपनीय जानकारी लीक होने का कोई सबूत नहीं मिला है।

4. कंपनी के नेतृत्व पर उठ सकते हैं सवाल

एनवीडिया की पहचान काफी हद तक जेन्सन हुआंग से जुड़ी है। उन्होंने कंपनी की शुरुआत की थी और उसे दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल करने में अहम भूमिका निभाई है।

ऐसे में अगर जांच के कारण उनके पद पर बने रहने को लेकर सवाल उठते हैं, तो निवेशकों की चिंता बढ़ सकती है। कंपनी को यह भरोसा दिलाना होगा कि जेन्सन के बिना भी उसका कामकाज और भविष्य की योजनाएं प्रभावित नहीं होंगी।

जेन्सन ने 1993 में शुरू की थी एनवीडिया

63 साल के जेन्सन हुआंग ने 1993 में एनवीडिया की शुरुआत की थी। कंपनी ने शुरुआत में कंप्यूटर के लिए ग्राफिक्स चिप बनाने का काम किया। बाद में ढ्ढ की बढ़ती मांग के साथ उसका कारोबार तेजी से बढ़ा और वह दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गई। हुआंग का परिवार भी कंपनी से जुड़ा है। उनके बेटे स्पेंसर कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजमेंट डायरेक्टर हैं और रोबोटिक्स से जुड़े काम संभालते हैं। बेटी मैडिसन सीनियर डायरेक्टर हैं। वे रोबोटिक्स के साथ कंपनी की मार्केटिंग और प्रचार का काम देखती हैं।

संगीत की राह में बाधा न बने गरीबी... सुरेखा ने बना दी वाद्ययंत्रों की लाइब्रेरी



भोपाल की सुरेखा कामले के लिए संगीत सिर्फ अपनी कला को निखारने का माध्यम नहीं, बल्कि दूसरों की प्रतिभा को पहचानने और उसे आगे बढ़ाने का जरिया भी है। ध्रुपद गायिका सुरेखा ने अपनी संगीत साधना के साथ एक ऐसी पहल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य है कि आर्थिक परिस्थितियां किसी बच्चे के कला सीखने के रास्ते में बाधा न बनें। इसी सोच से उन्होंने अपने मित्र संजीव श्री के साथ मिलकर 'बैठक द आर्ट हाउस' की शुरुआत की।

सुरेखा ने महसूस किया कि शहर में ऐसे कई बच्चे हैं, जिनमें संगीत और दूसरी कलाओं को सीखने की गहरी इच्छा है, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण वे अपनी प्रतिभा को आगे नहीं बढ़ा पाते। कई बार महंगे वाद्य यंत्र खरीदना या नियमित रियाज के लिए जगह तलाशना उनके परिवारों के लिए संभव नहीं होता। ऐसे बच्चों को एक ऐसा स्पेस देने की जरूरत थी, जहां वे बिना किसी झिझक और आर्थिक दबाव के अपनी कला को समय दे सकें। बैठक द आर्ट हाउस इसी विचार का परिणाम है।

20 तरह के वाद्ययंत्रों की लाइब्रेरी

इस पहल की एक खास उपलब्धि यहां तैयार की गई म्यूजिकल लाइब्रेरी है। इसे देश की पहली म्यूजिकल लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया गया है। इसमें सितार, संतूर, सुरबहार, तबला, हारमोनियम, यूकुलेले सहित करीब 20 तरह के वाद्य यंत्र उपलब्ध हैं। खास बात यह है कि जो बच्चे संगीत की तालीम ले रहे हैं, लेकिन महंगे इंस्ट्रूमेंट खरीदने में सक्षम नहीं हैं, वे यहां आकर इनका निशुल्क इस्तेमाल कर सकते हैं और रियाज कर सकते हैं।

प्रतिभा को मिले संसाधन

सुरेखा की इस पहल के पीछे एक सरल सोच है कि कला किसी की आर्थिक हैसियत की मोहताज नहीं होनी चाहिए। किसी बच्चे में संगीत सीखने का जुनून है तो उसे सिर्फ इसलिए पीछे नहीं रहना चाहिए कि उसके पास अपना वाद्य यंत्र या अभ्यास करने की जगह नहीं है। बैठक द आर्ट हाउस के जरिए वे बच्चों को सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा को पहचानने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर दे रही हैं।

'The Kaun Active' का मकसद नए लोगों को जोड़ना और दोस्ती बढ़ाना; 3 शहरों में किए 35 इवेंट

50 लोगों से शुरू हुई कम्युनिटी, 8 महीने में जुड़े 6 हजार

नए शहर में नए दोस्त बनाने हों, या फिर वीकेंड पर पॉटरी, म्यूजिक और एडवेंचर जैसी गतिविधियों का हिस्सा बनना हो... अब ऐसे अनुभवों के लिए लोगों को किसी खास ग्रुप या पुराने सर्कल का इंतजार नहीं करना पड़ रहा। शहर में तेजी से कम्युनिटी कल्चर बढ़ रहा है। यहां लोग अपनी रुचियों के साथ-साथ नए कनेक्शन बनाने के लिए भी एक मंच से जुड़ रहे हैं। इसी सोच के साथ सागर शर्मा ने आठ महीने पहले 'कौन एक्टिव' कम्युनिटी की शुरुआत की थी। महज 50 लोगों से शुरू हुआ यह नेटवर्क अब करीब 6 हजार लोगों तक पहुंच चुका है। भोपाल, इंदौर और जबलपुर में कम्युनिटी अब तक 35 इवेंट आयोजित कर चुकी है।



नए लोगों से मिलने के बहाने, हर बार नया अनुभव

सागर बताते हैं कि 'कौन एक्टिव' का उद्देश्य सिर्फ इवेंट आयोजित करना नहीं है। इसका उद्देश्य अलग-अलग पृष्ठभूमि और प्रोफेशन से जुड़े लोगों को एक-दूसरे से मिलने का मौका देना है। यह दोस्ती बढ़ाने का मंच भी है। इसमें एंटरप्रेन्योर्स, क्रिएटिव प्रोफेशनल्स और युवाओं की भागीदारी रहती है। करीब 10 सदस्यों की कोर टीम है। लगभग 100 लोग एक्टिव नेटवर्क में जुड़े हैं। इन्हीं के साथ कम्युनिटी के आयोजन संचालित होते हैं। टीम के सदस्य अपने काम और निजी जिंदगी से समय निकालकर सप्ताह में दो दिन इस पहल के लिए समर्पित करते हैं।

जैमिंग से लॉन्ग टेबल डिनर तक... बन रहे नए कनेक्शन

कम्युनिटी में हर बार नई थीम पर गतिविधियां आयोजित होती हैं। इनमें कम्युनिटी गेम्स, एंटरप्रेन्योर वर्कशॉप, पॉटरी, म्यूजिक, जामिंग सेशन, जुम्बा, योग, बैंड नाइट, एडवेंचर वॉक और फ्ली मार्केट शामिल हैं। 'द ग्रेट इंडियन जैमिंग कार्निवल', 'लॉन्ग टेबल डिनर फॉर स्ट्रेंजर्स' और 'द ग्रीन फॉरेस्ट' जैसे इवेंट्स अनजान लोगों को आपस में जोड़ते हैं। दिवाली पर भी थीम आधारित जैमिंग सेशन होते हैं। सागर शर्मा बताते हैं कि 'लोकल फॉर लोकल' की सोच के तहत स्थानीय कलाकारों और महिला उद्यमियों को मंच दिया जाता है।

MY BOOK GURU RNTU की प्रो चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स की पंसदीदा किताबें

छोटी आदतों से बड़े बदलाव, तकनीक का भविष्य और द्रौपदी की नजर से महाभारत समझाती हैं ये किताबें



किताबें सिर्फ जानकारी नहीं देतीं। ये हमारे सोचने, समझने, और दुनिया को देखने का नजरिया भी बदलती हैं। कुछ किताबें हमें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में बेहतर बनने की प्रेरणा देती हैं। कुछ इंसानी सभ्यता के विकास और भविष्य की संभावनाओं से रूबरू कराती हैं। कुछ रचनाएं इतिहास को नए नजरिए से देखने का मौका देती हैं। इस बार मास्क गुरु में रबींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने तीन किताबें सुझाई हैं। ये किताबें जीवन, तकनीक, और स्त्री दृष्टि के अलग-अलग पहलुओं से जोड़ती हैं।

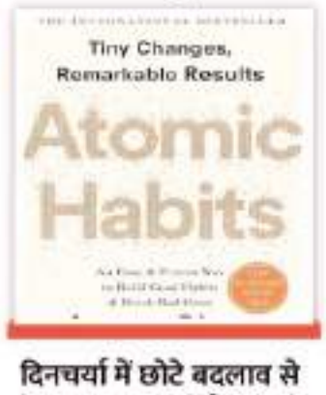

दिनचर्या में छोटे बदलाव से बेहतर बन सकती है जिंदगी

जेम्स क्लियर की यह किताब बताती है कि जीवन में बड़े बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े प्रयासों की जरूरत नहीं होती। हमारी छोटी-छोटी आदतें ही समय के साथ बड़े परिणाम देती हैं। यह किताब सकारात्मक सोच विकसित करने, दिनचर्या को बेहतर बनाने और धीरे-धीरे अच्छी आदतों को जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा देती है।

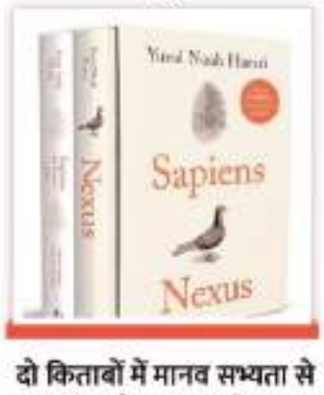

दो किताबों में मानव सभ्यता से तकनीक के भविष्य की यात्रा

युवाल नोआ हरारी की दो किताबें सेपियंस और नेक्सस मानव सभ्यता से तकनीक के भविष्य तक की यात्रा समझाती हैं। सेपियंस मानव विकास और सभ्यता के इतिहास को लाती है, जबकि नेक्सस इंसानी, सूचनाओं और तकनीक के रिश्तों की पड़ताल करती है। किताबें बताती हैं कि तकनीक ने दुनिया कैसे बदली व भविष्य में क्या प्रभाव होगा।

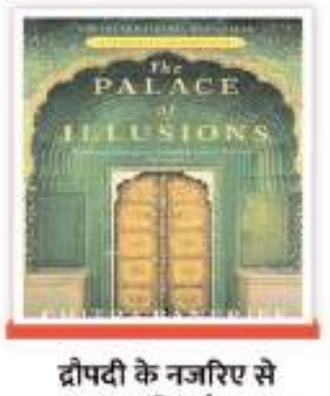

द्रौपदी के नजरिए से महाभारत की नई व्याख्या

चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी की द पैलेस ऑफ इल्यूजन्स महाभारत की कहानी को द्रौपदी के नजरिए से प्रस्तुत करती है। यह किताब उस स्त्री की दृष्टि से महाभारत को समझने का अवसर देती है, जिसकी भूमिका इस महाकाव्य में बेहद महत्वपूर्ण रही है। डॉ. वत्स कहती हैं, 'बतौर महिला, यह किताब मुझे बहुत कनेक्ट करती है।'

CRACKING INTERVIEW

टाइम जितना मेरा कीमती है उतना दूसरे का भी...

भोपाल की अनुष्का त्रिपाठी मिस टीन मप्र ग्लैम-2026 चुनी गईं। हाल ही एनसीएफआई की ओर से एक ब्रैंड फैशन इवेंट में मिस, मिस्टर और लिटिल स्टार मिस इंडिया का कॉन्टेस्ट हुआ। एक्सलेंस कॉलेज में बैचलर इन फिजिकल एजुकेशन कर रहीं अनुष्का को मिला मिस टीन का खिताब सिर्फ उनकी वॉक या ड्रेसिंग सेंस को लेकर नहीं था, बल्कि इंटरव्यू राउंड में उनकी जिस तरह से पर्सनालिटी सामने आई, जिससे जजेज के सामने वे बेस्ट कैंडिडेट साबित हो सकीं। इस दौरान अनुष्का से टीएक सवाल पूछा गया, जिसके जवाब ने उन्हें सफलता दिलाई।



सवाल - कहीं बुलाया जाए तो आप समय पर जाएंगी या नहीं?

जवाब - टाइम तो सबका ही प्रीशियस है, तो मैं किसी इनवाइट पर टाइम पर पहुंचना प्रिफर करती हूं। जितना मेरा समय कीमती है, उतना ही दूसरे का भी। इसीलिए मैं कोशिश करती हूं कि दिए गए टाइम से 5 मिनट पहले कहीं भी पहुंचूं। मगर, तब बुरा लगता है जब कोई खुद ऑन-टाइम नहीं रहता।

BOLLYWOOD

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन 'प्रलय' के मेकर्स से नाराज



रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में विवाद खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र सरकार के खेल विभाग ने फिल्म की शूटिंग के लिए छह घंटे की अनुमति दी थी। इसके चलते मैदान पर चल रहे अंडर-14 और अंडर-16 इंटरस्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच प्रभावित हुए। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) को इन मैचों को स्थगित करना पड़ा। इस फैसले से नाराज MCA ने खेल विभाग के डिप्टी डायरेक्टर को पत्र लिखकर विरोध दर्ज कराया है।

शूटिंग के कारण प्रभावित हो रहा है क्रिकेट टूर्नामेंट

MCA की एक्जिक्यूटिव काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने बताया कि शूटिंग के लिए मैदान पर बड़े सेट लगाए गए और आर्टिफिशियल घास बिछाई गई। आजाद मैदान क्रिकेट ग्राउंड है। इसे व्यावसायिक शूटिंग के लिए इस्तेमाल करना उचित नहीं है।

'गॉडजिला...' का सीक्वल बनाने को तैयार हैं ताकाशी



फिल्ममेकर ताकाशी यामाजाकी 'गॉडजिला माइनस जीरो' के सीक्वल पर काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, निर्देशक मौजूदा फिल्म की कहानी के अंत से संतुष्ट हैं, लेकिन उनका कहना है कि अगर यह उनकी आखिरी गॉडजिला फिल्म हुई तो उन्हें दुख होगा। यामाजाकी के इस बयान से फ्रेंचाइज के प्रशंसकों के बीच अगली फिल्म को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं।

यामाजाकी ने कहा कि वे इस कहानी को आगे बढ़ाने की संभावना से इनकार नहीं करते। उन्होंने अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए कहा, 'अगर 'गॉडजिला माइनस जीरो' मेरी आखिरी गॉडजिला फिल्म होती है, तो मुझे थोड़ा दुख होगा।' उनके इस बयान में संकेत मिलता है कि वे भविष्य में एक बार फिर इस प्रतिष्ठित किरदार और उसकी दुनिया के साथ जुड़ना चाहेंगे। हालांकि, अभी तक सीक्वल को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिलहाल 'गॉडजिला माइनस जीरो' सिनेमाघरों में चल रही है। इस बीच यामाजाकी अपने अगले प्रोजेक्ट्स की तैयारी में जुटे हैं। उनकी अगली फिल्म 'ग्रैडक्लियर' जनवरी 2028 में रिलीज होगी। यह एक जाइंट रोबोट फिल्म है, जिसे हॉलीवुड फिल्ममेकर जे.जे. अब्राम्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के जरिए यामाजाकी एक बार फिर बड़े पैमाने पर विजुअल और साइंस-फिक्शन कहानी पेश करने जा रहे हैं।

'मातृभूमि' बनाने का विचार पिता की एक बात से आया था, VFX के कारण हुई है देरी: सलमान

अमित कर्ण | मुंबई

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की मेकिंग, शूटिंग में आई चुनौतियों और रिलीज में देरी पर सलमान ने कई बातें साझा कीं। उनके मुताबिक, यह फिल्म सिर्फ युद्ध और सैनिकों की बहादुरी की कहानी नहीं, बल्कि उन परिवारों के दर्द और भावनाओं को भी दिखाती है, जिनकी जिंदगी युद्ध से प्रभावित होती है। लद्दाख में शूटिंग, रियलिस्टिक मिलिट्री एक्शन और वीएफएक्स के काम के चलते फिल्म की तैयारी में ज्यादा समय लगा। गुणवत्ता से समझौता करने के बजाय फिल्म को पूरा समय देना बेहतर था।'

युद्ध को किसी देश के खिलाफ दिखाना नहीं था मकसद, सैनिकों की है ये फिल्म

सलमान कहते हैं...'मैंने यह फिल्म किसी देश के खिलाफ नफरत या आक्रामकता दिखाने के लिए नहीं बनाई है। इसका केंद्र हमारे सैनिक और उनके परिवार हैं। युद्ध में दोनों तरफ के सैनिक अपने देश के लिए जिम्मेदारी निभाते हैं। उनके भी मां-बाप, बच्चे और परिवार होते हैं, जो घर पर उनका इंतजार करते हैं।'

'बैटल ऑफ गलवान' से 'मातृभूमि...' टाइटल किसी दबाव में नहीं बदला

फिल्म के टाइटल में बदलाव पर सलमान ने कहा... 'एक गाने के दौरान 'मातृभूमि' नाम का विचार आया था। हमें लगा कि यह फिल्म की भावना और कहानी के भावनात्मक पक्ष को बेहतर तरीके से पेश करता है।'

स्क्रिप्ट बदलने के लिए सरकार की ओर से कुछ नहीं कहा गया

सरकारी हस्तक्षेप की चर्चाओं पर सलमान कहते हैं...'रक्षा मंत्रालय या सरकार की ओर से स्क्रिप्ट दोबारा लिखने या उसमें बदलाव करने का भी कोई दबाव नहीं था। मेरे पिता ने एक बार कहा था कि युद्ध में गोली लगने का असर एक मां के दिल और पूरे परिवार पर भी पड़ता है। बस इसी विचार से इस कहानी को बनाने की प्रेरणा मिली थी।'

चित्रांगदा की चोट से बदला था शूटिंग का शेड्यूल

सलमान के मुताबिक, मिलिट्री एक्शन में सैनिकों की गतिविधियों और हथियारों के इस्तेमाल की बारीकियों पर भी ध्यान दिया गया है। शुरुआत में 45-50 दिन में शूटिंग पूरी करने की योजना थी, लेकिन पहले गाने की रिहर्सल के दौरान चित्रांगदा सिंह के घुटने में चोट लगने से शेड्यूल बदलना पड़ा। सलमान कहते हैं, 'मैं चित्रांगदा के पीछे डांस कर रहा था, तभी उनके घुटने में चोट लगी। उन्हें स्किन्वी और फिजियोथेरेपी के लिए समय देना पड़ा। हमने उनकी सेहत को प्राथमिकता देते हुए शूटिंग रोकी।'



प्रियंका स्टारर 'ब्लूफ्लाई' में डेनियल मैकफर्सन की एंट्री

प्रियंका चोपड़ा जोनस और रसेल क्रो स्टारर साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में डेनियल मैकफर्सन की एंट्री हुई है। फिल्म में वह डुगन नाम के स्पेशल फोर्सेस सैनिक का किरदार निभाएंगे, जो वर्षों के युद्ध अनुभव से सख्त हो चुका है। फिल्म का निर्देशन निमरोड एंटल कर रहे हैं। कांगो की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में प्रियंका संयुक्त राष्ट्र की ट्रांसलेटर की भूमिका में हैं। कहानी एक रहस्यमयी दुर्घटनाग्रस्त विमान को खोजने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें प्रियंका का किरदार शामिल हो जाता है। फिल्म की स्क्रिप्ट डेविड ब्रिगेरियो, विलियम यूबैंक और कालांडच यूबैंक ने लिखी है। इसके प्रोडक्शन से माइकल जेफरसन, डेविड ब्रिगेरियो और डेबोरा ग्लोवर जुड़े हैं। डेनियल इससे पहले रसेल क्रो के साथ फिल्म 'बीस्ट' में नजर आए थे। उनकी अन्य फिल्मों में 'लैंड ऑफ बैड', 'पेकर फेस', 'ए स्किल इन टाइम', 'द अमेरिसिस चाइल्ड' और 'इन्फिनी' शामिल हैं। वहीं, टीवी सीरीज 'फाउंडेशन', 'स्टाइक बैक' और 'द शनारा क्रॉनिकल्स' में भी काम कर चुके हैं। फिलहाल 'ब्लूफ्लाई' की रिलीज डेट घोषित नहीं हुई है।





जन्म दिन विशेष

डॉक्टर नहीं, क्रिकेटर बनने की जिद ने बनाया सितारा, तिलक ने बल्ले से लिखी कामयाबी की कहानी



नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और आकर्षक शॉट्स से अलग पहचान बनाने वाले तिलक वर्मा आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। मैदान पर बड़े से बड़े गेंदबाजों का सामना करने का आत्मविश्वास और मुश्किल परिस्थितियों में टीम को संभालने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो शतक लगा चुके तिलक की सफलता के पीछे संघर्ष, परिवार का त्याग और क्रिकेट के प्रति उनका जुनून छिपा है। कभी हैदराबाद की गलियों और बीएचईएल क्वार्टर में क्रिकेट खेलने वाले इस युवा ने अपनी मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक का सफर तय किया है।

नंबूरी ठाकुर तिलक वर्मा का जन्म 8 नवंबर 2002 को हैदराबाद के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उनके पिता बीएचईएल में इलेक्ट्रिशियन थे। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन बच्चों के भविष्य को लेकर उनके पिता के बड़े सपने थे। वह चाहते थे कि उनके दोनों बेटे डॉक्टर बनें। हालांकि, बड़े बेटे तरुण ने बैडमिंटन और तिलक ने क्रिकेट को अपना लक्ष्य बना लिया। तिलक ने पिता को समझाया कि डॉक्टर बनने पर उन्हें सीमित लोग जानेंगे, जबकि क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करके वह पूरी दुनिया में पहचान बना सकते हैं। बेटे के इस विश्वास को पिता ने समझा और आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उसके सपने को पूरा करने में जुट गए।

11 साल की उम्र में घर से दूर शुरू हुई क्रिकेट की ट्रेनिंग

तिलक की प्रतिभा को निखारने में कोच सलाम बयाश का अहम योगदान रहा। महज 11 साल की उम्र में वह बेहतर क्रिकेट प्रशिक्षण के लिए घर से दूर सलोना चले गए। यहां कोच ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें तराशने की जिम्मेदारी उठाई। कोच ने केवल मैदान पर प्रशिक्षण ही नहीं दिया, बल्कि आने-जाने की व्यवस्था में भी मदद की। इस दौरान तिलक ने अनुशासन, मेहनत और खेल की बारीकियां सीखीं। परिवार और कोच के सहयोग ने उनके भीतर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास पैदा किया।

आईपीएल ने खोले भारतीय टीम तक पहुंचने के रास्ते

साल 2019 में तिलक ने प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में पदार्पण किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद 2022 में उन्हें आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने का अवसर मिला। अपने पहले ही सत्र में उन्होंने 14 मुकाबलों में 397 रन बनाकर सबका ध्यान खींचा। अगले सत्र में भी 343 रन बनाकर उन्होंने अपनी निरंतरता साबित की। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ परिपक्वता भी दिखाई दी। यही प्रदर्शन उनके भारतीय टीम तक पहुंचने का आधार बना।

भारत से लगातार दूसरी हार पर सेंटनर का छलका दर्द, बोले-

30-40 रन और बना लेते तो पलट सकता था मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ लगातार दूसरी हार ने न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर को निराश कर दिया है। पांच मैचों की वनडे सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद सेंटनर ने माना कि उनकी टीम स्कोर बोर्ड पर 30 से 40 रन कम छोड़ गई। उनका कहना है कि अगर न्यूजीलैंड 160 से 180 रन तक पहुंच जाता तो मुकाबले का नतीजा कुछ और हो सकता था। दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने 135 रन का लक्ष्य देने के बाद भारतीय बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया था। एक समय टीम इंडिया के सात विकेट 113 रन पर गिर चुके थे और कीवी टीम जीत के बेहद करीब नजर आ रही थी, लेकिन बारिश ने पूरा खेल बदल दिया। अंत में डीएलएस नियम के तहत भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया।

मुश्किल पिच पर भारतीय गेंदबाजों ने किया परेशान- मैच के बाद सेंटनर ने स्वीकार किया कि पिच बल्लेबाजी के लिए बेहद मुश्किल थी। उन्होंने कहा कि विकेट काफी पेचीदा था और भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को दबाव में रखा। शुरुआती ओवरों में विकेट गंवाने का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। हालांकि, पिच पर गेंदबाजों को मिल रही मदद को देखते हुए कीवी टीम को उम्मीद थी कि कम स्कोर के बावजूद मुकाबले में वापसी की जा सकती है।



सात विकेट गिराकर जीत के करीब पहुंची थी कीवी टीम

135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। भारतीय टीम 26 ओवर में सात विकेट खोकर 113 रन ही बना सकी थी। उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। इस स्थिति में न्यूजीलैंड की जीत लगभग तय दिखाई देने लगी थी। कीवी गेंदबाजों ने छोटे लक्ष्य का बचाव करने के लिए जिस तरह दबाव बनाया, उससे भारतीय खेमे में भी चिंता बढ़ गई थी।

बारिश ने बिगाड़ा न्यूजीलैंड का जीत का खेल- जब मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंचा, तभी तेज बारिश शुरू हो गई। खेल दोबारा शुरू कराने के लिए काफी इंतजार किया गया, लेकिन मौसम ने साथ नहीं दिया। आखिरकार डीएलएस नियम के आधार पर भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया। इस फैसले ने न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

160-180 रन होते तो मुकाबला और कड़ा होता

सेंटनर ने कहा कि इतने छोटे लक्ष्य का बचाव करने के लिए शुरुआती विकेट लेना जरूरी था और उनके गेंदबाजों ने यह काम बखूबी किया। हालांकि, बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। उनके मुताबिक, टीम अगर 30-40 रन और जोड़ने में सफल रहती तो भारत पर दबाव और बढ़ाया जा सकता था। लगातार दो हार के बाद अब न्यूजीलैंड के सामने सीरीज बचाने की चुनौती है। भारतीय टीम 2-0 की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में पहुंच गई है।

64 टेस्ट में 229 विकेट, छह बार पांच विकेट लेने का कारनामा

मोहम्मद शमी के पांच खौफनाक स्पेल जिन्होंने दुनिया पर किया राज, रिकॉर्ड रहा है बेमिसाल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के तेज गेंदबाजी इतिहास में मोहम्मद शमी का नाम हमेशा सुनहरे अक्षरों में दर्ज रहेगा। अपनी धारदार गेंदों, सटीक लाइन-लेंथ और घातक रिवर्स स्विंग से दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर करने वाले शमी ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। उनके संन्यास के साथ भारतीय क्रिकेट का एक ऐसा अध्याय समाप्त हो गया, जिसमें रफ्तार के साथ गेंद को दोनों तरफ घुमाने की अद्भुत कला देखने को मिली। शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट मुकाबलों में 27.71 की औसत से 229 विकेट हासिल किए। इस दौरान उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। उनके करियर के कई ऐसे स्पेल रहे, जिन्होंने विरोधी टीमों की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। आइए जानते हैं शमी के पांच सबसे यादगार प्रदर्शन।

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया पर बरपाया कहर- शमी की घातक गेंदबाजी का सबसे शानदार उदाहरण पर्थ टेस्ट में देखने को मिला। पहली पारी में 24 ओवर गेंदबाजी करने के बावजूद उन्हें कोई सफलता नहीं मिली, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने पूरी तस्वीर बदल दी। ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछालभरी पिच पर शमी ने अपनी रफ्तार और उछाल से बल्लेबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। उस्मान ख्वाजा, टिम पेन और एरॉन फिंच जैसे बल्लेबाज उनके सामने टिक नहीं सके। उन्होंने 56 रन देकर छह विकेट झटके। यह उनके टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।



ईडन गार्डन्स में डेब्यू से ही मचाया तहलका| कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शमी ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत ही धमाकेदार अंदाज में की थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू मुकाबले में उन्होंने अपनी रिवर्स स्विंग से कैरेबियाई बल्लेबाजों को परेशान कर दिया। मैच में कुल नौ विकेट लेकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। खास बात यह रही कि छह बल्लेबाजों को उन्होंने बोल्ड किया। शुरुआती मुकाबले में ही शमी ने बता दिया था कि भारतीय टीम को एक ऐसा तेज गेंदबाज मिल गया है, जो किसी भी पिच पर बल्लेबाजों के लिए खतरा बन सकता है।

विशाखापट्टनम में दक्षिण अफ्रीका की उड़ाई धज्जियां| 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विशाखापट्टनम टेस्ट में शमी ने दूसरी पारी में अपनी असली ताकत दिखाई। पहली पारी में बल्लेबाजों के दबदबे वाली सपाट पिच पर उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। लेकिन दूसरी पारी में 394 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ उन्होंने कहर बरपा दिया। शमी ने 35 रन देकर पांच विकेट झटके। टेम्बा बावुमा, फाफ डुप्लेसिस और क्विंटन डी कॉक जैसे बल्लेबाज उनकी गेंदों पर बोल्ड हुए। भारत ने यह मुकाबला 203 रन से जीता।

वांडरर्स में बाउंसर और यॉर्कर से किया शिकार| जोहान्सबर्ग के वांडरर्स मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शमी का प्रदर्शन भी बेहद यादगार रहा। दूसरी पारी में उन्होंने अपनी तेज रफ्तार, बाउंसर और सटीक यॉर्कर से मेजबान बल्लेबाजों को परेशान किया। एडन मार्करम, वर्नन फिलैंडर और मोर्ने मोर्कल उनके शिकार बने। मोर्ने मोर्कल को जिस शानदार यॉर्कर पर शमी ने बोल्ड किया, वह उनके करियर की यादगार गेंदों में शामिल रही। इस पांच विकेट वाले प्रदर्शन की बदौलत भारत ने मुकाबला 63 रन से अपने नाम किया।

सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका को किया धस्त| दक्षिण अफ्रीका की धरती पर शमी का प्रदर्शन हमेशा प्रभावशाली रहा। सेंचुरियन टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 44 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और दक्षिण अफ्रीका को 197 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। पूरे मुकाबले में उनके खाते में आठ विकेट आए। उनकी घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने सेंचुरियन में 113 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

रफ्तार, स्विंग और सटीक निशाने का यह संगम ही मोहम्मद शमी की पहचान रहा। उन्होंने साबित किया कि तेज गेंदबाजी सिर्फ गति का खेल नहीं, बल्कि धैर्य, कौशल और सही समय पर सही गेंद डालने की कला भी है। यही वजह है कि टेस्ट क्रिकेट से विदाई के बाद भी उनके ये प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों की यादों में लंबे समय तक जिंदा रहेंगे।

आईपीएल 2027

नीलामी से पहले बड़ा बदलाव, हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप की मुंबई में एंट्री!



नई दिल्ली। आईपीएल के आगामी सीजन से पहले एक बड़े ट्रेड की खबर सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल हो गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का हिस्सा बन गए हैं। दोनों फ्रेंचाइजी के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली पर सहमति बन गई है। आईपीएल नीलामी से पहले इस ट्रेड को पूरा कर लिया गया है।

समाचार एजेंसी ने बताया कि आईपीएल से जुड़े एक सूत्र ने इस ट्रेड की पुष्टि की है। सूत्र के मुताबिक, हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में खेलने को लेकर खुश हैं। माना जा रहा है कि श्रेयस आगामी सीजन में भी टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। सूत्र ने बताया कि हार्दिक को टीम में शामिल करने का फैसला पंजाब किंग्स के कप्तान और कोच ने मिलकर लिया है। वहीं, अर्शदीप सिंह लंबे समय से पंजाब की टीम का हिस्सा रहे हैं और फ्रेंचाइजी के साथ रहते हुए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मालिकों के लिए उन्हें रिलीज करने का फैसला आसान नहीं था। हालांकि, कप्तान और कोच ने इस ट्रेड को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

मुंबई इंडियंस के साथ हार्दिक का दूसरा कार्यकाल खत्म- हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। वह 2024 सीजन से पहले गुजरात टाइटंस को छोड़कर मुंबई इंडियंस में लौटे थे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी थी और लंबे समय तक टीम की कमान संभालने वाले रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को कप्तान बनाया गया था।

तीसरे वनडे के बाद टीम के साथ सिर्फ गंभीर रुकेंगे

बैटिंग-बॉलिंग कोच टेस्ट टीम से जुड़ेंगे; अर्शदीप-गुरनूर वनडे सीरीज के बाद न्यूजीलैंड में रुकेंगे

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ही भारतीय टीम के साथ रुकेंगे। बैटिंग और बॉलिंग कोच टेस्ट टीम से जुड़ जाएंगे।

वहीं, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार और आकिब नबी को भी वनडे सीरीज के बाद टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड में रोका गया है। बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। तीसरा वनडे मंगलवार को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

टेस्ट टीम के 13 खिलाड़ी पहले से न्यूजीलैंड में मौजूद

टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए 16 खिलाड़ियों में से 13 पहले से न्यूजीलैंड में हैं। इनमें 6 खिलाड़ी इंडिया- के साथ हैं, जबकि 7 खिलाड़ी वनडे टीम का हिस्सा हैं। इंडिया- में यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, साई सुदर्शन, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं।

वहीं, वनडे टीम में शुभमन गिल, केएल राहुल, आकाश दीप, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और अंशुल कंबोज हैं।

बाकी 3 खिलाड़ी- ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा और देवदत्त पडिक्कल 11 तक टीम से जुड़ जाएंगे।

अर्शदीप टी-20 में टॉप विकेट टेकर, गुरनूर वनडे में आगे

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में अर्शदीप सिंह भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5 मैचों में 6 विकेट लिए। वहीं, वनडे सीरीज के शुरुआती दो मैचों में गुरनूर बरार 7 विकेट लेकर टॉप विकेट टेकर हैं। अर्शदीप ने 4 और आकिब नबी ने 2 विकेट लिए। वनडे में गुरनूर की इकोनॉमी 3.82 रही, जबकि अर्शदीप ने 5.05 और आकिब ने 4.92 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की।



11 नवंबर से शुरू होगा टेस्ट कैंप

कोटक ने बताया कि भारतीय टीम के टेस्ट खिलाड़ी 11 नवंबर से तैयारी कैंप में हिस्सा लेंगे। इस दौरान 5-6 अभ्यास सत्र होने की उम्मीद है। भारत- के तीन मैचों से भी बल्लेबाजों और गेंदबाजों को तैयारी का मौका मिला है।

उन्होंने बताया कि हेड कोच गौतम गंभीर वनडे टीम के साथ रहेंगे। वे और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल वेलिंगटन जाएंगे। अर्शदीप, गुरनूर और आकिब टेस्ट की तैयारी के लिए टीम के साथ रुकेंगे।

कोटक बोले- राहुल कभी दबाव में नहीं दिखते

बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने केएल राहुल की तारीफ करते हुए कहा कि वे टीम की जरूरत के हिसाब से खेलते हैं और दबाव में नहीं दिखते। राहुल ने दूसरे वनडे में बारिश से प्रभावित रन चेज में 26 रन बनाकर नाबाद रहे थे। भारत ने ष्ठरुस्‍ नियम से यह मैच 4 रन से जीता था।

अतिरिक्त ऑलराउंडर को लेकर बोले- गेंदबाज कम करना मुश्किल

टीम में अतिरिक्त ऑलराउंडर को शामिल करने के सवाल पर कोटक ने कहा कि खिलाड़ियों को उनकी तय भूमिका के आधार पर चुना जाता है। एक अतिरिक्त बल्लेबाज को जगह देने के लिए गेंदबाजों की संख्या कम करना आसान नहीं होता।

बांग्लादेश-वेस्टइंडीज दूसरा टेस्ट ड्रॉ:हृदोय का अर्धशतक, वॉरिकन को 3 विकेट; मुशफिकुर रहीम 7 हजार टेस्ट रन बनाने वाले पहले बांग्लादेशी



एजेंसी नई दिल्ली

बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच सिलहट में खेला गया दूसरा टेस्ट ड्रॉ रहा। हालांकि, वेस्टइंडीज ने दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली।

मैच के पांचवें दिन 369 रन के टारगेट का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने 4 विकेट पर 184 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 356 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश ने 386 रन बनाए और 30 रन की बढ़त हासिल की।

तौहीद हृदोय ने दूसरी पारी में 82 रन बनाए। उन्होंने पहली पारी में नाबाद दोहरा शतक लगाया था। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस मुकाबले में मुशफिकुर रहीम 7 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने।

वेस्टइंडीज ने 398/6 पर पारी घोषित की

वेस्टइंडीज ने पांचवें दिन 3 विकेट पर 345 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 53 रन और जोड़े और दूसरी पारी 6 विकेट पर 398 रन बनाकर घोषित कर दी। केवम हॉज 142 और अमीर जांगू 39 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर बांग्लादेश को 369 रन का टारगेट दिया।

हृदोय-मुशफिकुर की 100 रन की साझेदारी

टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने लंच तक 14 ओवर में 2 विकेट पर 49 रन बनाए। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 14 और तंजिद हसन 21 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद तौहीद हृदोय और मुशफिकुर रहीम ने पारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 239 गेंदों पर 135 रन जोड़े। टी-ब्रेक तक हृदोय 82 और मुशफिकुर 40 रन बनाकर नाबाद थे।

ब्रेक के बाद वेस्टइंडीज ने वापसी की। जोमेल वॉरिकन ने हृदोय को 82 रन पर और शमार जोसेफ ने मुशफिकुर को 49 रन पर आउट किया। खराब रोशनी के कारण दिन का खेल जल्दी खत्म हुआ और मैच ड्रॉ रहा।

मुशफिकुर ने बांग्लादेश के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाए

मुशफिकुर टेस्ट क्रिकेट में 7 हजार रन बनाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बन गए हैं। बांग्लादेश की टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में मोमिनुल हक 5,293 रन के साथ दूसरे और तमीम इकबाल 5,134 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

दानुवा घाटी में काल बनकर आया ट्रक, एक ही परिवार के सात लोगों की मौत

परिजन के अंतिम संस्कार के लिए बनारस जा रहे थे अटका गांव के लोग, हादसे में 15 अन्य घायल; पांच की मौके पर ही मौत, दो ने अस्पताल में तोड़ा दम

रफ्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग। जिले के चौपारण थाना क्षेत्र की दानुवा घाटी में सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड स्थित अटका गांव के लोग एक परिजन के शव का अंतिम संस्कार करने के लिए वाहन से बनारस जा रहे थे। इस दुर्घटना ने परिवार की खुशियों और उम्मीदों को मातम में बदल दिया। मिली जानकारी के अनुसार, सवारी वाहन में करीब 20 लोग सवार थे। दानुवा घाटी के समीप वाहन रोककर परिजन





शव को ठीक से बांध रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने खड़े वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन में सवार लोग बुरी तरह प्रभावित हुए। हादसे में पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को तत्काल चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद छह गंभीर घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान एक महिला समेत दो घायलों ने दम तोड़ दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक महिला को बेहतर उपचार के लिए रांची भेजा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में सहयोग किया। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है। जिस परिवार के सदस्य अपने परिजन का अंतिम संस्कार करने बनारस जा रहे थे, उसी परिवार के कई लोगों की असमय मौत से हर कोई स्तब्ध है।

समाचार सार

4 जनवरी को होगा भव्य 9वां श्री महाकाल महोत्सव, तैयारियों को लेकर बैठक में बनी रणनीति



रामगढ़ (रफ्तार मीडिया संवाददाता): रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाला 9वां श्री महाकाल महोत्सव आगामी 4 जनवरी 2027 को धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया जाएगा। रामगढ़ जिले की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना को लेकर प्रत्येक वर्ष साल के पहले सोमवार को आयोजित होने वाले इस धार्मिक महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में सोमवार, 9 नवंबर को कलश वेंकटेश सभागार में समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस ने की। बैठक में महोत्सव को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए आयोजन की रूपरेखा, विभिन्न व्यवस्थाओं, प्रचार-प्रसार तथा श्रद्धालुओं की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव भी दिए। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि श्री महाकाल महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि रामगढ़ जिले की आस्था, एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। समिति का प्रयास है कि इस वर्ष महोत्सव को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक भव्य एवं यादगार बनाया जाए। उन्होंने जिले के समस्त श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों से महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। बैठक में जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार, अमर बोदरा, पिंटू मालाकार, सुरेंद्र राम, राम कुमार कुशवाहा, कोषाध्यक्ष सिकंदर सोनी, संजय मुंडा, सकिंदर प्रजापति सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रोजगार की मांग को लेकर एएमवीईईएस कंपनी का अनिश्चितकालीन बंदी, वादाखिलाफी का लगाया आरोप



घाटों/रामगढ़ : झरना बस्ती ट्रांसपोर्ट क्षेत्र में टाटा कंपनी के अंतर्गत एएमवीईईएस कंपनी द्वारा किए जा रहे कार्य को सोमवार, 9 नवंबर 2026 को अनिश्चितकालीन बंद करा दिया गया। यह कार्रवाई रोजगार एवं वैकल्पिक रोजगार की मांग को लेकर की गई। बताया जाता है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने की मांग को लेकर पूर्व में कंपनी प्रबंधन को मांग पत्र सौंपा गया था। आरोप है कि कंपनी प्रबंधन द्वारा मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। इसे कंपनी की वादाखिलाफी बताते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रामगढ़ जिला संयोजक मंडली प्रमुख बिनोद किस्कू के निदेर्शानुसार कार्यकर्ताओं ने कंपनी के कार्यस्थल पर अनिश्चितकालीन बंदी शुरू कर दी। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक रोजगार एवं वैकल्पिक रोजगार से संबंधित मांगों पर कंपनी प्रबंधन की ओर से सकारात्मक पहल नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान नरेश हंसदा, रामकुमार मांझी, सकलदेव करमाली, मंतोष सिंह, सुखदेव करमाली, सूरज मुर्मू, विक्की कुमार सहित अन्य साथी मौजूद थे।

जनसेवा की अनूठी मिसाल: वार्ड-15 की पार्षद किरण देवी ने निजी खर्च से बांटे 600 कंबल



मिहिजाम (रफ्तार मीडिया संवाददाता): छठ महापर्व के पावन अवसर पर मिहिजाम नगर परिषद के वार्ड-15 में जनसेवा की एक प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है, जहाँ स्थानीय पार्षद किरण देवी ने अपने निजी संसाधनों और संपूर्ण स्व-वित्तीय प्रयास से लगभग 600 उच्च गुणवत्ता वाले डबल लेयर कंबल जरूरतमंदों में वितरित किए। बिना किसी बाहरी संस्था या व्यक्ति से आर्थिक सहायता लिए, उन्होंने विशेष रूप से लुधियाना से ये कंबल मंगवाए और घर-घर जाकर राहत पहुंचाई, जिससे ठिठुरती ठंड में गरीबों के चेहरे खिल उठे। पार्षद ने स्पष्ट किया कि यदि कोई परिवार इस अभियान से छूट गया है, तो छठ के बाद उन्हें भी यह सहायता अवश्य दी जाएगी ताकि कोई भी जरूरतमंद इस ठंड में वंचित न रहे। किरण देवी का मुख्य संकल्प वार्ड-15 को स्वच्छता, बेहतर नागरिक सुविधाओं और जनसहभागिता के बल पर मिहिजाम का 'आदर्श वार्ड' बनाना है। उनका यह सराहनीय कदम जनप्रतिनिधियों के सामाजिक दायित्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिससे क्षेत्र में उनकी इस जनहितैषी पहल की चौतरफा प्रशंसा हो रही है।

कालीपूजा की आड़ में चल रहे जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा, चार गिरफ्तार

मिहिजाम(रफ्तार मीडिया संवाददाता): कालीपूजा के उत्सवी माहौल और जगमगाती रोशनी के बीच अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वालों के खिलाफ रूपनारायणपुर फाड़ी पुलिस ने एक बड़ी और सफल कार्रवाई को अंजाम दिया है। मिहिजाम थाना क्षेत्र से सटे डोमदाहा गांव में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अचानक दबिश देकर चोरी-छिपे संचालित हो रहे जुए के अड्डे का भंडाफोड़ किया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से वहां अफरातफरी मच गई और भागने की कोशिश कर रहे चार जुआरियों को पुलिस ने मुस्तैदी से घेरकर दबोच लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से नकदी, जुए का बोर्ड और खेल में इस्तेमाल होने वाली अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी भारी मात्रा में जब्त की। आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद गिरफ्तार सभी चारों आरोपितों को आसनसोल अदालत में पेश कर दिया गया। त्योहार के पवित्र समय में इस तरह के गैरकानूनी धंधों पर लगाम कसने के लिए पुलिस प्रशासन की इस मुस्तैदी की हर तरफ सराहना हो रही है। पुलिस अधिकारियों ने दो टूक चेतावनी दी है कि पर्व-त्योहारों के नाम पर शांति भंग करने या अवैध गतिविधियों में संलिप्त रहने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसी कड़ी निगरानी व छापेमारी का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

दीपावली के अवसर पर जामताड़ा डीएवी स्कूल में हुआ विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन, विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

सांसद आदर्श ग्राम गादी में क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन

लक्ष्मण सिंह ने फीता काटकर किया शुभारंभ, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

रफ्तार मीडिया संवाददाता

राजधनवार : धनवार प्रखंड क्षेत्र के सांसद आदर्श ग्राम गादी में सोमवार को क्रिकेट टूनार्मेंट का भव्य आयोजन किया गया। टूनार्मेंट का विधिवत उद्घाटन भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में ग्रामीणों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा गया। इस मौके पर खिलाड़ियों एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए लक्ष्मण सिंह ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है।

खेल से युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास होने के साथ-साथ उनमें अनुशासन,



एकता, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें उचित मंच और अवसर प्रदान करने की। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीत और हार खेल का हिस्सा है। खिलाड़ियों को हार से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। खेल को हमेशा खेल भावना, आपसी सौहार्द और अनुशासन के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास करने और अपने गांव व क्षेत्र का नाम रोशन करने की अपील की।कार्यक्रम के बाद लक्ष्मण सिंह बरजो स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान कई कार्यकताओं ने श्री सिंह को अपनी समस्याओं से अवगत कराया जहाँ श्री सिंह ने कई की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया, जबकि अन्य समस्याओं के शीघ्र निदान का भरोसा दिलाया। मौके पर शिवनंदन राय, पवन सिंह, राजेंद्र यादव, परमानंद राय, अनिल राय, नकुल राय, अरविंद पंडित, प्रवीण राय, मुकेश राय, राहुल राय, बसंत राय, इंद्रदेव राय, मनोज राय, मिथिलेश राय, बद्री साव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, खेल प्रेमी एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया काली पूजा, नम आंखों से की मा काली का विदाई



गांडेय (रफ्तार मीडिया संवाददाता): गांडेय प्रखंड के डोकीडीह पंचायत के मोहनपुर गांव स्थित काली मंदिर और मोहदामोड के हरिजन टोला स्थित मंदिर मे रविवार की रात को काली पूजा का आयोजन किया गया। इस क्रम मे परोहितो ने रविवार की मध्य रात्रि को मां काली के प्रतिमा की विधि - विधान से पूजा अर्चना करवाया। माता के पूजा अर्चना के बाद सुबह को माता के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड उमड पडी। मोहनपुर काली मंदिर मे सोमवार को भव्य मेला का आयोजन किया गया। मेला मे विभिन्न प्रकार के मनिहारी, बच्चो के खिलोने, मिठाई, चाय - नाश्ता सहित विभिन्न प्रकार के दुकान लगाए गए थे। सोमवार की शाम को माता काली के प्रतिमा का विसर्जन विधि - विधान से किया गया। गांडेय के सामाजिक कार्यकर्ता श्याम पाठक ने हरिजन टोला स्थित काली मंदिर पहुंचकर ग्रामीणों को शुभकामनाएं दिया मोहनपुर मे आयोजित काली पूजा के सफल आयोजन मे सहदेव सिंह, बाबूलाल सिंह,संजय सिंह,गणेश सिंह, शंकर सिंह,मनोज सिंह, सुजीत सिंह,बसंत सिंह, योगेंद्र सिंह,विदेश्वर राय, सहित अन्य लोगों का अहम योगदान रहा।

कॉस्मोस क्लब में देर रात हुई मां काली की आराधना भक्तों के बीच वितरित किया गया भोग प्रसाद

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची : दीपावली और काली पूजा के अवसर पर राजधानी रांची में उत्सव का माहौल देखने को मिला। शहर के विभिन्न इलाकों में पूजा समितियों की ओर से आकर्षक पंडालों का निर्माण कर मां काली की पूजा अर्चना की गई। इसी क्रम में कॉस्मोस क्लब की ओर से भी पारंपरिक विधि विधान के साथ मां काली की आराधना की गई।

रजरप्पा से आए पुजारी के द्वारा कराया जाता हैं पूजन का अनुष्ठान

क्लब के संस्थापक सदस्य देवाशीष रॉय ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी रजरप्पा से आए पुजारी के द्वारा पूजा संपन्न कराई गई। रविवार की रात नौ बजे पूजा प्रारंभ हुई। इसके बाद मध्यरात्रि 12 बजे बलिदान एवं भोग निवेदन का अनुष्ठान हुआ। रात 12:30 बजे पुष्पांजलि और मध्यरात्रि एक बजे हवन के साथ पूजा संपन्न हुई। वहीं, क्लब के अध्यक्ष कौशिक चक्रवर्ती ने बताया कि पूजा के समापन के बाद रात 1:30 बजे से भक्तों के बीच भोग प्रसाद का वितरण शुरू किया गया जिस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भक्तों के बीच भोग वितरण का सिलसिला सोमवार तक जारी रहा।

आज होगा दिवाली गाला नाइट का आयोजन

कॉस्मोस क्लब की ओर से काली पूजा महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की परंपरा भी इस वर्ष जारी रहेगी। देवाशीष रॉय ने बताया



कि सोमवार की संध्या श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए विशेष रूप से 'दिवाली गाला नाइट' का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में विभिन्न गीतों की प्रस्तुति होगी। इसके अलावा लोकनृत्य कलाकार विपुल नायक अपनी टीम के साथ विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे. वहीं, मीडिया प्रभारी सौरभ रॉय ने माँ काली के भक्तो से अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में कॉस्मोस क्लब के पूजा पंडाल मे पधारे और माँ काली का दर्शन करे आपका स्नेह हि हमे प्रोत्साहित करता है की प्रत्येक वर्ष कुछ अलग किया जाए।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत, ग्रामीणों ने एक घंटे तक किया हाईवे जाम

गुहीयाजोड़ी के पास हुआ हादसा, मुआवजे और सड़क सुरक्षा की मांग को लेकर जताया आक्रोश

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : जामताड़ा जिले के बिंदापाथर थाना क्षेत्र अंतर्गत गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य मार्ग पर गुहीयाजोड़ी के समीप सोमवार को सड़क दुर्घटना में एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। मृत महिला की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, महिला सड़क से गुजर रही थी, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। महिला की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे और सड़क सुरक्षा की मांग को लेकर गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य मार्ग को करीब एक घंटे तक जाम कर दिया। सड़क जाम होने से हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को



काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधिकारी और स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया, जिसके बाद जाम हटाया गया और यातायात सामान्य हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जामताड़ा भेज दिया। इधर, मृत महिला की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों के माध्यम से उसकी पहचान करने में जुटी है। साथ ही दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन की तलाश भी की जा रही है।

झामुमो युवा नेता पिंटू यादव ने कहा कि गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य मार्ग पर लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

काली पूजा लक्ष्मी पूजा में पंडालों मंदिरों में दर्शन के लिए उमड़ी भीड़, श्रद्धा भक्ति के साथ घरों में भी हुई पूजा अर्चना

आसमान में आतिशबाजी और जमीन पर दीपों की कतार, दीपावली व काली पूजा पर देखते ही बन रही अभ्रकनगरी कोडरमा की छटा

रफ्तार मीडिया संवाददाता

झुमरी तिलैया : अभ्रकनगरी कोडरमा में दीपावली, लक्ष्मी पूजा और काली पूजा का त्योहार पूरी श्रद्धा, भक्ति और अपार उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर जहां एक ओर लोगों ने अपने घरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की, वहीं दूसरी ओर शहर के प्रसिद्ध मंदिरों और भव्य पूजा पंडालों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। चारों तरफ उल्लास और उमंग का माहौल देखा गया।

मंत्रोच्चारण से भक्तिमय हुआ वातावरण

शाम होते ही कोडरमा जिले के विभिन्न प्रखंडों और झुमरी तिलैया शहर के घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों व मंदिरों में पूजा की



शुरूआत हुई। पुरोहितों और गृहस्वामियों द्वारा घंटियों की गूंज और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच धन की देवी माँ लक्ष्मी और भगवान गणेश की आराधना की गई। परिवारों ने सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद बच्चों और युवाओं में आतिशबाजी को लेकर खासा उत्साह दिखा। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखेरते पटाखों ने पर्व की रौनक को और बढ़ा दिया।

प्रमुख मंदिरों और पंडालों में दर्शन को पहुंचे श्रद्धालु

शहर के प्रसिद्ध सामंतो काली मंदिर और कोडरमा स्टेशन काली मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। इसके अलावा स्टेशन रोड, खुदरा पट्टी, हटिया रोड, विश्रामबाग रोड, देवी मंडप रोड और तिलैया बस्ती में विभिन्न पूजा समितियों द्वारा भव्य पंडाल स्थापित किए गए थे। इन पंडालों में माँ काली के दर्शन के लिए बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में पहुंचे। पूजा अर्चना के साथ-साथ कई समितियों द्वारा भक्ति जागरण का भी आयोजन किया गया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।



दीपों और रंगोली से जगमगाया अभ्रकांचल

दीपावली के इस मौके पर पूरा कोडरमा रोशनी से सराबोर दिखा। शहर की गलियों से लेकर मुख्य सड़कों तक दीपों की कतारें नजर आईं। घरों की चौखट, छत, बालकनी और आंगन में जलते मिट्टी के दीयों ने बेहद मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया। महिलाओं और युवतियों ने मुख्य द्वार और आंगन को पारंपरिक अल्पना व खूबसूरत रंगोलियों से सजाया। बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी रंग-बिरंगी बिजली की झालरों से जगमगाते रहे।

बड़ों का आशीर्वाद और शुभकामनाओं का दौर

इस पावन पर्व पर सामाजिक सौहार्द का अनोखा नजारा देखने को मिला। पूजा और दर्शन के बाद लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली व काली पूजा की शुभकामनाएं दीं। युवाओं और बच्चों ने अपने से बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। कुल मिलाकर, अभ्रकांचल कोडरमा का कोना-कोना इस बार दीपोत्सव के पारंपरिक रंगों और श्रद्धा के सागर में डूबा नजर आया।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।